फाल्गुन शुक्ल पक्ष षष्ठी
विक्रम संवत 2080

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शुक्रवार, 15 मार्च 2024
वर्ष 4, अंक 27, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

संघ की सभा आज से, शीर्ष पदाधिकारी होंगे शामिल 16

माही का होली गीत उजर ओढ़निया रंगनी रिलीज 15

पढ़ते रहिये... अमृत विचार
फेस्टिवल ऑफर
₹5/- प्रतिदिन

एक साथ चुनाव की सिफारिश

एक देश एक चुनाव : कोविंद समिति ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी रिपोर्ट

समिति ने कहा-एक साथ चुनाव से विकास और सामाजिक एकजुटता बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने पहले कदम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की तथा इसके बाद 100 दिनों के भीतर एक साथ स्थानीय निकाय चुनाव कराने की गुरुवार को सिफारिश की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी गई 18 हजार से ज्यादा पृष्ठों की रिपोर्ट में कोविंद की अगुवाई वाली समिति ने कहा कि एक साथ चुनाव कराए जाने से विकास प्रक्रिया और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा मिलेगा, लोकतांत्रिक परंपरा की नींव गहरी होगी और इंडिया जो कि भारत है की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी। इस समिति ने अपनी सिफारिशों में कहा कि त्रिशंकु स्थिति या अविश्वास प्रस्ताव या ऐसी किसी स्थिति में नई लोकसभा के गठन के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं। समिति ने कहा कि लोकसभा के लिए जब नए चुनाव होते हैं, तो उस सदन का कार्यकाल ठीक पहले की लोकसभा के कार्यकाल के शेष समय के लिए ही होगा। उसने कहा कि जब राज्य विधानसभाओं के लिए नए चुनाव होते हैं, तो ऐसी नई विधानसभाओं का कार्यकाल -अगर जल्दी भंग नहीं हो जाएं- लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल तक रहेगा। समिति ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था लागू करने के लिए, संविधान के अनुच्छेद 83 (संसद के सदनों की अवधि) और अनुच्छेद 172 (राज्य विधानमंडलों की अवधि) में संशोधन की आवश्यकता होगी। इस संशोधन की राज्यों द्वारा पुष्टि किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी। समिति ने यह भी सिफारिश की कि भारत निर्वाचन आयोग राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से एकल मतदाता सूची और मतदाता पहचान पत्र तैयार करे। समिति ने कहा कि इस उद्देश्य के लिए मतदाता सूची से संबंधित अनुच्छेद 325 को संशोधित किया जा सकता है। फिलहाल, भारत निर्वाचन आयोग पर लोकसभा और विधानसभा चुनावों की जिम्मेदारी है, जबकि नगर निकायों और पंचायत चुनावों की जिम्मेदारी राज्य निर्वाचन आयोगों पर है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सरकार को एक साथ चुनाव प्रणाली लागू करने के लिए कानूनी रूप से व्यवहार्य तंत्र विकसित करना चाहिए। राष्ट्रपति मूर्मू को रिपोर्ट सौंपते वक्त कोविंद के साथ समिति के सदस्य गृह मंत्री अमित शाह, वित्त आयोग के पूर्व प्रमुख एनके सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आज़ाद और विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी थे।

नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक राष्ट्र, एक चुनाव की रिपोर्ट सौंपते उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष व पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद। साथ में संघ गृह मंत्री अमित शाह और डीपीएपी नेता गुलाम नबी आजाद। ● एजेंसी

32 दलों ने किया समर्थन, 15 ने विरोध

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने एक राष्ट्र, एक चुनाव के मुद्दे पर 62 पार्टियों से संपर्क किया था और इस पर जवाब देने वाले 47 राजनीतिक दलों में से 32 ने इस विचार का समर्थन किया, जबकि 15 दलों ने इसका विरोध किया। कुल 15 पार्टियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने प्रस्ताव का विरोध जबकि भाजपा व एनपीपी ने समर्थन किया।

191 दिनों के शोध के बाद बनी रिपोर्ट

इस उच्चस्तरीय समिति का गठन दो सितंबर, 2023 को किया गया था और हितधारकों व विशेषज्ञों के साथ व्यापक परामर्श और 191 दिनों के शोध के बाद यह रिपोर्ट तैयार की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक साथ चुनाव के विचार का समर्थन करते रहे हैं और उन्होंने कहा है कि देश को महान बनाने के लिए 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा जरूरी है।

प्रस्ताव के मुख्य बिंदु

- त्रिशंकु स्थिति में नए सिरे से कराए जा सकेंगे चुनाव
- संविधान के अनु. 83 व 172 में करना होगा संशोधन
- मतदाता सूची से संबंधित अनु. 325 में भी बदलाव
- सरकार विकसित करे कानूनी रूप से व्यवहार्य तंत्र

पूर्व आईएएस ज्ञानेश और सुखबीर निर्वाचन आयुक्त नियुक्त

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा से पहले पूर्व आईएएस ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को गुरुवार को निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर घोषणा की। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने उनके नामों की सिफारिश करने के लिए आज बैठक की। बता दें कि अनूप चंद्र पांडे के 14 फरवरी को सेवानिवृत्त होने और आठ मार्च को अरुण गोयल के अचानक इस्तीफे के बाद निर्वाचन आयोग में ये पद खाली हो गए थे। कुमार और संधू दोनों वर्ष 1988 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने लोकसभा चुनावों की घोषणा करीब आने के बीच बृहस्पतिवार शाम को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो-दो रुपये प्रति लीटर की कटौती कर दी। नई दरें शुक्रवार सुबह छह बजे से लागू हो जाएंगी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बयान में कहा कि सरकारी स्वामित्व वाली पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संशोधन करने का फैसला किया है। इस कटौती के बाद राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमत अब 94.72 रुपये प्रति लीटर होगी। वहीं डीजल 87.62 रुपये में मिलेगा।

राजकीय महाविद्यालयों को मिलेंगे 117 योग प्रशिक्षक

देहरादून : प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में शीघ्र ही 117 योग प्रशिक्षकों की तैनाती की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने इसके लिए भर्ती विज्ञप्ति जारी कर दी है। महाविद्यालयों में योग प्रशिक्षकों को आउटसोर्स के माध्यम से अस्थायी रूप से 11 माह के लिए तैनाती दी जाएगी। उन्हें प्रत्येक दिन 300 रुपये प्रतिवादन अथवा अधिकतम 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी को रोजगार प्रयाग पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ योग प्रशिक्षण के मद्देनजर नवीन शैक्षिक सत्र से नियत वेतनमान पर 117 योग प्रशिक्षक तैनात किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में विज्ञप्ति जारी कर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। राजकीय महाविद्यालयों में योग प्रशिक्षकों को आउटसोर्स से अस्थायी रूप से 11 माह के लिए रखा जाएगा। इस अवधि में उन्हें प्रति दिन 300 रुपये प्रतिवादन या फिर अधिकतम 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। योग प्रशिक्षक के लिये अभ्यर्थी को किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से योग, योग विज्ञान, योग चिकित्सा, योग शिक्षा में स्नातकोत्तर या समकक्ष उपाधि धारक होना जरूरी है। किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा योग शिक्षा में प्रतिष्ठित संस्थान से योग, योग विज्ञान, योग चिकित्सा, योग शिक्षा में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा या समकक्ष उपाधि धारक भी योग प्रशिक्षक पद के लिये आवेदन कर सकता है। अभ्यर्थी को रोजगार प्रयाग पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

- **उच्च शिक्षा विभाग ने जारी की विज्ञप्ति, आउटसोर्स से होगी भर्ती**
- **अभ्यर्थी को रोजगार प्रयाग पोर्टल पर करना होगा अनिवार्य पंजीकरण**

"नई शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के तहत प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को किताबी ज्ञान के साथ स्वस्थ रहने के लिये योगाभ्यास भी कराया जाएगा। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने आउटसोर्स के माध्यम से योग प्रशिक्षक के 117 अस्थायी पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है, शीघ्र ही चयनित अभ्यर्थियों को महाविद्यालयों में तैनाती दी जाएगी।

- डा. धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मंत्री

दिल्ली से पिथौरागढ़ हवाई सेवा का शुभारंभ

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को पिथौरागढ़ में एलायंस एअर के 42 सीटर हवाई जहाज की सफल ट्रायल लैंडिंग के बाद देहरादून में इस सेवा का औपचारिक शुभारंभ कर दिया है। सीएम धामी ने कहा है कि इस हवाई सेवा के शुरू होने के बाद जहां प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं सीमांत क्षेत्र के लोगों को आवाजाही में भी काफी सुविधा मिलेगी।

गुरुवार को पिथौरागढ़ के नैनी सैनी एअरपोर्ट पर एलायंस एअर के 42 सीटर हवाई जहाज ने पहली बार अपनी सफल ट्रायल लैंडिंग की। गुरुवार की सुबह यह विमान नैनी सैनी एअर पोर्ट पहुंचा। विमान की सफल लैंडिंग के बाद देहरादून में सीएम पुष्कर धामी ने अपने कैंप कार्यालय में इस हवाई सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए आज दिल्ली से पिथौरागढ़ के लिए औपचारिक रूप से विमान सेवा का शुभारंभ कर दिया गया है। विमान के संचालन से सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में एअर कनेक्टिविटी और सुदृढ़ होगी। इस अवसर पर सचिव शैलेश बगोली, अपर सचिव सी. रविशंकर, स्टेशन मैनेजर एलायंस एयर आरती शर्मा सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

325 साला खालसा साजना दिवस को समर्पित

गुरमत संत समागम

दिनांक : 17, 18, 19 मार्च, 2024

गोराया पेपर मिल, बाजपुर रोड, चैती, काशीपुर विखे।

NANAKSAR BAZPUR
FATEH TV
BAANI

श्री अकाल तख्त साहिब से आये पंच प्यारों द्वारा अमृत संचार होगा जी।

तीनों दिन गुरु का लंगर अटूट बरतेगा

दर्शनाभिलाषी : उत्तराखण्ड पश्चिमी उत्तर प्रदेश सर्व गुरु नानक नाम लेवा गुरु की संगत

मो. 9927807721, 9012113000

बंद होने जा रहा नैनीताल के घुग्घुखान का प्राथमिक स्कूल, 5वीं का छात्र भी अगले माह दूसरे स्कूल में चला जाएगा

अनोखा स्कूल : जहां 2 शिक्षिकाएं पढ़ा रहीं एक छात्र

गौरव जोशी, नैनीताल

अमृत विचार : भले ही प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाकर सरकारी स्कूलों की स्थिति को बेहतर करने के दावे कर रही हो मगर धरातल पर कुछ और ही हकीकत है। क्योंकि नैनीताल के घुग्घुखान के प्राथमिक विद्यालय में मात्र एक छात्र रह गया है। उसको पढ़ाने के लिए दो शिक्षिकाओं को नियुक्त किया है।

इस प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने केवल एक 5वीं का छात्र निर्मल आता है। अगले माह से वह भी छठी कक्षा में चला जाएगा। ऐसे में अगर यहां बच्चों ने प्रवेश नहीं लिया तो अगले माह से इस स्कूल में संख्या शून्य हो जाएगी। बता दें कि नैनीताल जिले राजकीय प्राथमिक विद्यालय घुग्घूखाम में बीते सालों में विद्यार्थियों की संख्या कम हुई है। यह संख्या सत्र 2019 -20 में -15 थी। वहीं 2020-21 में यह संख्या बच्चों की 14 रह गयी। 22-23 में यह संख्या घटकर 4 रह गई। 2024 में यह संख्या घटकर केवल 1 रह गई। 31 मार्च 2024 को पांचवीं में पढ़ने वाला निर्मल आर्या भी दूसरे स्कूल में चला जाएगा।

स्कूल में एक छात्र को पढ़ातीं शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

> 12 वर्षों से यहां पढ़ा रही हूं। लगातार हर वर्ष संख्या घट रही है। इसका मुख्य कारण अभिभावकों का अपने बच्चों को नैनीताल के प्राइवेट स्कूल में पढ़ाना है।
>
> **-यशोदा रावत,** शिक्षिका प्राथमिक विद्यालय

> लोग यहां से अपनी जमीन बेचकर बाहर जा रहे हैं, जिससे वे अपने बच्चों को भी बाहर ले जा रहे हैं। यहां रोजगार नहीं है। लोग यहां से पलायन कर रहे हैं। ग्रामीण केवल चुनाव और पूजा पाठ के दौरान गांव आते हैं।
>
> **-प्रेमा कार्की, स्थानीय ग्रामीण**

> अभिभावक खुद अपने बच्चों का नाम कटवाकर शहर में स्थित प्राइवेट स्कूलों में भेज रहे हैं। जो लोग बाहर या नैनीताल नौकरी करते हैं वे वहीं कमरा लेकर बच्चों को पढ़ा रहे हैं। हम लगातार लोगों को समझा रहे हैं पर फिर भी लगातार संख्या घट रही है। अगर 31 मार्च के बाद कोई भी एडमिशन नहीं होता तो यह संख्या शून्य हो जाएगी।
>
> **-शबाना सिद्दीकी,** राजकीय प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापक

पातन समिति में 56 मामलों को स्वीकृति

नैनीताल : नगर पालिका वन रेंज के विभिन्न क्षेत्रों में सूखे वृक्षों के पातन व लॉपिंग संबंधित मामलों के निस्तारण को लेकर विभाग की ओर से पातन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 73 मामले रखे गए थे। जिसमें से समिति ने 56 मामलों को स्वीकृति प्रदान की। गुरूवार को नैनीताल क्लब में आयोजित समिति के समक्ष सूखे पेड़ों के पातन समेत भवनों के लिए खतरा बन रही टहनियों की लॉपिंग के मामले रखे गए। समिति सदस्यों ने मामलों में सुनवाई करते हुए 13 मामलों को निरस्त कर दिया। रेंजर प्रमोद तिवारी ने बताया कि 56 मामलों को समिति ने स्वीकृति प्रदान की है। इस दौरान डॉ रितेश साह, मनोज जोशी, महेंद्र बिष्ट आदि मौजूद रहे।

भीमताल के जंगलों में लौटे कई कालिज पक्षी

संवाददाता भीमताल

- कहीं मुर्गियों का अवैध शिकार तो नहीं हो रहा
- वन विभाग के देहरादून भेजे सैंपल में अवीयन फ्लू की पुष्टि नहीं

अमृत विचार : भीमताल और आसपास के पक्षी प्रेमियों के लिए सुखद समाचार है। भीमताल के जंगलों में अब कई दर्जन कालिज पक्षी देखे जा रहे हैं। वहीं अब कालिज पक्षी के शिकार होने की संभावना प्रबल हो गई है।

मालूम हो कि अभी दस दिन पहले जौंस स्टेट के जंगल में कालिज पक्षी का एक जोड़ा बेहोशी की हालत में देखा गया था। बटर फ्लाई शोध संस्थान के निदेशक ने वन विभाग से पक्षियों में बेहोशी का पता करने की मांग की थी। वन क्षेत्राधिकारी विजय मिलकानी ने अवीयन फ्लू की जांच के लिए मुर्गियों का मल देहरादून जांच के लिए भेजा था। वन क्षेत्राधिकारी के मुताबिक रिपोर्ट समान्य है। इससे जंगलों में नशीले चावल खिलाकर कालिज पक्षी का शिकार करने की संभावना प्रबल हो गई है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक कई शिकारी चावल में शराब मिलाकर जगह-जगह रख देते हैं जिससे पक्षी आसानी से शिकार हो जाता है।

सार-संक्षेप

दून मॉडर्न एकेडमी की छात्रा गौरी का सैनिक स्कूल में चयन

कालाढूंगी : दून मॉडर्न एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल पतलिया कोटाबाग में अध्ययनरत छात्रा गौरी भट्ट ने सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा आल इंडिया 33 रैंक से उत्तीर्ण की है। सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में प्रवेश के लिए लिखित प्रवेश परीक्षा में चयन हुआ है। विद्यालय के प्रबंधक मनोज बुढलाकोटी व प्रधानाचार्या ममता बुढलाकोटी ने गौरी भट्ट के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भीमताल झील की सफाई की मांग

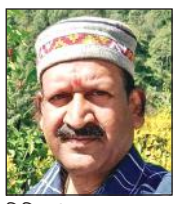

विपिन चंद्रा।

भीमताल : भीमताल झील की सफाई की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। स्थानीय लोगों की मानें तो तीस वर्ष से भीमताल झील की सफाई और झील का स्वामित्व नैनीताल की तर्ज पर नगर पालिका को देने पर कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है। सिंचाई विभाग के पास बजट नहीं होने के कारण झील की सफाई की मांग हमेशा दरकिनार कर दी जाती है। जबकि उसके पास संसाधनों का अभाव है। नगर पालिका नई-नई अस्तित्व में आई है। इसलिए उसकी आमदनी के लिए भी इसका स्वामित्व नगर पालिका को दे देना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता विपिन चंद्रा ने कहा कि झील साफ रहेगी तो पर्यटन बढ़ेगा और नगर पालिका का स्वामित्व होने पर नगर पालिका को नाव लाइसेंस और अन्य सुविधाओं से आमदनी भी होगी।

मतदाता जागरुकता रैली निकाली

भीमताल : धारी क्षेत्र के पंडित पूर्णानंद तिवारी राजकीय महाविद्यालय दोषापानी में नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. अनिता नेगी, नेहरु युवा केन्द्र संगठन के वालंटियर चन्दन डंगवाल, संजय नयाल, प्रशांत बिष्ट, कार्तिक थापा आदि मौजूद रहे।

कैंप इंडिया पोस्ट के तहत लगे शिविर में उमड़ी भीड़

नौकुचियाताल में आयोजित कैंप में आधार कार्ड अपडेट कराते ग्रामीण।

भीमताल : नौकुचियाताल डाकघर में कैंप इंडिया पोस्ट के तत्वावधान में गुरुवार को लगाए गए कैंप में भीड़ उमड़ी रही। 62 लोगों ने आधार कार्ड अपग्रेड कराया। वहीं कार्यक्रम में सहयोग दे रहे जिला पंचायत सदस्य अनिल चनौतिया ने बताया कि सभी लोगों के विभिन्न कार्य नहीं हो सके। इसके लिए शीघ्र ही दूसरा कैंप लगाया जाएगा।

स्टार्टअप बूस्टकैंप का हुआ समापन

भीमताल : देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित परिसर में स्टार्टअप बूस्टकैंप का समापन हुआ। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के पूर्व छात्र राहुल वत्स ने स्टार्टअप प्रारंभ करने के लिए आवश्यक व्यवस्था पर चर्चा की। वेबक्योर सनराइज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक महेश चंद्र पनेरु ने विभिन्न स्टार्टअप प्रारंभ करने के लिए शासकीय परियोजनाओं एवं उनके उपयोग पर उपस्थित प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. तीरथ कुमार एवं डॉ. आशीष बिष्ट ने बताया कि बूस्ट कैंप में शामिल प्रतिभागियों में से चिन्हित प्रतिभागियों को 14 मार्च से 6 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शहादत पखवाड़ा पर अभियान चलाएगी आइसा

रामनगर : छात्र संगठन आइसा 17 से 31 मार्च तक शहीदों की याद में पखवाड़ा भर अभियान चलाएगी। इसकी शुरूआत 17 मार्च को रामनगर में रैली से होगी। इस फैसला गुरुवार को आइसा की पूछड़ी गांव में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में आइसा नगर अध्यक्ष सुमित कुमार ने कहा कि 23 मार्च भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव का शहादत दिवस है। 17 मार्च रविवार को शहीद पार्क, लखनपुर से रैली निकाली जाएगी। पूछड़ी में आयोजित बैठक में शबनम, रेखा, रिंकी, प्राची, हिमानी, मालती, खुशी, पूजा, अमीषा, शिवानी, रीना, मनीषा, निधि, सरिता, चंचला, पायल, हिमानी, विशाल कुमार, निखिलेश पंचवाल, विक्रम, अर्जुन कुमार मौजूद रहे।

शिक्षक संघ ने दी मूल्यांकन बहिष्कार की चेतावनी

दून में शिक्षा निदेशक को ज्ञापन देते शिक्षक।

रामनगर : समस्याओं का निराकरण न होने से गुस्साए राजकीय शिक्षक संघ ने अब इंटर, हाईस्कूल बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन बहिष्कार की चेतावनी दी है। राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय नेता पूर्व मंडलीय मंत्री नवेंदु मठपाल ने बताया कि राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष रामसिंह चौहान, महामंत्री रमेश पैन्यूली समेत अन्य पदाधिकारियों के हस्ताक्षर से युक्त एक ज्ञापन निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. महावीर बिष्ट को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि राजकीय शिक्षक संघ विगत लंबे समय से अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर शिक्षा मंत्री डॉ. धनसिंह रावत और वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों से लगातार वार्ता कर रहा है। इसके बावजूद शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण नहीं हो रहा है।

एनएसएस की छात्र इकाई का विशेष शिविर शुरू

रामनगर : पीएनजी पीजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर अटल उत्कृष्ट राजकीय बालिका इंटर कॉलेज रामनगर में शुरू हुआ। मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे, जीजीआईसी की प्रधानाचार्य केडी माथुर, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेश चन्द्रा, डॉ. प्रमोद जोशी, डॉ. डीएन जोशी, डॉ. ममता भदोला जोशी मौजूद रहे।

जिले में धूमधाम से मनाया फूलदेई

नैनीताल में लद्दाख, नेपाल, बिहार, उत्तर प्रदेश समेत दिल्ली की छात्राओं ने भी की शिरकत

नैनीताल/कालाढूंगी/रामनगर

अमृत विचार : ऑल सेंट्स कॉलेज में गुरुवार को लोक पर्व फूल देई धूमधाम से मनाया गया। कक्षा 1 से 6 तक की छात्राओं ने विद्यालय के मुख्य द्वार पर फूल अर्पित कर देहरी पूजी व 'फूल देई छम्मा देई' का गीत गाकर विद्यालय को गुंजित किया।

खास बात यह रही कि लद्दाख, बिहार, नेपाल और उत्तर प्रदेश से आई छात्राओं ने भी इस उत्सव में बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या किरन जरमाया ने सभी बच्चों को आशीर्वाद के साथ-साथ तोहफे भी दिए।

उधर, कालाढूंगी, कोटाबाग, बैलपड़ाव व चकलुवा क्षेत्र में फूलदेई मनाया गया। सरस्वती शिशु मंदिर कालाढूंगी के शिशुओं ने विभिन्न प्रकार के रंग बिरंगे फूल व चावल अपने घरों से लाकर विद्यालय की देहली पर अर्पित किए। रामनगर में फूलदेई पर बच्चों की टोली फूलों की टोकरी लेकर कांग्रेस कार्यालय पहुंची। बच्चों को कांग्रेस के पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत ने शुभकामनाओं के साथ ही भेंट भी दी। इस दौरान निवर्तमान सभासद विमला आर्या, आशा जोशी, बीना रावत, सतेश्वरी रावत, ममता आर्या, विनय पडलिया, देशबन्धु रावत, किशोरी लाल, महेंद्र प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे। भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय नैनीताल में छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्कूल के प्रधानाचार्य बिशन सिंह मेहता ने कहा कि धीरे-धीरे बुरांश के जंगल और कुरी के फूल कम होते जा रहे हैं जिनके संरक्षण की आवश्यकता है। इस दौरान आशा, कविता उपाध्याय, उषा जोशी, बबीता बिष्ट, शोभा चौधरी, विभा जोशी, गोविंद सिंह, बबीता बिष्ट आदि मौजूद रहे।

रामनगर के मदर्स ग्लोरी में फूलदेई मनाते बच्चे। ● अमृत विचार

मदर्स ग्लोरी में रंग-बिरंगे परिधानों में पहुंचे बच्चे

रामनगर। मदर्स ग्लोरी पब्लिक स्कूल में बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधान पहनकर विद्यालय के प्रवेश द्वार व प्रधानाचार्य कार्यालय की देहरी पर फूल व चावल बिखेरे। प्रधानाचार्य मीना पांथरी ने बच्चों को आशीर्वाद दिया।

कालाढूंगी में फूलदेई का पर्व मनाते सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र।

हल्द्वानी के चांदनी चौक गढ़वाल में लोगों के दरवाजे पर फूल डालने को जाते बच्चे।

ऑल सेंट्स कॉलेज में फूलदेई पर्व पर बच्चों को आशीर्वाद देतीं प्रधानाचार्या।

रामनगर में कांग्रेस कार्यालय में फूलदेई मनाते पूर्व विधायक रणजीत रावत।

11 करोड़ से संवरेगा नयना देवी मंदिर

नैनीताल : 51 शक्तिपीठों में शुमार मां नैना देवी के मंदिर का अब कायाकल्प होने जा रहा है। मानसखंड मंदिर माला प्रोजेक्ट के तहत नयना देवी मंदिर जल्द ही नए रूप में नजर आएगा।

मानसखंड मंदिर माला प्रोजेक्ट में शामिल मंदिर के सौंदर्यीकरण को मुख्यमंत्री ने 11 करोड़ के बजट को स्वीकृति दे दी है। प्रोजेक्ट के तहत मंदिर की छतों, धर्मशाला के पुनर्निर्माण के साथ ही भव्य गेट निर्मित किया जाएगा। मंदिर गेट के सामने की दुकानों को अन्यत्र विस्थापित कर पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। लोनिवि अधिशासी अभियंता रत्नेश कुमार सक्सेना ने बताया कि मंदिर गेट के पास 11 दुकाने हैं। प्रोजेक्ट के तहत चिह्नित की गई 11 दुकानों को अन्यत्र विस्थापित किया जाना है। मंदिर की छत सीधी की जाएगी। पुराने बैठक हाल व धर्मशाला को ध्वस्त कर नया धर्मशाला व जूता घर बनाया जाएगा।

स्पेक्ट्रम में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता भीमताल

अमृत विचार : भीमताल में बिड़ला इंस्टिट्यूट ऑफ़ अप्लाइड साइंसेज में तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव स्पेक्ट्रम 2024 का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति ओम नेगी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रथम दिन पौधरोपण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कुमाऊनी नृत्य, नुक्कड़ नाटक, खेलकूद प्रतियोगिता, रोबोटिक आदि कार्यक्रमों की धूम रही।

संस्थान के अध्यक्ष प्रो. बीएस बिष्ट, पूर्व निदेशक एके पंत, निदेशक बीके सिंह, कुलसचिव डॉ. हेमचंद पांडे आदि उपस्थित रहे।

बिड़ला संस्थान में स्पेक्ट्रम कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

नगर वासियों को नहीं मिल पाया आशियाना योजना का लाभ

संवाददाता भीमताल

अमृत विचार : भीमताल में 2014 में चयनित करीब 33 गरीब परिवारों को अपने आशियाने का लाभ नहीं मिल पाया है। भीमताल नगर का परिसीमन होने के उपरांत 5 सालों में नवनिर्वाचित वार्डों के गरीब परिवारों को केंद्र की आवास योजना का पूरा लाभ नहीं मिल सका। गरीब परिवारों का अपना आशियाना बनाने का ख्वाब सिर्फ ख्वाब ही रह गया है। किसी की छत रह गई तो किसी का शौचालय। लोग बार-बार विभाग, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा चुके हैं। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। सामाजिक कार्यकर्ता पूरन बृजवासी के अनुसार वर्ष 2018 में शहरी विकास विभाग ने जवाब में बताया था कि वर्ष 2014 की योजना में चयनित करीब 33 गरीब परिवारों के आवास धन स्वीकृति नहीं होने के कारण लंबित पड़े हैं।

मौसम | कुमाऊं के सभी जिलों में बारिश की वजह से स्थिति सुधरी

मार्च में हुई सामान्य से ज्यादा बारिश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मार्च माह में अभी तक कुमाऊं के सभी जिलों में अभी तक सामान्य से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार बार-बार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की वजह से ऐसा हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार अल्मोड़ा जिले में सामान्य से 93 प्रतिशत, बागेश्वर में 129 प्रतिशत, चंपावत जिले में 136 प्रतिशत, नैनीताल जिले में 63 प्रतिशत, पिथौरागढ़ जिले में 32 प्रतिशत और ऊधमसिंह नगर जिले में सामान्य से 323 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई है।

मार्च की शुरूआत के साथ ही पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने लगे थे। जिस वजह से बारिश का आंकड़ा दर्ज हुआ है। इस वजह से मार्च में अभी तक अपेक्षाकृत कम गर्मी पड़ी है।

पारा 30 डिग्री पार

हल्द्वानी। बारिश का दौर बीत चुका है और अब तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है। हल्द्वानी में गुरुवार को अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री दर्ज हुआ और न्यूनतम तापमान 12.9 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार अब तापमान में बढ़ोत्तरी होगी और होली तक दिन में गर्मी और बढ़ने लगेगी।

कुमाऊं में मार्च में अभी तक हुई बारिश

जिला	वास्तविक	सामान्य
अल्मोड़ा	55.7	28.9
बागेश्वर	66.2	28.9
चंपावत	37.5	15.9
नैनीताल	51.1	31.4
पिथौरागढ़	45.0	34.1
ऊधमसिंह नगर	42.7	10.01

(आंकड़ें-मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार, बारिश मिमी में)

> इस बार मार्च में अभी तक अच्छी बारिश देखने को मिली है लेकिन अब तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है। दिन के समय मैदानी इलाकों में गर्मी पड़ रही है।
>
> **-डॉ. आरके सिंह,** मौसम विज्ञानी, जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर

एक नजर

आरोपी डॉक्टर से मांगा स्पष्टीकरण

हल्द्वानी : एसटीएच में ओपीडी से गायब रहने वाले आरोपी डॉक्टर से प्राचार्य ने स्पष्टीकरण मांगा है। विगत दिनों एक व्यक्ति ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी को शिकायत में कहा था कि एक डॉक्टर ओपीडी में नहीं आते हैं जबकि उनके नाम से काउंटर से पर्चा बनाया जाता है। प्राचार्य ने बताया कि संबंधित डॉक्टर से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'मुक्ति' के लिए 85 बच्चे हुए चिन्हित

हल्द्वानी : पुलिस ने ऑपरेशन मुक्ति अभियान 'भिक्षा नहीं शिक्षा दें' के तहत बच्चों को चिन्हित किया है। ऑपरेशन टीम ने मोटा हल्दू, मंडी, शनि बाजार, जीतपुर, रामपुर रोड, जयपुर, बड़ी मंडी, राजपुरा, किदवई नगर, ढोलक बस्ती, जीतपुर नेगी आदि स्थानों में जाकर भिक्षावृत्ति, कूड़ा बीनने एवं अन्य कार्यों में लिप्त 85 बच्चों का सत्यापन और चिन्हीकरण किया है। बच्चों का विवरण भी इकट्ठा किया गया है। अभियान के दूसरे चरण में इन बच्चों को स्कूल भेजा जाएगा।

दो पेटी अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी : मंगलपड़ाव चौकी पुलिस ने दो पेटी अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर दबोचा है। बेस अस्पताल के पास चेकिंग के दौरान पुलिस ने आरोपी को पकड़ा। उसके पास दो पेटी महंगे ब्रांड की अंग्रेजी शराब की दो पेटियां मिली। आरोपी ने अपना नाम सोनू सिंह निवासी राजपुरा बताया। आरोपी को पकड़कर जेल भेज दिया गया है।

हैड़ाखान मार्ग का निर्माण नहीं होने के विरोध में दिया धरना

हल्द्वानी : पिछले कई वर्षों से क्षतिग्रस्त मोटर मार्ग हैड़ाखान की मरम्मत को लेकर सुनवाई न होने के विरोध में गुरुवार को बुद्ध पार्क में पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री हरीश पनेरू ने धरना दिया। उन्होंने बताया कि सड़क क्षतिग्रस्त होने के चलते यहां के रहने वाले किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बुजुर्ग और बीमार लोगों को अस्पताल ले जाने के लिए चारपाई या फिर घोड़ों का सहारा लिया जा रहा है। आने वाले दिनों में मार्ग का सुधारीकरण कर आवागमन के लिए नहीं खोला गया तो अनिश्चितकालीन धरना देने को मजबूर होना पड़ेगा।

अतिक्रमण की शिकायत के बाद लगाए गए 10 घरों पर निशान

हल्द्वानी : फुटहिल कॉलोनी, कमलुवागांजा में सड़क पर अतिक्रमण की शिकायत के बाद नगर निगम व राजस्व विभाग की टीम गुरुवार को मौके पर पहुंची। टीम ने यहां अतिक्रमण को चिन्हित कर करीब 10 घरों पर निशान लगाए। नगर निगम के ईई नवल नौटियाल ने बताया कि जिन घरों पर निशान लगाए गए हैं, उन्हें अतिक्रमण हटाने को कहा गया है। बता दें कि कॉलोनी में नगर निगम सड़क व नाली बना रहा है। एक स्थानीय महिला ने आरोप लगाया कि सड़क 30 फीट चौड़ी बननी है लेकिन नगर निगम लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने की बजाए आड़ी-तिरछी नाली बना रहा है।

सफाई को लेकर एसटीएच में विवाद

हल्द्वानी : सुशीला तिवारी अस्पताल में बुधवार की देर रात मरीज के तीमारदार और नर्स के बीच में कहासुनी हो गई। एमएस डॉ. जीएस तितियाल ने बताया कि मामले की जानकारी लेने पर पता चला है कि यह विवाद सफाई व्यवस्था को लेकर हुआ था। रामपुर रोड निवासी एक व्यक्ति अपने पांच वर्षीय बेटे का उपचार कराने के लिए एसटीएच में लाया था। अस्पताल प्रशासन के अनुसार बाल रोग वार्ड उनके बच्चे को भर्ती किया। वहां सफाई व्यवस्था नहीं होने पर नर्स और उसके बीच कहासुनी हो गई। बाद में वह अपने बेटे को लेकर निजी अस्पताल में चला गया। एमएस डॉ. तितियाल ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कोई विवाद नहीं था। यह विवाद केवल सफाई व्यवस्था को लेकर था।

लोकसभा चुनाव की ड्यूटी हटाने के लिए पहुंचे 100 से अधिक आवेदन, 8 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मी चुनाव ड्यूटी में इस बार तैनात किए जाएंगे

चुनाव ड्यूटी से बचने के लिए किसी का पति बीमार हुआ तो किसी की पत्नी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आम चुनाव नजदीक आते ही जहां उम्मीदवार पूरी मुस्तैदी से डट जाते हैं, अपना दुख दर्द भूल जाते हैं। दूसरी तरफ, चुनाव ड्यूटी में तैनात अधिकारी-कर्मी कभी दिल में दर्द तो कभी बीमार पति-पत्नी, सास-ससुर की सेवा का हवाला देकर खुद को ड्यूटी से अलग करने की कोशिश करते हैं। अब तक कार्मिक में 100 से ज्यादा आवेदन चुनाव ड्यूटी से अलग करने के लिए प्राप्त हुए हैं।

नैनीताल संसदीय सीट पर चुनाव को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। जिले में आरक्षित मिलाकर 1,111 बूथ हैं। प्रत्येक बूथ पर 4 सदस्यीय पोलिंग पार्टी होती हैं इस तरह 4,444 अधिकारी-कर्मी बूथ पर ही तैनात होते हैं। इसके अलावा 106 सेक्टर व 35 जोन हैं। एफएसटी, वीटी, एसएसटी, एटी, आरओ, एआरओ समेत कुल 8 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मी चुनाव ड्यूटी में तैनात किए जाते हैं। जिले में चुनाव से दो-तीन माह पूर्व ही सभी सरकारी विभागों से अधिकारी-कर्मचारियों की सूची मांग ली जाती है, फिर इन कर्मचारियों को चुनावी प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व निर्विघ्न ढंग से मनाया जा सके। इधर चुनाव से ड्यूटी हटाने के लिए अभी से कर्मचारियों के प्रयास शुरू हो गए हैं। पिछले एक सप्ताह में कार्मिक विभाग में 100 से अधिक आवेदन ड्यूटी हटाने के प्राप्त हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, सभी आवेदनों की जांच की जाती है। यदि किसी ने बीमारी का हवाला दिया है तो मेडिकल बोर्ड से जांच करवाई जाती है फिर ड्यूटी हटाई जाती है।

नगर निगम सभागार में चुनाव प्रशिक्षण के दौरान मौजूद अधिकारी-कर्मचारी। ● अमृत विचार

> नियमानुसार स्वास्थ्य संबंधी जो भी आवेदन आते हैं उन्हें परीक्षण के लिए मेडिकल बोर्ड भेजा जाता है। वहां से रिपोर्ट आने के बाद आवेदन पर विचार किया जाता है। -**अशोक कुमार पांडेय,** सीडीओ/नोडल अधिकारी कार्मिक

सिटी मजिस्ट्रेट वाजपेयी ने दिए चुनावी टिप्स

हल्द्वानी : सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी ने गुरुवार को नगर निगम सभागार में लोकसभा चुनाव को लेकर बैठक की। वाजपेयी ने नियुक्ति व्यय अनुवीक्षण तंत्र के अंतर्गत तैनात सहायक ऑब्जर्वर, एकाउंटिंग टीम, वीडियो सर्विलांस टीम, वीडियो अवलोकन टीम, फ्लाइंग स्क्वायड तथा स्टेटिक सर्विलांस टीम के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही खर्च की सीमा निर्धारित करने एवं आदर्श आचार संहिता का पालन कराने के लिए काम किया जाए। निर्वाचन आयोग की ओर से विकसित आईटी एप्लीकेशन सी-विजिल तथा इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम के पोर्टल के बारे में जानकारी दी गई। चुनावी घोषणा के बाद अवैध ढंग से शराब, धन एवं वस्तुओं के वितरण पर रोक लगाने एवं वाहनों की आवाजाही को चेक करने के भी निर्देश दिए।

स्वीप व एमसीसी रूम की स्थापना

हल्द्वानी : लोकसभा चुनाव शांतिपूर्वक, पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए एमबीपीजी कॉलेज के कक्ष संख्या-4 में मॉडल कोड आफ कंडक्ट कक्ष, मतदाता जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने को कक्ष संख्या-3 में स्वीप कक्ष की स्थापना की गई है।

एमसीसी के लिए नियुक्त हुए सह नोडल, प्रभारी अधिकारी

हल्द्वानी : उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ नोडल अधिकारी एमसीसी फिंचाराम चौहान ने बताया कि निर्वाचन को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए एमसीसी लिए कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। स्वीप कार्यक्रमों के लिए प्रभारी/सह नोडल अधिकारी सुरेश अधिकारी, मुख्य शिक्षा अधिकारी जगमोहन सोनी तथा सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

चुनाव के बाद टीपी नगर में शिफ्ट होगा बस अड्डा

जिला प्रशासन ने दी एनओसी, लेकिन यूयूएसडीए की डीपीआर स्वीकृत नहीं होने से लटक गया प्रोजेक्ट

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

70 बसों का संचालन प्रस्तावित

03 साल के लिए शिफ्ट होगा बस अड्डा

01 .23 एकड़ भूमि में बनेगा अस्थायी रोडवेज बस अड्डा

अमृत विचार : बस अड्डे के लोकसभा चुनाव के बाद ट्रांसपोर्ट नगर में शिफ्ट होने के आसार हैं। उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी (यूयूएसडीए) की डीपीआर को अब तक मंजूरी नहीं मिली है। इसकी वजह से बुनियादी जरूरतों के लिए निविदाएं नहीं हो सकी हैं। सभी औपचारिकताएं पूरी होने में चार-पांच माह का समय लग सकता है, ऐसे में संभावना है कि लोकसभा चुनाव के बाद ही बस अड्डा ट्रांसपोर्ट नगर में शिफ्ट होगा।

गुरुवार को सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी की यूयूएसडीए के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें यूयूएसडीए टीम ने बताया कि अस्थायी बस अड्डा संचालन के लिए प्लेटफॉर्म, टीन शेड, टिकट काउंटर, वेटिंग गैलरी, कैंटीन, शौचालय, पार्किंग, प्रवेश व निकासी द्वार, कार्यालय आदि बुनियादी जरूरते होती हैं। इनके लिए एक डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजी गई है लेकिन अभी तक इसको मंजूरी नहीं मिल सकी है। इस वजह से उपरोक्त के लिए निविदाएं नहीं हो सकी हैं। जब तक बुनियादी सुविधाएं विकसित नहीं हो जाती हैं तब तक बस अड्डे को शिफ्ट नहीं किया जा सकता है। डीपीआर को मंजूरी मिलने व सभी सुविधाएं बनाने चार-पांच माह का समय लगेगा। ऐसे में संभावना है कि लोकसभा चुनाव के बाद ही रोडवेज शिफ्ट होगा।

सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी ने बताया कि यूयूएसडीए ने अस्थायी बस अड्डा संचालन के लिए एनओसी मांगी थी। जिला प्रशासन की ओर से लगभग 15 दिन पूर्व एनओसी दे दी गई है। यूयूएसडीए को सभी कागजी औपचारिकताएं पूरी करने में चार-माह का समय लग सकता है, ऐसे में संभावना है कि लोकसभा चुनाव के बाद ही बस अड्डा ट्रांसपोर्ट नगर शिफ्ट हो सकेगा। ट्रांसपोर्ट नगर में तीन साल के लिए बस अड्डा शिफ्ट किया जाएगा। अनुमान है कि नया बस अड्डा बनाने में तीन साल का समय लग सकता है इसलिए इतनी अवधि तक यहां बस अड्डा संचालित होगा। यहां से रोजाना 70 बसें संचालित होंगी इनमें 30-35 बसों की पार्किंग व 30-35 बसों की आवाजाही होगी।

ट्रांसपोर्ट नगर में बीते दिनों भूमि के लिए निरीक्षण करते अधिकारी। ● फाइल फोटो

टीपी नगर वसूल सकता है किराया, हो रहा आकलन

अस्थायी बस अड्डे के लिए ट्रांसपोर्ट नगर में भूमि उपलब्ध कराई जा रही है। टीपी नगर परियोजना के तहत दी जा रही भूमि का किराया भी वसूला जा सकता है। किराए के लिए आकलन किया जा रहा है। यदि सब कुछ ठीकठाक रहा तो यूयूएसडीए को अस्थायी बस अड्डा संचालन के लिए प्रशासन को प्रति माह का किराया देना होगा। सिटी मजिस्ट्रेट वाजपेयी ने बताया कि अभी किराए को लेकर वार्ता हुई है। किराए का आकलन किया जा रहा है।

300 करोड़ से बनना है बहुद्देश्यीय भवन

यूयूएसडीए एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से हल्द्वानी एकीकृत शहरी अवसंरचना विकास परियोजना के अंतर्गत लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से हल्द्वानी में तहसील व बस अड्डे को मिलाकर एक बहुद्देश्यीय भवन व नया बस अड्डा बना रहा है। इस भवन को बनाने के लिए तहसील, कोषागार के साथ ही बस अड्डा शिफ्ट होना है। इसमें बस अड्डा शिफ्टिंग बड़ी चुनौती है। यूयूएसडीए ने प्रशासन के साथ एचएन इंटर कॉलेज, गांधी इंटरकॉलेज का निरीक्षण किया था। बाद में ट्रांसपोर्ट नगर में 1.23 एकड़ भूमि को अस्थायी बस अड्डे के लिए मुफीद माना गया था। मानकों के अनुसार इस प्लॉट की लंबाई 100 व चौड़ाई 40 मीटर है। बीती 7 फरवरी को यूयूएसडीए व प्रशासन की संयुक्त टीम ने निरीक्षण भी किया था।

सार-संक्षेप

खनस्यू में पुल का लोकार्पण करते केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट। ● अमृत विचार

खनस्यू में 200 गांवों को मिली पुल की सौगात

हल्द्वानी : ओखलकांडा ब्लॉक के खनस्यू-पतलोट-मिडार मार्ग के खनस्यू के पास तितडा गाड़ में करीब सात करोड़ की लागत से बने पुल का लोकार्पण किया। यह पुल 200 गांवों को जोड़ेगा। खनस्यू में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि जमरानी बांध की स्वीकृति हो गई है और अब टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। क्षेत्र में बीएसएनएल के 4 टावर लगाए हैं। केंद्रीय मंत्री ने श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों को सामान वितरित किया। विधायक राम सिंह कैड़ा ने कहा कि राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम छोर पर खड़े. व्यक्ति तक पहुंच रहा है। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख कमलेश कैड़ा, मंडल अध्यक्ष नरेश नयाल, मंडल अध्यक्ष प्रदीप बिष्ट, मनोज सुयाल, बहादुर नदगली, निर्मल मटीयाली, दीपक बर्गली, राम सिंह मचखोलिया, मनोज मेवाड़ी, डीकर मेवाड़ी, रवि गोस्वामी, केडी भट्ट, ललित भट्ट, भुवन भट्ट, रघुवीर मटियाली आदि रहे।

दो सप्ताह के भीतर एसीआर उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

हल्द्वानी : जिले में लंबे समय से कई शिक्षकों को एसीपी का लाभ नहीं मिल पाया है। ब्लॉक स्तर पर ऐसे शिक्षकों की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि (एसीआर) उपलब्ध नहीं कराई गई है जिस कारण उनको एसीपी का लाभ नहीं मिल पा रहा है। बीते 14 मार्च के अंक में अमृत विचार ने कई शिक्षकों को नहीं मिला एसीपी का लाभ शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। अब इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी, प्रा. शिक्षा जगमोहन सोनी ने सभी उप शिक्षा अधिकारियों को प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के सहायक अध्यापकों और प्रधानाध्यापकों की गोपनीय आख्या दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

कई शिक्षकों को नहीं मिला एसीपी का लाभ

हरिपुर फुटकुआं में बिछाई जाएगी पेयजल लाइन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: रामपुर रोड स्थित बेल बाबा हरिपुर फुटकुआं इलाके में वर्षों से पेयजल आपूर्ति की समस्या बनी हुई है। इलाके में करीब 100 घरों के लोग पानी की दिक्कत झेलने को मजबूर हैं। इसके चलते यहां के लोग कई बार प्रदर्शन एवं अधिकारियों के चक्कर काट चुके हैं, लेकिन समस्या से निजात नहीं मिल पाई। अमृत विचार ने बीते गुरुवार के अंक में समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया। खबर का संज्ञान लेते हुए जल संस्थान के एई ने निर्देश दिए कि जब तक इलाके में पेयजल पाइप लाइन का कार्य पूरा नहीं कर लिया जाता है तब तक नियमित पानी के टैंकर भेजे जाएंगे। इसी क्रम में गुरुवार को जब स्थानीय लोग जल संस्थान के कार्यालय पहुंचे और लोगों ने बताया कि वे बिना पानी के ही बिल का भुगतान करने को मजबूर हैं। जिस पर एई ने कहा कि नियमावली के मुताबिक ही बिल का भुगतान लिया जाएगा।

> इलाके में पानी की लाइन अबतक नहीं बिछ पाई इसकी रिपोर्ट संबंधित जेई से मांगी गई है। अनियमितता पाए जाने पर स्पष्टीकरण के साथ ही संबंधित के खिलाफ जांच की कार्रवाई विभाग की ओर से कराई जाएगी। -**रविशंकर लोशाली,** ईई जल संस्थान

स्मैक पीने की आदत ने बनाया तस्कर

हल्द्वानी, अमृत विचार: काठगोदाम पुलिस ने चंबल पुल के पास से एक आरोपी को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी स्मैक की तस्करी का काम करता है।

पुलिस के अनुसार बुधवार को काठगोदाम पुलिस गश्त कर रही थी। चंबल पुल के पास बने क्रियाशाला में तलाशी के दौरान पुलिस ने देखा कि एक युवक थैले के साथ बैठा हुआ है। पुलिस को देखकर वह भागने लगा। पुलिस ने उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर थैले के अंदर से स्मैक मिली जिसका वजन 12.07 ग्राम है। आरोपी ने बताया कि उसका नाम नवीन मौर्या निवासी पार्वती कालोनी बिठौरिया है। बताया कि वह स्मैक पीने का आदी है।

26 से शुरू होगा पूर्णागिरि मेला

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मंडलायुक्त दीपक रावत ने गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पूर्णागिरी मेले की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने चम्पावत डीएम नवनीत पांडे को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

मंडलायुक्त रावत ने बताया कि मां पूर्णागिरि मेला 26 मार्च से शुरू होने जा रहा है। मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए व्यवस्थाएं की जाएं। इसके लिए सभी प्रकार की निविदाएं समय से पूरी कर ली जाए। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरा लगवाने, शौचालय, मुख्य मार्गों पर डस्टबिन लगाने के भी निर्देश दिए। पूर्णागिरी मेले में आने के लिए प्रयोग किए जाने वाले सभी मोटर मार्गों पर दुर्घटना के लिहाज से संवेदनशील, ब्लैक स्पॉट का चिन्हीकरण कर मरम्मत की जाए। मेला परिसर में स्वास्थ्य शिविर लगाने के साथ ही बुजुर्गों के लिए मार्गों पर स्ट्रेचर भी रखने को कहा। मंदिर की अंतिम छोर की रेलिंग भी जांच ली जाए क्योंकि लोग रेलिंग के सहारे ही चढ़ते हैं,ऐसे में उसका मजबूत होना जरूरी है। मेला मार्ग में लाइटिंग, पेयजल, शौचालय, स्नानागार, आवास, स्वास्थ्य, संचार आदि की व्यवस्था की जाएं।

तैयारी

▸▸ मंडलायुक्त दीपक रावत ने वीसी में पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों को दिए निर्देश

डीएम नवनीत पांडे ने बताया कि मेले की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। मेले के लिए अतिरिक्त फोर्स की जरूरत है। पार्किंग, विद्युत, साउन्ड सिस्टम, सीसीटीवी कैमरे, साफ-सफाई वगैरह की निविदा प्रक्रिया पूरी हो गई है। 5 हेल्थ कैंप लगेंगे इनमें 8 फार्मासिस्ट तैनात रहेंगे। मेले की निगरानी के लिए ठूलीगाड़ में कंट्रोल रूम बनाया है। उन्होंने बताया कि मेले को संपन्न कराने को टनकपुर एसडीएम को मेला मजिस्ट्रेट तथा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को मेला अधिकारी नियुक्त किया है।

धारदार हथियार से हमला करने का आरोप

हल्द्वानी: गोरापड़ाव निवासी युवक ने आरोप लगाया है कि उसके भाइयों पर एक स्टोन क्रशर में धारदार हथियार से हमला किया गया है। घायलों का उपचार चल रहा है। हाथीखाल गोरापड़ाव निवासी हरीश सिंह सिरोही ने कोतवाली पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि उसके भाई नरेश सिरोही, पवन सिराही और संदीप सिरोही गुरुवार को घर आ रहे थे। एक व्यक्ति ने फोन करके उन्हें लालकुआं क्षेत्र स्थित एक स्टोन क्रशर में बुलाया। वहां जाने पर उसके भाइयों के ऊपर लाठी-डंडों के साथ ही धारदार हथियारों से हमला हुआ। किसी तरह उसके भाई बचकर वहां से आए। अब उनका ठंडी सड़क स्थित एक अस्पताल में उपचार चल रहा है।

समझौते की कवायद

विभिन्न समस्याओं को लेकर तहसील सभागार में हुई थी बैठक, डंपर स्वामियों का आरोप नहीं पहुंचे क्रशर्स स्वामी

प्रशासन, क्रशर्स व डंपर वालों की बैठक रही बेनतीजा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गौला नदी के खनन से जुड़ीं विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रशासन, स्टोन क्रशर्स और डंपर स्वामियों की बैठक बेनतीजा रही। डंपर स्वामियों का आरोप है कि क्रशर्स स्वामी नहीं पहुंचे हैं।

गुरुवार को तहसील सभागार में एसडीएम परितोष वर्मा की अध्यक्षता में डंपर, स्टोन क्रशर्स वालों की बैठक हुई। इसमें डंपर स्वामियों ने 108 क्विंटल से अधिक उपखनिज ले जाने पर पाबंदी लगाने की मांग की। एक सुर में 125 क्विंटल उपखनिज ले जाने पर पूर्व की भांति एक दिन की बंदी लागू करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन के साथ हुई बैठक में स्टोन क्रशर्स स्वामियों ने 29 रुपये प्रति क्विंटल रेट देने की बात कही थी लेकिन एक माह में इससे मुकर गए। स्टोन क्रशर्स ने पहले 25, फिर 22 रुपये प्रति क्विंटल भाड़ा कर दिया है इससे डंपर स्वामियों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नियमानुसार भाड़ा नहीं दिया गया तो वे सभी वाहनों को सरेंडर कर देंगे। गौला नदी के किसी भी गेट पर वाहन खनन के लिए नहीं जाएंगे। इस बीच स्टोन क्रशर्स एसोसिएशन से एक सदस्य पहुंचा था लेकिन रेट को लेकर कोई भी वार्ता नहीं हो सकी। डंपर स्वामियों ने बैठक को बेनतीजा करार दिया है।

तहसील सभागार में प्रशासन से वार्ता करते डंपर स्वामी व गौला खनन संघर्ष समिति के लोग।

ये भी उठाईं मांगें

- उपखनिज निकासी गेट पर प्रति माह स्टाफ चेंज किया जाए
- साप्ताहिक अवकाश को कंप्यूटर में फीड किया जाए
- उपखनिज निकासी गेटों के मार्गों पर नियमित तौर पर पानी का छिड़काव किया जाए
- ओवरलोडिंग पर एक दिन की बंदी को सख्ती से लागू किया जाए और खोला नहीं जाए

> विभिन्न समस्याओं को लेकर डंपर व क्रशर्स स्वामियों के साथ बैठक बुलाई गई थी लेकिन अभी और मंथन की जरूरत है। जल्द ही फिर से क्रशर्स व डंपर स्वामियों से वार्ता कर समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा। -**परितोष वर्मा,** एसडीएम हल्द्वानी

सरपंच से 12 हजार रुपये लेकर चार श्रमिक फरार

संवाददाता, गरमपानी

अमृत विचार : अल्मोड़ा हल्द्वानी हाइवे से सटे पाडली गांव में नेपाली मूल के श्रमिकों ने वन पंचायत सरपंच से बारह हजार रुपये ठग लिए। पैसे लेने के बाद चारों श्रमिक फरार हो गए। सरपंच दयाल आर्या ने श्रमिकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है। मामले की सूचना चौकी पुलिस को खैरना को भी दे दी गई है।

बेतालघाट ब्लॉक के पाडली गांव में रास्ते का निर्माण कार्य गतिमान है। बीते रोज वन पंचायत समिति सरपंच दयाल आर्या के पास चार नेपाली मूल के श्रमिक पहुंचे। कम मेहनताने पर रास्ते के निर्माण का भरोसा दिलाया। विक्रम सिंह नाम के नेपाली मूल के श्रमिक ने अपने साथ आए तीन अन्य श्रमिकों के साथ काम शुरु करने का हवाला दे सरपंच को विश्वास में ले लिया समीप ही कमरा बता खाने का सामना लाने को बीस हजार रुपये मांगे। सरपंच ने श्रमिकों पर भरोसा कर फिलहाल बारह हजार रुपये श्रमिकों को दे दिए। बुधवार को दयाल चंद्र श्रमिकों के काम पर आने का इंतजार करते रहे पर श्रमिकों के न आने पर सरपंच खुद ही उनके बताए कमरे की ओर रवाना हो गए। कमरे में श्रमिकों के न होने से उनका माथा ठनक गया।

सार-संक्षेप

वीरेंद्र, धीरेंद्र और रामबाबू बने संरक्षक

हल्द्वानी : प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल महानगर हल्द्वानी की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। शहर के चर्चित तीन लोगों को संगठन का संरक्षक बनाया है। अध्यक्ष योगेश शर्मा और महामंत्री मनोज जायसवाल ने निवर्तमान पार्षद धीरेंद्र रावत, हल्द्वानी पेट्रोल पंप एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह चड्ढा, मुक्तिधाम समिति अध्यक्ष रामबाबू जायसवाल को संरक्षक बनाया गया है। पदाधिकारियों ने कहा कि वह सदैव व्यापारी हित के लिए संघर्ष करेंगे। नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिला अध्यक्ष विपिन गुप्ता, जिला महामंत्री हर्षवर्धन पांडे, प्रचार मंत्री संदीप सक्सेना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सचिन गुप्ता, संगठन मंत्री उपेंद्र कनवाल, कोषाध्यक्ष गौरव गुप्ता, महिला उपाध्यक्ष दीपा जायसवाल, महिला सचिव गीता कांडपाल ने शुभकामनाएं दी हैं।

वीरेंद्र सिंह चड्ढा। रामबाबू जायसवाल। धीरेंद्र रावत

रविवार को होगी राजीव गांधी नवोदय की परीक्षा

हल्द्वानी : स्यात, कोटाबाग राजीव गांधी नवोदय विद्यालय की परीक्षा रविवार को होगी। एमबी इंटर कॉलेज में परीक्षा का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। हल्द्वानी ब्लॉक के उप शिक्षा अधिकारी सुरेश चंद्र आर्य ने इसके लिए आदेश जारी किया है। आदेश के माध्यम से बताया कि जिन अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र नहीं मिला है वे रविवार की सुबह एमबी इंटर कॉलेज से ले अपना प्रवेश पत्र सकते हैं।

नलकूप हुआ ठीक पेयजल आपूर्ति सुचारू

हल्द्वानी : जल संस्थान के नलकूप की मरम्मत होने से लोगों को पेयजल समस्या से निजात मिल पाई है। बीते 8 दिनों से जीजीआईसी का नलकूप खराब होने से इलाके में पेयजल आपूर्ति की समस्या बनी हुई थी। गुरुवार को पेयजल आपूर्ति बहाल हो पाई जिसके पेयजल की समस्या से लोगों को निजात मिल पाया। जल संस्थान के ईई रविशंकर ने बताया कि खराब हुए नलकूप को ठीक कल चालू कर दिया गया है।

एमबीपीजी कॉलेज में एनएसएस शिविर में रक्तदान करते लोग। ● अमृत विचार

एनएसएस शिविर में किया 60 यूनिट रक्तदान

हल्द्वानी : राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विशेष शिविर में गुरुवार को रक्तदान किया गया। एमबीपीजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवियों ने 60 यूनिट रक्तदान किया। कुमाऊं मंडल समन्वयक ललित पांडे और जिला समन्वयक प्रो. जगमोहन सिंह नेगी ने कार्यक्रम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्वयंसेवियों को एनएसएस के लक्ष्यों की जानकारी दी। एमबीपीजी के प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी ने स्वयंसेवियों को मतदान की शपथ दिलाई। डॉ. सुधीर नैनवाल ने स्वयंसेवियों को नैतिक शिक्षा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। एमबीपीजी कॉलेज के प्रो. डॉ. अमित कुमार सचदेवा, डॉ. नरेंद्र सिंह सिजवाली के साथ ही कार्यक्रम अधिकारियों ने रक्तदान किया। इस मौके पर मंडी परिषद अध्यक्ष डॉ अनिल कपूर डब्बू, डॉ. भानु प्रताप सिंह, मिथुन जायसवाल, डॉ. दीपा सिंह, डॉ. किरन कर्नाटक, डॉ. मंजू पनेरू, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. भुवन चंद्र मेलकानी आदि मौजूद रहे।

आईआईटी दिल्ली की ओर से वर्चुअल लैब कार्यशाला में उपस्थित छात्र छात्राएं।

डिजिटल माध्यम से प्रैक्टिकल के बारे में बताया

हल्द्वानी : वर्चुअल लैब के कार्यक्रम में विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से प्रैक्टिकल के परिणाम प्राप्त करने के बारे में बताया गया। एमबीपीजी कॉलेज में गुरुवार को आईआईटी दिल्ली और विभिन्न कॉलेजों के समन्वय से वर्चुअल लैब कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में आईआईटी दिल्ली से आए चंदन कुमार, सनी कुमार और जग्गी प्रसाद ने विद्यार्थियों को जानकारी दी। कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय गौलापार, राजकीय महिला डिग्री कॉलेज, एलबीएस जीडी कॉलेज हल्दूचौड़ ने प्रतिभाग किया। इस दौरान उच्च निदेशक प्रो. सीडी सूंठा, एमबीपीजी कॉलेज के प्राचार्य एनएस बनकोटी, राज्य नोडल अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. प्रियंका तिवारी ने बनाई। इस मौके पर गुंजन माथुर, अमिता तिवारी, निर्मला परगाई, अंकिता चंदोला, नीलम आर्या, कंचन बिष्ट, रंजना साह, रिचा तिवारी आदि उपस्थित रहे।

चोरगलिया में विकास कार्यों का शुभारंभ करते विधायक डॉ. मोहन बिष्ट।

नहरों के मरम्मत कार्य का शिलान्यास किया

चोरगलिया : विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने गुरुवार को गौलापार चोरगलिया क्षेत्र में नहरों के मरम्मत कार्य जिसकी लागत 3.5 करोड़ व सड़कों के डामरीकरण जिसकी लागत 3.10 करोड़ है का शिलान्यास किया। मंडल अध्यक्ष डॉ. मुकेश बेलवाल, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता बीसी नैनवाल, एसडीओ दिनेश सिंह, जगदीश नौला, गोविंद मिश्रा, बालम बिष्ट, बसन्त सनवाल, भावना आर्या आदि उपस्थित रहे।

जल्द जमा करें बिजली का बिल, वरना कटेगा कनेक्शन

कालाढूंगी : विद्युत विभाग ने बकायेदारों के कनेक्शन काटने की कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्र में अब तक 36 से अधिक बकायेदारों के कनेक्शन काटे जा चुके हैं। विभाग के एसडीओ दीपक पाठक ने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के पास विद्युत का बिल बकाया है वे जल्द जमा करवा दें वरना उनका कनेक्शन काट दिया जायेगा। कहा कि विभाग द्वारा लाउडस्पीकर के माध्यम से बकाया बिल भरने की अपील भी की जा रही है।

प्रयोगात्मक कार्यशाला में विद्यार्थियों को दी जानकारी

हल्द्वानी : यूओयू में एमए के शिक्षार्थियों के लिए प्रयोगात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। मानविकी विद्याशाखा के संगीत, नृत्य व कला प्रदर्शन विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन गुरुवार को निदेशक अकादमिक प्रो. पीडी पंत और विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक डॉ. शशांक शुक्ल ने किया। 19 मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला में प्रदेश के साथ ही कई अन्य राज्यों के शिक्षार्थी भी हिस्सा ले रहे हैं। कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी, संगीत शिक्षक डॉ. द्विजेश उपाध्याय, डॉ. अशोक चंद्र टम्टा, प्रदीप कुमार, प्रकाश चंद्र आर्य और जगमोहन परगांई मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं ने कसी कमर

पौड़ी सीट पर इतिहास रचेगी भाजपा

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रामनगर विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने गुरुवार को भाजपा हाईकमान द्वारा पौड़ी लोकसभा सीट पर पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी को प्रत्याशी बनाए जाने पर खुशी जाहिर की है।

उन्होंने पत्रकार वार्ता में कहा कि हाईकमान द्वारा पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेता को जो टिकट दिया गया है उससे निश्चित तौर पर देश में यह लोकसभा सीट नया इतिहास रचेगी। उन्होंने कहा कि अनिल बलूनी के प्रत्याशी बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं के साथ जनता में भी भारी उत्साह है। विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने कहा कि बलूनी द्वारा राज्यसभा सांसद रहने के दौरान रामनगर विधानसभा क्षेत्र में अपनी सांसद निधि से कई ऐतिहासिक कार्य कराए गए हैं। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष मदन जोशी, वीरेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

विधायक दीवान बिष्ट के साथ जुलूस निकालते भाजपाई। ● अमृत विचार

बलूनी को टिकट मिलने से झूमे भाजपाई

रामनगर : पौड़ी संसदीय क्षेत्र से अनिल बलूनी को टिकट मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। बता दें कि पौड़ी संसदीय क्षेत्र में रामनगर विधान सभा भी शामिल है। विधायक दीवान सिंह बिष्ट के नेतृत्व में भाजपाइयों ने मिष्ठान वितरण के साथ जुलूस निकाला। साथ ही जमकर आतिशबाजी भी की। इस दौरान राकेश नैनवाल, मदन जोशी, वीरेंद्र रावत, भागीरथ लाल चौधरी, नीमा मठपाल, नवीन करगेती, भूपेंद्र खाती, भावना भट्ट, आशा बिष्ट, किरण रावत, ममता पाण्डे, नीमा पांडे, जगमोहन सिंह बिष्ट, मनोज रावत आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड की पांचों सीटों पर जीत दर्ज करेगी कांग्रेस

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अभी हरिद्वार और नैनीताल सीट पर प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की गई है। नैनीताल से प्रत्याशी बनाए जाने की लगातार सुर्खियों पर पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत ने कहा कि उन्होंने नैनीताल लोकसभा सीट पर किसी भी प्रकार की कोई दावेदारी नहीं की है।

उन्होंने कहा कि नैनीताल सीट पर उनके चुनाव लड़ने की चर्चा चल रही है, पैनल में उनका नाम भेजा गया है, पार्टी का जो भी निर्णय होगा वह उन्हें स्वीकार है। यदि पार्टी कहेगी कि चुनाव लड़ो तो चुनाव लड़ा जाएगा। यदि पार्टी कहती है कि चुनाव लड़ाओ तो पूरी मेहनत के साथ सभी सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों को चुनाव जिताने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने की बात को भी पूरी तरह गलत बताया है।

बोले

▸▸ खुद नहीं की है चुनाव के लिए दावेदारी : रणजीत रावत

भगत लोस चुनाव के लिए कालाढूंगी संयोजक बने

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने बैठक की। प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने कार्यकताओं को एकजुट होने के लिए। साथ ही लोकसभा चुनाव को देखते हुए जिम्मेदारियां भी बांटी गईं।

हरी कृपा बैंक्वट हाल में हुई बैठक के दौरान मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी कार्यकर्ता जुट जाएं।

इस दौरान कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी भी सौंपी गईं। विधानसभा में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी। विधायक बंशीधर भगत को कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र का संयोजक बनाया गया।

उनके अलावा देवेन्द्र ढैला विधानसभा प्रभारी, भगवान तिवारी

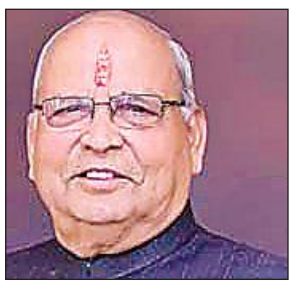

विधानसभा सह प्रभारी बनाए गए। जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट ने कहा हमें संगठन के लिए लगातार प्रयास करना है और संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को जोड़ना होगा।

कार्यक्रम में जिलापंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष आनंद दरम्वाल, प्रदीप बिष्ट, नवीन भट्ट व रंजन बर्गली, गजराज सिंह बिष्ट, भगवान तिवारी, लाखन निगल्टिया, भुवन भट्ट, सुरेश गौड, धीरज पांडे, राजेंद्र नेगी आदि रहे।

पिछली बार के अपेक्षा भाजपा के पक्ष में 10 प्रतिशत ज्यादा मतदान कराना लक्ष्य

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने गुरुवार को मुखानी स्थित कुमाऊं संभाग कार्यालय में प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए प्रबंधन कमेटी बना दी गई है। प्रत्येक विधानसभा सीट पर कोर एवं चुनावी प्रबंधन कमेटी की बैठक चल रही है। अगले दो-तीन दिनों में सभी 70 विस सीटों पर कमेटियों की बैठक हो जाएंगी।

कोठारी ने कहा कि 16 से 20 मार्च तक शक्तिकेंद्रों की बैठकें होंगी, इसके लिए पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई हैं। प्रत्येक शक्ति केंद्र में 11 सदस्यीय बूथ कमेटी के पदाधिकारी शामिल होंगे। इस बार भाजपा के पक्ष में मतदान का लक्ष्य 10 प्रतिशत बढ़ाने का रखा है। अब तक के चुनाव में भाजपा को 61.2 प्रतिशत मत मिले हैं इसे बढ़ाकर 71.2 प्रतिशत तक करना है। इसके लिए भाजयुमो व महिला मोर्चा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजयुमो प्रत्येक बूथ पर 10-10 युवाओं को जोड़ेगा और महिला मोर्चा बूथ की महिलाओं तक केंद्र व राज्य की योजनाओं के बारे में बताएंगे। इसी के साथ ही अब तक विपक्ष, भाजपा पर सांप्रदायिक होने का आरोप लगाते थे,भाजपा ने विकास कर इसे गलत साबित किया है। रेलवे स्टेशन को हवाई अड्डे की तरह संवारा जा रहा है। पीएमजीएसवाई में 250 आबादी वाले गांवों को सड़क से जोड़ा जा रहा था अब लक्ष्य है कि 100 आबादी वाले गांवों तक सड़क पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) बनाने के लिए जनता से सुझाव मांगे हैं। इसके लिए प्रत्येक संसदीय सीट पर 6 वाहन गली-गली घूम रहे हैं इनमें सुझाव पेटियां रखी हुई हैं जिनमें लोग अपना सुझाव दे सकते हैं। फिर केंद्र व राज्य के लिहाज से महत्वपूर्ण सुझावों को घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, जिला महामंत्री रंजन बर्गली मौजूद रहे।

आयुर्वेद से ठीक हुए विदेशी मरीज

▸▸ डॉ. राहुल गुप्ता के साथ मरीजों ने साझा किए अनुभव

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: आयुष वीजा कैटेगरी के माध्यम से हल्द्वानी के श्री विश्व प्रांगण आयुर्वेद एवं पंचकर्म चिकित्सालय के नाड़ी वैद्य डॉ. राहुल गुप्ता ने कई विदेशी मरीजों का उपचार किया और उन्हें स्वस्थ किया है। डॉ. गुप्ता एमडी आयुर्वेद हैं और हील इन इंडिया कार्यक्रम के तहत उन आयुर्वेद चिकित्सकों की सूची में हैं जो दुनिया भर के रोगियों को चिकित्सा सेवा देते हैं। वैद्य डॉ. राहुल गुप्ता के कुछ विदेशी मरीजों ने अपना अनुभव हमारे साथ साझा किया हैं। जिसमें मरीजों ने बताया कि असाध्य रोगों का उपचार आयुर्वेद के जरिए हुआ है।

मेरे त्वचा विकार को जर्मनी में असाध्य बता दिया था। अब डॉ. राहुल गुप्ता की दवा और परहेज से मेरे शरीर के पैच पूरी तरह से साफ हो गए और जोड़ों का दर्द भी चला गया। –**बेट्टीना** (जर्मनी)

प्रोस्टेट कैंसर का शुरूआती इलाज अपने देश में करवा चुका था लेकिन मैं स्वस्थ नहीं था। अब हल्द्वानी में उपचार के बाद मैं पूरी तरह से ठीक हूं। –**रॉबर्ट गर्टिन** (कनाडा)

मुझे भारत आए हुए 2 साल से ज्यादा हुआ है। यहां आकर मेरा पाचन खराब हो गया था। डॉ. राहुल के बताए परहेज और दवाओं के बाद में ठीक हो गया हूं। –**क्रिस्टीन** (अमेरिका)

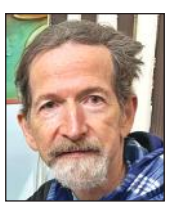

मेरा भारत आने का मुख्य उद्देश्य मेरे दांतों का उपचार होलिस्टिक तरीके से करवाना था। इसके लिए इम्यूनिटी बूस्ट करने की ज़रूरत थी। मुझे आयुर्वेद की दवाओं से आशा है, मैं जल्द स्वस्थ्य हो जाऊंगा। –**डेनियल ब्राउन** (इंग्लैंड)

उजाला सिग्नस में किडनी डे पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद चिकित्सक व अन्य।

किडनी रोगों के प्रति किया जागरूक

हल्द्वानी, अमृत विचार: उजाला सिग्नस सेंट्रल हॉस्पिटल ने गुरुवार को किडनी रोगों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए वर्ल्ड किडनी डे मनाया। 2024 की थीम के अनुसार बताया कि किडनी स्वास्थ्य सभी के लिए जरूरी है ताकि किडनी रोगी को डायलिसिस तक पहुंचने की आवश्यकता न पड़े। उजाला सिग्नस सेंट्रल हॉस्पिटल के वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ एचएस भंडारी ने किडनी की सेहत के लिए 8 तरीके बताए गए। साथ ही हॉस्पिटल के डायलिसिस टेक्निशियंस के लिए एडवांस ट्रेनिंग प्रोग्राम भी आयोजित किया गया। जिसमें सीनियर टेक्नीशियन नादिर खान ने नई डायलिसिस तकनीक के बारे में बताया।

होली मिलन कार्यक्रम 23 मार्च को होगा

हल्द्वानी, अमृत विचार: वरिष्ठ नागरिक जनकल्याण समिति की कार्यकारिणी की एक बैठक गुरुवार को गोविन्द बल्लभ पंत पुस्कालय में भुवन भास्कर पांडे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी होली मिलन कार्यक्रम आगामी 23 मार्च को पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच के प्रागंण में प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक मनाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर निगम के निर्वतमान मेयर डॉ. जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला होंगे। साथ ही, गर्वमेंट पेंशनर्स आर्गनाईजेशन के सदस्यों और महिला होल्यारों के दो दलों को भी आमंत्रित किया जाएगा। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सर्वसम्मति से वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल 30 जून तक बढ़ाए जाने पर सहमति बनी। बैठक का संचालन समिति के महासचिव पद्मादत्त पांडे ने किया। बैठक में डीके बल्यूटिया, सीएम पांडे, पीएस जंतवाल, आनंद सिंह भाकुनी, विपिन बिष्ट मौजूद रहे।

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

आयोजन

▸▸ एमबीपीजी कॉलेज में हुई कौशल विकास कार्यशाला

▸▸ प्रभावी बायोडाटा बनाने व साक्षात्कार के गुर सिखाए

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बीएड राजकीय और स्ववित्तपोषित व शिक्षाशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। एमबीपीजी कॉलेज में करियर काउंसलिंग सेल और नंदी फाउंडेशन, महिंद्रा ग्रुप ने गुरुवार को कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया। मुख्य प्रशिक्षक नवीन थपलियाल ने प्रभावी बायोडाटा बनाने और साक्षात्कार के गुर सिखाए। साथ ही शारीरिक हाव-भाव, भाषा प्रस्तुति और आत्मविश्वास बढ़ाने की तकनीक का प्रशिक्षण दिया। उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. सीडी सूंठा ने विद्यार्थियों को विवेकानंद के आदर्शों को अपनाकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। एमबीपीजी कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. एनएस बनकोटी, डॉ. नवल लोहनी, डॉ. अनिता जोशी, डॉ. सोनी टम्टा, डॉ. सविता भंडारी, डॉ. मनीषा नरियाल आदि मौजूद रहे।

एमबीपीजी कॉलेज में बीएड सेल्फ फाइनेंस कार्यशाला में उपस्थित छात्र छात्राएं।

बालिका शिक्षा और चुनौतियां पुस्तक का विमोचन

हल्द्वानी : बालिका शिक्षा और चुनौतियां विषय पर आधारित पुस्तक में शिक्षाशास्त्र विभाग की ओर से आयोजित सेमिनार में प्रस्तुत किए गए बालिका शिक्षा और चुनौतियों के संदर्भ में प्रस्तुत शोधपत्रों का संकलन किया गया है। एमबीपीजी कॉलेज में गुरुवार को उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. सीडी सूंठा और एमबीपीजी के प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी ने पुस्तक का विमोचन किया। सीडी सूंठा ने बालिका शिक्षा और चुनौतियां शीर्षक पुस्तक की सराहना की।

30 को हड़ताल पर रहेंगे नैनीताल बैंक के कर्मचारी

हल्द्वानी, अमृत विचार : प्रबंधन की ओर से उपेक्षा और विनिवेश के नाम पर बैंक को निजी हाथों में देने के विरोध में नैनीताल बैंक के अधिकारी व कर्मचारी कामकाज के दौरान हाथों में काली पट्टी बांधकर और कार्य समाप्ति पर शाखाओं के बाहर प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कर रहे हैं। कहा कि बैंक कर्मियों ने 30 मार्च को हड़ताल का आह्वान किया है।

रोडवेज परिसर में होने वाले धरना हुआ स्थगित

हल्द्वानी, अमृत विचार : रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद की ओर से शुक्रवार को होने वाले रोडवेज परिसर में धरना को स्थगित कर दिया गया है। शाखा अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह रावत ने यह जानकारी दी।

सफाई कर्मी आयोग के सदस्य नामित

हल्द्वानी, अमृत विचार : उत्तराखंड सफाई कर्मचारी आयोग में चार सदस्य नामित किए गए हैं। विकासनगर देहरादून निवासी छेदीराम भारती, तेलीवाला रुड़की निवासी विनय कुमार, काशीपुर निवासी हर्ष रत्नाकर और ऋषिकेश निवासी राकेश कुमार पार्चा सदस्य के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।

जोशी क्लीनिक

डॉ. संजय जोशी
B.A.M.S. (Lko)
N.D.D.Y.
C.K.S., C.Y.P.
वरिष्ठ आयुर्वेदिक फिजीशियन
(उदर एवं गुदा रोग विशेषज्ञ)

1. विशेषज्ञ चिकित्सा
पाइल्स (बवासीर)
फिस्चुला (भगंदर)
फिशर एवं पाइलोनिडल साइनस का इलाज विश्व प्रसिद्ध आयुर्वेदिक क्षार-सूत्र चिकित्सा द्वारा

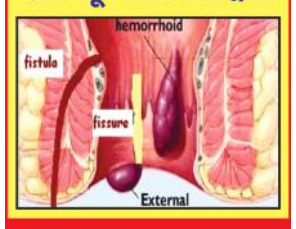

2. आयुर्वेदिक रक्तमोक्षण चिकित्सा
Leech Therapy
(जलोका)

Cupping Therapy

रोग : सोरायसिस, चर्म रोग, जोड़ों के दर्द, माइग्रेन, वैरीकोज वेन, बालों का झड़ना, शरीर की गाँठ, न भरने वाले घाव

समय
प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक
सायं 5:30 बजे से 8 बजे तक
शनिवार अवकाश

BOOK APPOINTMENT
Scan QR Code for More Details

कुसुमखेड़ा
निकट गैस गोदाम
तिराहा, कालाढूंगी रोड
हल्द्वानी (उत्तराखण्ड)
M : 9412958478

एक नजर

युवक के खिलाफ किशोरी को भगाने का मामला दर्ज

खटीमा। विधानसभा क्षेत्र के एक पीड़ित ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि उसकी नाबालिक पुत्री पांच मार्च को घर से करीब नौ हजार रुपये और कुछ जेवर लेकर कहीं चली गई थी, जिसकी काफी खोजबीन की गई लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़ित ने बताया कि 13 मार्च को थाने से सूचना मिली कि उनकी बेटी मोहल्ले के ही निवासी युवक के साथ शादी करके रह रही है। पीड़ित ने कहा कि युवक उसकी बेटी को बहला फुसला कर ले गया है। उसके साथ नाजायज संबंध बनाए। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की। जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता

रुद्रपुर। रम्पुरा क्षेत्र में एक किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर सौंपकर कहा कि 11 मार्च को उसकी नाबालिग लड़की घर से लापता हो गई थी। काफी खोजबीन के बाद भी किशोरी का कहीं कोई पता नहीं चला तो पीड़ित परिजनों ने पुलिस को तहरीर सौंपी। परिजनों का आरोप है कि उनकी पुत्री को रम्पुरा निवासी एक लड़की बुलाकर ले गई। लड़की से पूछताछ में कोई जवाब नहीं मिला। चौकी प्रभारी नवीन बुधानी ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर किशोरी की तलाश की जा रही है।

तमंचा और कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

रुद्रपुर। रम्पुरा पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रेशमबाड़ी निवासी नदीम शाह पुत्र अकबर शाह के रूप में हुई है। रम्पुरा चौकी प्रभारी नवीन बुधानी ने बताया कि चौकी पुलिस बुधवार रात को गश्त पर थी। इस दौरान सूचना मिली कि एक युवक किच्छा बाईपास रोड पर संदिग्ध रूप से घूम रहा है। सूचना पर एसआई विकास कुमार, कांस्टेबल अमित जोशी, गणेश धानिक मौके पर पहुंच गए। जहां एक युवक पुलिस को देख भागने लगा। शक होने पर पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा कर दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से पुलिस कर्मियों को तमंचा और कारतूस मिला।

एक शराब तस्कर दबोचा

खटीमा। कोतवाली पुलिस को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे फाटक के पास एक व्यक्ति द्वारा अवैध शराब बेची जा रही है, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां एक व्यक्ति पुलिस को देख गली में जाने लगा, जिसको पुलिस ने पकड़ लिया और उसके कब्जे से 27 पाउच अवैध शराब बरामद की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया।

बाहरी राज्यों से आवाजाही करने वाले असामाजिक तत्वों पर रखी जाएगी नजर, अतिसंवेदनशील और संवेदनशील पोलिंग बूथ किए गए हैं चिन्हित

आचार संहिता लागू होते ही बॉर्डर पर रहेगी 24 घंटे कड़ी नजर : डीआईजी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : डीआईजी कुमाऊं योगेंद्र सिंह रावत ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले जो गाइडलाइन दी थी वह पूरी कर ली गयी है। इसके अलावा एसएसटी और एफएसटी का गठन कर लिया गया है जो धन और अन्य चीजों पर निगरानी रखेंगे। उन्होंने बताया कि आचार संहिता लागू होते ही ऊधमसिंह नगर में बॉर्डरों पर असामाजिक तत्वों पर नजर रखनी शुरू हो जाएगी।

गुरुवार को डीआईजी कुमाऊं ने यह बात पुलिस लाइन सभागार में पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि कुमाऊं में लोकसभा के चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराए जाएंगे। इसके लिए अतिसंवेदनशील और संवेदनशील पोलिंग बूथों की मैपिंग कर उन्हें चिन्हित कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान नशीले पदार्थों के साथ ही अवैध शराब और धन पर भी पुलिस की नजर रहेगी। इसके लिए ऊधमसिंह नगर से सटे पीलीभीत, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद और बिजनौर जिले से सटे बॉर्डर पर चौबीस घंटे उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से चेकिंग की जाएगी।

इसके अलावा बॉर्डर पर चेकिंग के लिए 57 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गये हैं। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी में हुए दंगे के दौरान पता चला कि अधिकांश उपद्रवी बाहरी राज्यों के हैं। इसे देखते हुए लोकसभा चुनाव में बाहरी राज्यों से आने वाले लोगों के साथ ही आपराधिक तत्वों पर भी पुलिस और खुफिया विभाग की विशेष नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि वैध मार्गों पर बैरियर लगाए जाएंगे। इसके अलावा चोर रास्तों पर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही पुलिस का मोबाइल मूवमेंट भी चोर रास्तों पर रहेगा। उन्होंने बताया कि आचार संहिता लागू होते ही गुंडा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और 107 व 16 की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। इसके लिए होमवर्क कर लिया गया है। इस अवसर पर एसपी सिटी मनोज कत्याल, एसपी क्राइम चंद्रशेखर घोड़के, सीओ निहारिका तोमर आदि मौजूद रहे।

चुनाव से पहले पहुंचेंगी 22 कंपनी और पैरामिलिट्री फोर्स

डीआईजी कुमाऊं ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले कुमाऊं रेंज को 10 कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स मिल चुकी हैं। इसमें तीन कंपनी ऊधमसिंह नगर को मिली हैं। इसके अलावा अन्य जिलों को आवंटित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि पैरामिलिट्री फोर्स जगह-जगह फ्लैग मार्च कर रही है, ताकि जागरूक मतदाताओं का उत्साह बढ़ सके और वे पोलिंग बूथ पर अधिक से अधिक मतदान कर सकें। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले कुमाऊं रेंज में 22 कंपनी और पैरामिलिट्री फोर्स पहुंच जाएगी।

ब्याज के नाम पर उत्पीड़न करने वालों पर होगी कार्रवाई

डीआईजी कुमाऊं ने बताया कि विगत दिनों जसपुर क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा ब्याज के नाम पर लोगों का उत्पीड़न करने का मामला सामने आया था। जानकारी मिली थी कि यहां हाई रेट पर सूदखोर ब्याज वसूल रहे थे। इसके बाद शासन स्तर पर उनकी अध्यक्षता में एसआईटी गठित की गयी है। उन्होंने कहा कि पीड़ित कोई व्यक्ति सीधे उनसे शिकायत कर सकता है या फिर गठित टीम से शिकायत कर सकता है।

ओवर स्पीड में हुए 4000 चालान

डीआईजी कुमाऊं ने कहा कि हाईवे बेहतर बनने के बाद घटनाएं भी बढ़ रही हैं। इसलिए वाहनों की स्पीड भी बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष ऊधमसिंह नगर में ओवर स्पीड में करीब 4000 वाहन चालकों के चालान काटे गये थे।

पुलिस कर्मी से शस्त्र खुलवाते डीआईजी कुमाऊं। ● अमृत विचार

पंतनगर थाने का किया निरीक्षण, पुलिस कर्मियों से शस्त्र खुलवाए

रुद्रपुर। डीआईजी कुमाऊं योगेंद्र सिंह रावत ने पंतनगर थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ सफाई और थाना अभिलेखों के रखरखाव के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही पुलिस कर्मियों से शस्त्र खुलवाए और शस्त्रों के संबंध में जानकारी ली। गुरुवार को डीआईजी ने पंतनगर थाने के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधीनस्थों को आगामी लोकसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए अवैध कार्यों में लिप्त रहने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लापरवाही करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इससे पूर्व उन्होंने मीटिंग में आये पुलिस पेंशनरों द्वारा के समक्ष अपनी व्यक्तिगत व पारिवारिक समस्याओं को रखा। डीआईजी ने पेंशनरों की समस्याओं के निराकरण के लिए अधीनस्थों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसपी सिटी मनोज कत्याल, एसपी क्राइम चंद्रशेखर घोड़के, सीओ सिटी निहारिका तोमर, सीओ ओमप्रकाश, थानाध्यक्ष राजेंद्र सिंह डांगी समेत कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

चार अवैध कॉलोनियों पर गरजी जिला विकास प्राधिकरण की जेसीबी

रुद्रपुर व काशीपुर की कालोनियों में चल रहा था निर्माण, टीम ने कराया ध्वस्त

कार्रवाई

- कालोनाइजरों में मचा हड़कंप, मानचित्र स्वीकृत होने के बाद ही निर्माण करने की अपील
- लोगों से कागजात देखने के बाद ही भूमि खरीदने का किया आग्रह

संवाददाता, रुद्रपुर/काशीपुर

अमृत विचार: जिला विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक रुहेला के निर्देश पर प्राधिकरण की टीम के साथ राजस्व विभाग और पुलिस की टीम ने रुद्रपुर और काशीपुर कई स्थानों में अनाधिकृत कालोनियों के विरुद्ध कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने रुद्रपुर और काशीपुर में चार अनधिकृत कालोनियों में हो रहे निर्माण कार्य के खिलाफ कार्रवाई की गयी। वहीं टीम की इस कार्रवाई से कालोनाइजरों में खलबली मच गयी है।

गुरुवार को प्राधिकरण की टीम के साथ राजस्व विभाग और पुलिस टीम ने तहसीलदार दीपक कुटौला के नेतृत्व में रुद्रपुर के ग्राम नेता नगर और विजय नगर पहुंची। यहां टीम ने दो अनाधिकृत कालोनियों को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। वहीं टीम की इस कार्रवाई से वहां अवैध रूप से कालोनी काट रहे कालोनाइजरों में हड़कंप मच गया। वहीं काशीपुर में संयुक्त सचिव व उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह के नेतृत्व में राजस्व टीम एवं प्राधिकरण टीम ने पुलिस बल के साथ ग्राम नीझड़ा, तहसील काशीपुर में दो कॉलोनी के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गयी।

कार्रवाई के बाद प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक रुहेला ने कहा कि अनाधिकृत कालोनियों के खिलाफ भविष्य में भी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कालोनाइजरों से अपील करते हुए कहा कि वे विधिवत मानचित्र व तलपट मानचित्र स्वीकृत होने के बाद ही निर्माण कार्य करें। साथ ही आमजन को आगाह करते हुए कहा कि भूखंड को क्रय करने से पूर्व यह देख लें कि कालोनी का विधिवत मानचित्र प्राधिकरण से विकासकर्ता व विक्रेता द्वारा स्वीकृत करवाया गया है या नहीं। ताकि वे भविष्य में होने वाली परेशानियों से बच सकें। इस अवसर पर प्राधिकरण की ओर से अधिशासी अभियंता, अवर अभियंता एवं अन्य प्राधिकरण कर्मचारी मौजूद रहे।

रुद्रपुर में अवैध रूप से हो रहे निर्माण को ध्वस्त करती जेसीबी। ● अमृत विचार

महिलाएं बोलीं, श्रम कार्ड बनवाने में आ रही दिक्कतें

श्रम कार्यालय में महिलाओं की समस्याएं सुनते भाजपा नेता भारत भूषण चुघ। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

समस्या

- चुघ ने उपश्रमायुक्त और श्रम निरीक्षक से वार्ता कर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया

अमृत विचार : श्रम विभाग में कार्ड बनाने में आ रही दिक्कतों को लेकर महिलाओं ने भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक भारत भूषण चुघ के सामने अपनी समस्या रखी। वहीं भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक चुघ श्रम कार्यालय पहुंचकर उप श्रमायुक्त और श्रम निरीक्षक से वार्ता कर समस्या के समाधान का प्रयास किया।

गुरुवार को श्रम कार्यालय पहुंचे भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक चुघ को महिलाओं ने बताया कि श्रम विभाग से संबंधित कागजी कार्रवाई में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चुघ ने परेशान महिलाओं से कहा कि वे समय पर अपना मजदूरी कार्ड का नवीनीकरण करा लें, ताकि किसी भी प्रकार की समस्या से जूझना न पड़े। उन्होंने बताया कि पहले कार्यालय सायं 5 बजे बंद होता थे इसे अब बढ़ाकर सायं 7 बजे तक कर दिया गया है, ताकि सभी को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने श्रम विभाग के अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक श्रमिक की बात को गंभीरता से लिया जाए और उनके संबंधित कार्य का निराकरण प्राथमिकता से किया जाए। इस अवसर पर राज कोली, दर्शन कोली, राम देवी, पार्वती, किरण देवी, शकुंतला, शिवकुमार, शिब्बू समेत कई महिलाएं मौजूद रहीं।

शिक्षिकों ने भर्ती विज्ञप्ति की प्रतियां जलाई

प्रदर्शन

- शिक्षक संगठन ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी दी, सीएम को भेजा ज्ञापन

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : अनूसूचित जाति जनजाति शिक्षक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विभागीय सीधी भर्ती का विरोध किया है। उन्होंने भर्ती के लिए निकाली गई विज्ञप्ति की प्रतियां जलाकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा है। मांगें नहीं माने जाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी तक दी है।

गुरुवार को एससी एसटी शिक्षक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रधानाचार्य की सीधी भर्ती के लिए निकाली गई विज्ञप्ति पर कड़ा रोष प्रकट किया। उन्होंने पूर्व की तरह की भर्ती कराने की मांग की। कहा कि सीधी भर्ती के लिए विज्ञप्ति नकाल दी गई है, जिसका वह विरोध कर रहे हैं। कहा कि 50 वर्ष की आयु के चलते कई शिक्षक भर्ती के लिए आवेदन करने से रह गए हैं। इसमें एससीएसटी ओबीसी वर्गों के लिए आरक्षण व्यवस्था नहीं की गई है। केंद्रीय विद्यालयों में प्रधानचार्य के विभागीय भर्ती में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। बताया कि सीधी भर्ती में बीएड को जरूरी कर दिया गया है। पूर्व में प्रवक्ता, एलटी पद के लिए बीएड अनिवार्य नहीं किया गया था। स्नातकोत्तर स्तर पर 50 प्रतिशत अंकों की बाध्यता रखी गई थी, इस भर्ती में आरक्षित शिक्षकों को यह छूट नहीं दी गई है। उन्होंने विज्ञप्ति की प्रतियां चलाकर विरोध जताया और सीएम पुष्कर सिंह धामी को संबोधित ज्ञापन एसडीएम कार्यालय में सौंपा। इस मौके जिलाध्यक्ष हरिओम सिंह, जिला मंत्री नरेंद्र कुमार, जिला कोषाध्यक्ष ब्रजेश कुमार विमल, उपाध्यक्ष भजन सिंह, प्रान्तीय उपाध्यक्ष डीआर वाराकोटी, प्रान्तीय सदस्य नीरज कुमार, पूर्व प्रांतीय कोषाध्यक्ष चितरंजन कुमार, ब्लाक अध्यक्ष जसपुर सुभाष चन्द्र, सतीश गौतम, राजू गौतम आदि मौजूद रहे ।

काशीपुर में विज्ञप्ति की प्रतियां जलाते शिक्षक। ● अमृत विचार

मजदूर की मौत में चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

खटीमा। पुलिस ने चार दिन पूर्व चकरपुर मेला देखने जा रहे मजदूरों को टक्कर मारने वाले मैजिक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मटकुट्टा थाना अलीपुर जिला चंदौसी उत्तर प्रदेश निवासी संतोष कुमार ने कहा कि वह अपने भांजों के साथ बनबसा में निर्माणाधीन रोड पर मजदूरी करता है। 10 मार्च को वह चकरपुर में शिवरात्रि पर मेला देखने जा रहे थे।

इस दौरान लापरवाही से चलाते हुए मैजिक के चालक ने टक्कर मार दी, जिसमें उसके भांजे विकास 25 पुत्र रामजनम निवासी छित्तमपुर चंदौसी की मौके पर मौत हो गई। जबकि अखिलेश और संदीप गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें अखिलेश का राम मूर्ति अस्पताल भोजीपुरा बरेली में इलाज चल रहा।

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
पीलीभीत वाईपास रोड, बरेली
विशाल एण्डोस्कोपी शिविर
सहयोग से : बरेली ओब्स्टेट्रिक गाइनकालजी सोसाइटी
दूरबीन विधि द्वारा बच्चेदानी के आपॅरेशन

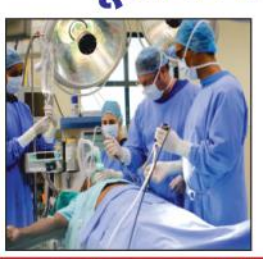

दिल्ली, मुम्बई, अहमदाबाद, चेन्नई,
बैंगलौर एवं विदेश के सुप्रसिद्ध
विशेषज्ञ द्वारा दूरबीन विधि से
स्त्री रोग सम्बन्धित समस्त ऑपरेशन

जल्द से जल्द पंजीकरण कराकर इस सुविधा का लाभ उठायें।
ऑपरेशन दिनांक 19 अप्रैल 2024
पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) 31 मार्च 2024 तक ही किये जायेंगे। प्रथम 10 पंजीकृत मरीजों को प्राथमिकता दी जायेगी।

लैप्रोस्कोपी द्वारा दूरबीन विधि से ऑपरेशन
1) बच्चेदानी निकालने का ऑप्रेशन (हिस्ट्रेक्टमी)
2) रसौली निकालने का ऑप्रेशन (मायोमेक्टमी)
3) अण्डेदानी की रसौली निकालने का ऑप्रेशन (ओवेरियन सिस्टैक्टॉमी)
4) बांझपन की दूरबीन विधि द्वारा जांच
5) बन्द ट्यूब खोलने का ऑप्रेशन
6) बच्चेदानी की बनावट सम्बन्धी जन्मजात बीमारियों का इलाज ऑप्रेशन

हिस्ट्रोस्कोपी का दूरबीन द्वारा ऑपरेशन
1) ऐशरमैन का इलाज
2) बच्चेदानी के अन्दर की रसौली (हिस्ट्रोस्कोपिक मायोमेक्टोमी)
3) ट्यूब खोलना (हिस्टेरोस्कोपी कम्युलेशन)
4) बच्चेदानी के अन्दर जन्मजात विकृति ठीक करना
5) बच्चेदानी के अन्दर का पॉलिप निकालना (हिस्टेरोस्कोपिक पॉलीएटोनी)

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 9997015620, 9081800900
कमरा नं. 1178, स्त्री रोग विभाग, रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली
एन.ए.बी.एच.*'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था

सौगात गांवों और शहरों में होगी शुरुआत, एआरटीओ काशीपुर की पहल, टेस्ट का तरीका भी बताएंगे अधिकारी

अब कैंप लगाकर बनाए जाएंगे ड्राइविंग लाइसेंस

सुविधा

- काशीपुर एआटीओ कार्यालय में रोजाना 50 से 60 लोग करते हैं लाइसेंस बनाने के लिए ऑनलाइन आवेदन

राजू वर्मा, काशीपुर

अमृत विचार: वाहन चलाने के लिए लाइसेंस बनाने की तैयारियां कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। काशीपुर एआरटीओ से लर्निंग साइसेंस बनाने वालों के लिए गांव व शहर में कैंप लगाने की शुरूआत होने जा रही है। कैंप में अधिकारी लाइसेंस के लिए ऑनलाइन आवेदन करने का तरीका बताएंगे और टेस्ट की तैयारियां भी कराई जाएगी।

कुंडेश्वरी रोड स्थित एआरटीओ कार्यालय में रोजाना 50 से 60 आवेदन ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस बनाने के आते हैं। एआटीओ विमल पांडे ने बताया कि आवेदन करने वाले लोगों को ऑनलाइन टेस्ट देना पड़ता है। रोड साइड समेत कई प्रश्न ऑनलाइन पूछे जाते हैं। बताया कि लर्निंग लाइसेंस की वैधता छह माह तक होती है। अधिकांश लोग टेस्ट में फेल हो जाते हैं। इससे लोगों के लाइसेंस नहीं बन पाते हैं। बताया कि प्रदेश में काशीपुर से इसकी शुरूआत की जा रही है। इसके बाद अन्य जगहों पर भी यह तरीका अपनाया जा सकता है।

40 प्रतिशत लोग टेस्ट में हो जाते हैं फेल

एआरटीओ अधिकारियों की माने तो आवेदन के बाद टेस्ट के लिए तिथि दी जाती है। उन्होंने बताया कि 40 प्रतिशत लोग टेस्ट में फेल हो जाते हैं। ऐसे में लोग दोबारा आवेदन के लिए चक्कर काटते हैं।

कहीं से भी कर सकेंगे आवेदन

एआरटीओ विमल पांडे ने बताया कि लोग लाइसेंस बनवाने के लिए साइबर कैफे आदि के चक्कर लगाते हैं, जिसमें लोगों को आर्थिक हानि का सामना करना पड़ता है। बताया कि खुद ही लोगों को ऑनलाइन आवेदन करना आ जाएगा तो वह खुद ही कही से भी आवेदन कर सकेंगे।

लोगों को परिवहन विभाग की सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। आवेदन करना आने से लोग खुद ही

लर्निंग लाइसेंस बनाने का तरीका सीख सकेंगे और आवेदन भी कर सकेंगे। इसके अलावा टेस्ट का तरीका भी बताया जाएगा। प्रदेश में काशीपुर एआरटीओ कैंप का आयोजन जल्द करने जा रहा है। – विमल पांडे, एआरटीओ, काशीपुर।

एक नजर

चाकू के साथ युवक को किया गिरफ्तार

काशीपुर। पुलिस ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध को चाकू के साथ गिरफ्तार कर उसका आर्म्स एक्ट में चालान किया है। कोतवाली पुलिस ने ढेला बस्ती के पास नदी के किनारे संदिग्ध अवस्था में खड़े एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से चाकू बरामद किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोहल्ला कटरामालियान निवासी सुमित यादव पुत्र नेत्रराम यादव बताया। पुलिस ने आरोपी का 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत चालान किया है।

एसी का आउटडोर पार्ट्स चोरी

काशीपुर। चोरों ने साड़ी की दुकान से एसी का आउटडोर पार्ट्स चोरी कर लिया। मेन बाजार निवासी अशोक शर्मा ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी दुकान मीनाक्षी साड़ीज के नाम से मेन मार्केट में श्री रामेश्वर धाम मंदिर के सामने स्थित है, 13 मार्च को कुछ चोर उसकी दुकान से आउटडोर एसी चुरा ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

बाइकों की टक्कर में दो घायल

खटीमा। दो बाइकों के बीच हुई टक्कर में सबौरा निवासी मनीष ठकुराठी और रतनपुर निवासी नरेंद्र चंद घायल हो गए। घायलों को नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया।

ईडीपी से सृजनात्मकता बढ़ाने में मिलेगी मदद

एसबीएस महाविद्यालय में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम में बोले वक्ता, बीबीए-बीकॉम के विद्यार्थी कर रहे प्रतिभाग

कार्यक्रम

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में जिला उद्योग केंद्र की ओर से 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का शुभारंभ हो गया है। इसमें बीबीए और बीकॉम के 45 विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं।

गुरुवार को महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उद्यमिता विकास कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो.पीएन तिवारी ने समय की उपयोगिता पर विचार प्रस्तुत किए। साथ ही कहा कि यह कार्यक्रम उद्यमिता शुरू करने का एक अवसर है। उद्यमियों को तकनीकी ज्ञान, प्रशासनिक समर्थन और वित्तीय संरचना के लिए संगठनों के साथ साझा करने का इरादा रखते हैं। यह पहल उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही नए व्यवसायों की सृजनात्मकता को बढ़ाने में मदद करेगा।

कार्यक्रम में उद्यमी संजीव भटनागर , रिसोर्स पर्सन कविता एवं चारू चंद्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम उद्यमिता को बढ़ावा देने, नए उद्यमियों को समर्थन प्रदान करने और व्यावसायिक क्षमता को बढ़ाने के लिए उद्योग के अंदर निवेश को बढ़ाने का उद्देश्य रखता है। उद्यमी संजीव भटनागर अपने अनुभव विद्यार्थियों को साझा किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. आशीष कुमार गुप्ता, बीबीए फैकल्टी के विकास पडलिया, गुंजन कालरा, सपना ठाकुर, डॉ. रवीश त्रिपाठी, प्रो. हरीश चंद्र, प्रो. प्रवींद्र कुमार सैनी, प्रो. हेमलता सैनी, प्रो.रेनू रानी, डॉ. वकार हसन खान समेत कई लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते नोडल अधिकारी ई डीपी प्रो .पीएन तिवारी व कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। ● अमृत विचार

138 लाभार्थी होंगे लाभांवित, 100 से अधिक महिलाएं बनेंगीं लखपति दीदी

रुद्रपुर। मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि पशुपालन विभाग की ओर से मुख्यमंत्री राज्य पशुधन मिशन के उद्यमिता विकास योजना के तहत जनपद में 138 लाभार्थियों को योजना से लाभांवित किया जा रहा है। जिसमें से 100 से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनेंगी। गुरुवार को यह जानकारी देते हुए सीडीओ ने बताया कि योजना के तहत एनआरएलएम व स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिला को गाय, भैंस, बकरी, सूकर पालन एवं ब्रायलर, लेयर कुक्कुट पालन के लिए बैंकों के माध्यम से 90 प्रतिशत ब्याज छूट पर ऋण दिया जा रहा है। इससे पशुपालन से जुड़ी महिलाएं दुग्ध उत्पादन, अंडा उत्पादन कर आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में लाभार्थियों को हाउस ऑफ हिमालय से जोड़कर उनके उत्पादों के विपणन में भी सहायता की जाएगी।

सार-संक्षेप

माता बलवीर कौर का 81 वर्ष की आयु में स्वर्गवास

बाजपुर। तराई को आबाद करने वाली प्रथम पंक्ति की माता बलवीर कौर का 81 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया है। वह तराई के संस्थापक सदस्यों में रहे सरदार रतन सिंह बोपाराय की पुत्रवधू थीं। माता बलवीर कौर की याद में एक समागम 17 मार्च को कोसी फार्म में किया जाएगा जिसमें पंजाब सहित अनेक राज्यों के लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। वहीं माता बलवीर कौर के निधन पर पंजाब के पूर्व मंत्री राणा गुरजीत सिंह, उद्योगपति राणा रणजीत सिंह, टीडीसी के पूर्व निदेशक हरमंदर सिंह बरार, किसान कांग्रेस के अध्यक्ष हरमिंदर सिंह लाडी, गुरुद्वारा सिंघ सभा के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा, गुरुद्वारा सिंघ सभा के पूर्व अध्यक्ष सुखजीत सिंह पूनिया, उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी, अजीत सिंह पूनिया, दलजीत सिंह रंधावा, अवतार सिंह सैनी, किसान कांग्रेस के प्रदेश सचिव हरमीत सिंह बड़ैच, भाजपा के केलाखेड़ा मंडल अध्यक्ष बल्देव सिंह बड़ैच, जसविंदर सिंह जस्सी, हरदयाल सिंह, जोगेंद्र सिंह, प्रभुशरण सिंह गोराया आदि सैंकड़ों लोगों ने माता जी के निधन पर दुख व्यक्त किया है।

माता बलवीर कौर।

हॉटमिक्स मार्ग का फीता काटकर शुभारंभ करते विधायक अरोरा। ● अमृत विचार

हॉटमिक्स मार्ग का शुभारंभ

रुद्रपुर। विधायक शिव अरोरा ने राज्य योजना के तहत विधानसभा रुद्रपुर के मोहनपुर नंबर एक में 56 लाख की लागत से एक किलोमीटर हॉटमिक्स मार्ग का शुभारंभ किया। गुरुवार को विधायक शिव अरोरा ने कहा ग्रामीण क्षेत्र में पिछले कई दिनों से महत्वपूर्ण रोडों के कार्य आरंभ करवाए जा रहे हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्यों में तेजी आएगी। पहले खस्ताहाल रोडों के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री अमित नारंग, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि जगदीश विश्वास, राजेश बजाज, अशोक विश्वास, मुकेश प्रधान, शिवपद मंडल, सुनील गुगलानी, आलोक रॉय, गणेश मंडल, आनंद विश्वास, माणिक, दूलाल मालिक, कौशल विश्वास समेत कई लोग मौजूद रहे।

शिक्षा देने का नया तरीका है वर्चुअल लैब

आयोजन

- कार्यशाला में आईआईटी दिल्ली से आए विशेषज्ञों, प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभाग

संवाददाता, रुद्रपुर

वर्चुअल कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता व कार्यशाला में उपस्थित लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में वर्चुअल लैब पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें आईआईटी दिल्ली से आए विशेषज्ञों ने वर्चुअल लैब के बारे में विस्तार से छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों को जानकारी दी।

वर्कशॉप ऑफलाइन एवं ऑनलाइन माध्यम से संचालित हुई। वहीं आईआईटी दिल्ली से आए प्रशिक्षकों ने डॉ. भारत पांडे को कोविड समय में बनाई गई वर्चुअल लैब में उनके सराहनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र भी दिया गया और महाविद्यालय को नोडल सेंटर नॉमिनेट किया गया। गुरुवार को एसबीएस महाविद्यालय में आयोजित कार्यालय में आईआईटी दिल्ली से आए विशेषज्ञों चंदन कुमार, जस्सी प्रसाद एवं शनि कुमार ने कहा कि वर्चुअल लैब की शिक्षा आज के समय में उच्च शिक्षा के लिए बहुत ही आवश्यक है। वर्चुअल लैब से शिक्षा प्रदान करने का मतलब है कि छात्रों को वास्तविक लैब जाने की आवश्यकता नहीं होती है। उन्हें वास्तविक अनुभव के साथ सामान्य अनुभव मिल जाता है। वह आसानी से अपनी शिक्षा को पूरा कर सकते हैं। वर्चुअल लैब शिक्षा से बच्चों को शिक्षा देने का एक नया तरीका है।

एसबीएस महाविद्यालय के डॉ. भारत पांडे ने कहा कि वर्चुअल लैब के द्वारा शिक्षा प्रदान करने के लिए छात्रों को किसी विशेष स्थान पर जाने की आवश्यकता नहीं होती है। इंटरनेट के माध्यम से वे शिक्षा ले सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल एक कंप्यूटर या लैपटॉप की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि वर्चुअल लैब के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने से छात्रों की जीवन में कई लाभ मिलते हैं। कार्यशाला में 120 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने ऑफलाइन मोड में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.डीसी पंत, प्रो.सर्वजीत सिंह, प्रो.पीपी त्रिपाठी, डॉ.चंद्रपाल, डॉ.दीपक दुर्गापाल, डॉ. रवीश त्रिपाठी, प्रॉक्टर प्रो.सर्वजीत सिंह समेत रुद्रपुर महाविद्यालय के साथ ही साथ खटीमा, टनकपुर, सितारगंज एवं नानकमत्ता के महाविद्यालय से आए नोडल अधिकारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पत्नी पर चाकू से हमला करने में दो साल की सजा

संवाददाता, काशीपुर

सुनवाई

- जान से मारने की नीयत से चाकू मारकर घायल कर दिया था

अमृत विचार : प्रथम एडीजे कोर्ट ने पत्नी पर चाकू से हमला करने के आरोपी को दो साल के कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने पर आरोपी को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

10 अगस्त 2021 को पाटकोट निवासी पूजा देवी ने आईटीआई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बहन अपने पति पवित्र सिंह उर्फ सोनू पुत्र निर्मल सिंह के साथ आलू फार्म में प्रवीण कुमार के घर में किराए पर रहती थी। पवित्र मूल रूप से पीलीभीत का निवासी है, 9 अगस्त को हुए विवाद में पवित्र ने पत्नी मनप्रीत कौर को जान से मारने की नीयत से चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया था। पुलिस ने आरोपी को घटना में प्रयुक्त चाकू समेत गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कोर्ट में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। वाद का परीक्षण प्रथम एडीजे कोर्ट में हुआ। अभियोजन की ओर से सात गवाहों को परीक्षित कराया गया। अभियोजन की ओर से पैरवी एडीजीसी अनिल कुमार सिंह ने की। दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन कर प्रथम एडीजे विनोद कुमार ने आरोपी पवित्र को धारा 307 की बजाय धारा 324 का दोषी ठहराया। अदालत ने आरोपी को दो साल के कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है, जबकि उसे आर्म्स एक्ट के आरोप से बरी कर दिया।

सरकारी अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लेतीं डीजी हेल्थ डा .विनीता शाह।

डीजी हेल्थ व सीएमओ ने किया अस्पताल का औचक निरीक्षण

बाजपुर। डीजी हेल्थ व सीएमओ ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। कमियां पाए जाने पर उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उत्तराखंड महानिदेशक डॉ विनीता शाह एवं ऊधम सिंह नगर सीएमओ डॉ मनोज कुमार शर्मा गुरुवार को बाजपुर पहुंचे। जिसके बाद उन्होंने बाजपुर के जिला उप चिकित्सालय में पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। वही लेबर रूम, आईसीयू रूम, अल्ट्रासाउंड रूम, इमरजेंसी व महिला वार्ड में बारीकी से व्यवस्थाओ का जायजा लिया। इस दौरान उन्हें महिला वार्ड में साफ-सफाई व्यवस्था ठीक नहीं पाई गई। जिस के बाद उन्होंने साफ सफाई व्यवस्थाओ को दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए। अस्पताल में जो कमियां कम पाई गई है। उन्होंने उसे जल्द ठीक करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके,प्रभारी चिकित्सक डॉ.पीडी गुप्ता,आशीष चौधरी, मोहन लाल भारती, प्रकाश बचखेती, डॉ. रवींद्र साहू, सुबोध कुमार सक्सेना, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. विनय यादव, आदि मौजूद थे।

कार न मिलने पर घर से निकाला

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: विवाह के 6 वर्ष बाद ससुरालियों ने विवाहिता को 20 लाख रुपये और कार की डिमांड कर मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता मायके आ गई। न्यायालय के निर्देश पर दर्ज रिपोर्ट में बसंत गार्डन कॉलोनी, किच्छा निवासी मनिका अरोड़ा पुत्री सतीश अरोड़ा ने बताया कि उसका विवाह महाराजा पैलेस बाजपुर में 25 जनवरी 2019 को धूमधाम के साथ टीचर्स कॉलोनी, बाजपुर निवासी आशीष अरोड़ा पुत्र प्रेम कुमार अरोड़ा के साथ हुआ था।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि विवाह के कुछ महीने बाद ही पति आशीष अरोड़ा, सास रश्मि अरोड़ा, ससुर प्रेम कुमार अरोड़ा, देवर नमन ने दहेज में 20 लाख रुपये तथा बड़ी कार की डिमांड कर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपियों द्वारा कम दहेज लाने तथा छोटी कार देने का ताना देते हुए पीड़िता एवं उसके मायके पक्ष के खिलाफ गालियां देकर अपमानित किया जाता था। पीड़िता ने 26 जून 2023 को माता-पिता को फोन पर जानकारी दी। उसके बाद माता-पिता उसके ससुराल बाजपुर पहुंचे। ससुराल वालों ने पीड़िता को तन्हा कपड़ों में घर से निकाल दिया। बिरादरी के लोगों के साथ कई बार ससुराल पक्ष की पंचायत हुई, लेकिन ससुरालियों ने डिमांड पूरी होने तक पीड़िता को साथ रखने से इनकार कर दिया। पुलिस ने पति आशीष अरोड़ा सहित चार ससुरालियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर जांच प्रारंभ कर दी है।

नहर में गिरी महिला बैंककर्मी की कार

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: बरेली से लालकुआं लौट रही महिला बैंककर्मी की कार अनियंत्रित होकर पुलिया की दीवार तोड़ते हुए गहरी नहर में गिर गई। घटना के बाद उसकी चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोगों ने कार का शीशा तोड़कर बाहर निकाला।

गुरुवार देर शाम किच्छा से लालकुआं की तरफ तेज गति से जा रही कार अचानक अनियंत्रित होकर बेनी मजार के निकट बनी संकरी पुलिया की दीवार तोड़कर नीचे नहर में गिर गई। करीब 30 फुट गहराई में कार के गिरने के बाद तेज आवाज होने एवं कार चालक युवती द्वारा जोर-जोर से चिल्लाए जाने के बाद स्थानीय निवासी यशवंत कुमार, आनंद कुमार एवं उसका पुत्र आर्यन सहित एक अन्य युवक मौके पर पहुंच गए। ऊंचाई से गिरने के बाद नहर में कार पलट गई थी और कार में फंसी महिला (युवती) मदद की गुहार लगा रही थी। घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे चारों युवक अपनी जान की परवाह न करते हुए अंधेरे में नहर के बीच उतर गए और कड़ी मशक्कत के बाद कार को सीधा किया और कार का शीशा तोड़ने के बाद घायल अवस्था में महिला को बमुश्किल बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि लालकुआं निवासी कार चालक नेहा नाम की युवती रुद्रपुर के निजी बैंक में नौकरी करती है तथा बरेली से कार चलाकर लालकुआं स्थित घर वापस लौट रही थी। नेहा के अनुसार सामने से आ रही गाड़ी की तेज लाइट के चलते वह संकरी पुलिया का अनुमान नहीं लगा पाई और दुर्घटना का शिकार हो गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस की टीम भी पहुंच गई और घायल नेहा को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस की सूचना पर मौके पर पहुंची क्रेन की मदद से नहर में गिरी क्षतिग्रस्त कार को बाहर निकाला गया। घटना के बाद कार को सीधा करने तथा युवती को बाहर निकालने के दौरान यशवंत कुमार एवं आर्यन कुमार भी चोटिल हो गए।

किच्छा में कार सवार की मदद करते युवा।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी में महिला की जमानत मंजूर

काशीपुर। विदेश भेजने के नाम पर ठगी की आरोपी महिला को कोर्ट से जमानत मिल गई है। ग्राम शिवलालपुर डल्लू, काशीपुर निवासी लखविंदर कौर पत्नी दलजीत सिंह ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कहा कि ग्राम कचनाल गोसाईं निवासी सतविंदर कौर पत्नी स्व. पलविंदर सिंह के कहने पर उसने उसके दामाद बलवंत सिंह को 21 लाख 7 हजार रुपये कनाडा में पढ़ाई का वीजा दिलाने के लिए नकद व बैंक द्वारा दिये। बलवंत ने कुछ फर्जी रसीदें वीजा उसे दिया, जिस कारण वह विदेश नहीं जा सकी। इस बाबत उसने थाना आईटीआई में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने सतविंदर कौर को गिरफ्तार कर लिया। इसकी जमानत की सुनवाई न्यायालय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश काशीपुर में बुधवार को हुई। सुनवाई के दौरान सतविंदर कौर के अधिवक्ताफ़ागण अर्पित गरोड़िया, रतन काम्बोज, अरुण तिवारी के तर्कों से सहमत होकर पीठासीन अधिकारी रितेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा सतविंदर कौर को 50 हजार रुपये के जमानती एवं व्यक्तिगत बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश पारित किया गया है।

फर्श पर गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल

बाजपुर। घर के फर्श पर गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गुरुवार को दोपहर बाद करीब एक बजे मोहल्ला आदर्श नगर निवासी जतिन (27) पुत्र बलवीर सिंह घर के शौचालय से बाहर निकल रहा था कि इस बीच फर्श पर उसका पैर फिसल गया और वह असंतुलित होकर फर्श पर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया।

अब घर बैठे आपके ज़ीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह
अभी फोन करें :
GURU AADIL JI
9717810465
1% विश्वास आप करें
99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति–पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
जनपद अल्मोड़ा

- स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं, अपने भोजन में मोटे अनाज के इस्तेमाल को बढ़ाएं।
- अपने भोजन में नमक, चीनी व तेल की मात्रा को कम करें, ताकि उच्च रक्तचाप, मोटापे, मधुमेह तथा हार्ट अटैक जैसी बीमारियों से सुरक्षित रहें।
- उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुख, गर्भाशय एवं स्तन कैंसर की जांच, प्रसव पूर्व एवं पश्चात देखभाल सेवायें, टीकाकरण, परिवार नियोजन सेवायें तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी परामर्श हेतु अपने नजदीकी "आरोग्य मन्दिर हैल्थ एवं वैलनैस सेन्टर" में अवश्य जायें।
- "आयुष्मान भारत" हैल्थ एकाउण्ट (आभा) बना कर डॉक्टर से ऑनलाइन अपाइन्टमैण्ट की सुविधा का लाभ उठाएं।
- टी०बी० के मरीजों को पोषण आहार हेतु सरकार द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।
- नवजात शिशु के जन्म के बाद उसे सभी टीके समय पर अवश्य लगायें। जनपद के सरकारी अस्पतालों में टीके निःशुल्क लगाये जाते हैं।
- सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों में जच्चा-बच्चा के सुरक्षित स्वास्थ्य हेतु प्रसव उपरान्त सरकारी अस्पताल में 48 घंटे तक रूकने वाली सभी पात्र प्रसुताओं को "ईजा-बोई" योजना के अन्तर्गत रू० 2000/प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।
- जनपद के समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी नैदानिक संस्थानों (चिकित्सालय / क्लीनिक / पैथोलोजी लैब) का "नैदानिक स्थापन अधिनियम 2010" के अन्तर्गत अस्थाई एवं स्थाई पंजीकरण कराना आवश्यक है।
- जनपद को अनीमिया मुक्त बनाने के लिए 6 माह से 19 वर्ष तक के बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को आयरन की खुराक नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों, आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा सरकारी स्कूलों में उपलब्ध है।
- जन्म के 01 घंटे के अन्दर माँ का पीला गाढ़ा दूध नवजात शिशु के लिए अमृत समान है। 06 माह तक के शिशु को केवल माँ का दूध ही पिलायें।
- गूगल प्ले स्टोर से ई-संजीवनी एप डाउनलोड कर वर्चुवल स्वास्थ्य सेवा का लाभ प्राप्त करें। इस हेतु हैल्प लाइन नम्बर 104 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।
- कोई भी सुन्न दाग, चकत्ता कुष्ठ रोग का लक्षण हो सकता है। नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाँच करायें एवं निःशुल्क उपचार प्राप्त करें। कुष्ठ रोग "एम०डी०टी०" से पूर्णतया ठीक हो जाता है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी अल्मोड़ा
जिलाधिकारी अल्मोड़ा
कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अल्मोड़ा
पत्रांक - आई०ई०सी०/2023-24/21790-96 दिनांक : 14 मार्च, 2024

सगे भाई के मकान पर कब्जे की नियत से कोर्ट में वाद दायर किया

संवाददाता, किच्छा

जालसाजी

- न्यायालय के निर्देश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया

अमृत विचार: एक भाई ने अपने सगे भाई के मकान पर कब्जा करने की नियत से उसके नाम का दुरुपयोग कर न्यायालय में वाद दायर कर दिया। भाई की जालसाजी से परेशान पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाते हुए न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया। न्यायालय के निर्देश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोर्ट के आदेश पर किच्छा पुलिस द्वारा दर्ज की गई रिपोर्ट में निकट छोटी मस्जिद, वार्ड नंबर 13, किच्छा निवासी इश्तियाक अहमद मलिक पुत्र स्वर्गीय इशाक अहमद ने कहा कि प्रार्थी को इश्तियाक अहमद उर्फ मुख्तार अहमद उर्फ इश्तियाक अहमद मलिक के नाम से जाना जाता है तथा आधार कार्ड में उसका नाम इश्तियाक अहमद मलिक पुत्र स्वर्गीय इशाक अहमद दर्ज है। पीड़ित के अनुसार वह पांच भाई हैं जिनके नाम इश्तेहाक अहमद, इम्तियाज अहमद, इश्तियाक अहमद उर्फ मुख्तार अहमद, इंतजार अहमद एवं अखलाक मलिक हैं, जिसमें पीड़ित तीसरे नंबर का भाई है। बताया कि उसके पिता स्वर्गीय इशाक अहमद ने अपने जीवन काल में सभी पुत्रों को अपनी चल अचल संपत्ति का बराबर बंटवारा कर दिया था जिसके बाद सभी भाई परिवार के साथ अलग रहने लगे। पीड़ित ने आरोप लगाया कि कुछ वर्षों से बड़े भाई इश्तेहाक अहमद की नियत उसके रिहायशी मकान पर खराब होने लगी तथा मकान पर कब्जे की नीयत से अपने नाम को बदलकर प्रार्थी के नाम का दुरुपयोग कर लाभ पाने का प्रयास किया जा रहा है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, बरेली,मुरादाबाद, हल्द्वानी,अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
कुमाऊं संस्करण
स्मृतियाँ शेष
निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि
पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी
साइज व रेट
साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज --------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज --------15cmX8cm / 2500 with GST
अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।
शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-
हल्द्वानी : 8077909468, 8954474523, नैनीताल : 8171371321
अल्मोड़ा : 9412962333, रुद्रपुर : 9837450888
काशीपुर : 8279474121, खटीमा : 7500981690
197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड (बालाजी हॉस्पिटल के ठीक सामने)

एक नजर

20 बच्चों ने पास की सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा

खटीमा : डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म के छात्र हर्ष भट्ट, मयंक चंद, विजय देव, प्राची, कल्पित थाल, हिमांशु गैड़ा, आलोक चंद, मयंक सिंह, पावनी तड़ागी, शिवानी बुंगला, वैष्णवी, कोमल बोरा, अक्षित चंद, सैना राना, हर्षिता दिगारी, कैलिना, खुशबू, अंश चंद, दृष्टि जोशी, सरन्या ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट, डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, एकेडमिक डायरेक्टर विक्टर आईवन, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद आदि ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

दो वारंटी गिरफ्तार किए

बाजपुर : चौकी दोराहा पुलिस ने फरार चल रहे वारंटी ग्राम कनौरा निवासी राहुल पुत्र हरिचंद्र को विद्युत अधिनियम व ग्राम महेशपुरा निवासी रूप चंद्र पुत्र गोवर्धन को गिरफ्तार कर लिया। जिन्हें गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया।

स्कूल के बाहर खड़ी बाइक चोरी

गदरपुर : स्कूल के बाहर खड़ी बाइक को चोरों ने चोरी कर लिया। वार्ड नंबर चार निवासी अमित कुमार नगर के रेड रोज कॉन्वेंट स्कूल में कार्यरत हैं। बुधवार को अमित बाइक से स्कूल आए और उसे गेट के बाहर खड़ा कर दिया। दोपहर करीब डेढ़ बजे छुट्टी के बाद जब स्कूल के बाहर पहुंचा तो बाइक मौके पर बाइक नहीं मिली। बाइक स्वामी अमित ने स्कूल के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरा की जांच पड़ताल की। संदिग्ध व्यक्ति बाइक को चोरी करके ले जाता दिखाई दिया। अमित कुमार ने पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्यवाही की मांग की है।

एबीवीपी और छात्रसंघ पदाधिकारियों ने की तालाबंदी

काशीपुर : राधे हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय काशीपुर में अपनी मांगों को लेकर एबीवीपी और छात्र संघ पदाधिकारी ने धरना प्रदर्शन किया और अनिश्चितकाल के लिए महाविद्यालय में तालाबंदी कर दी। उन्होंने कहा कि स्वयं प्राचार्य आकर उनकी समस्याएं नहीं सुनते तब तक अनिश्चितकाल के लिए महाविद्यालय बंद रहेगा। धरने में आकाश चौहान, वरुण यादव, गुरकीरत सिंह भुल्लर, अमन चौधरी, मुकेश रावत, राहुल यादव, मुकेश बिष्ट, गगन भुल्लर, सतनाम सिंह, शिवकुमार, अमित, शिवा कौशिक, सुबोध कुमार, नीरज मनराल, अनु कुमार, सुनील कश्यप, अमन रंधावा आदि छात्र मौजूद रहे।

फूल देई छम्मा देई के मंगलगान पर मिले उपहार

पर्वतीय समाज के लोगों ने धूमधाम से मनाया फूलदेई पर्व, बच्चों ने देहरी पर फूल चढ़ाकर बड़ों का लिया आशीर्वाद

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : शहर में रहने वाले पर्वतीय समाज के लोगों ने लोक संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का बाल पर्व फूलदेई धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने नये कपड़े पहनकर पहले घर की देहरी (देली) पर पुष्प चढ़ाए और घर के बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। इसके बाद बच्चों ने आसपास के घरों में फूल देई छम्मा देई का मंगल गान गाकर फूल और चावल चढ़ाये।

इसके बदले उन्हें सुंदर उपहार भेंट किये गये। गुरुवार को फूलदेही पर्व को लेकर पर्वतीय समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। खासकर छोटे बच्चों में। घरों में सुबह से ही पूजा अर्चना हुई। घर के बड़े बुजुर्गों ने अपने इष्ट देव की पूजा कर सुख समृद्धि की कामना की। इसके बाद बच्चे नये कपड़े धारण कर हाथों में पुष्प की थाली और उसमें चावल, गुड़ लेकर खुशी में झूमते नजर आए। इसके बाद उन्होंने देहरी में पुष्प चढ़ाए और मंगल गीत गाये।

बुजुर्गों के अनुसार चैत्र मास के पहले दिन को फूल संक्रांति के रूप में भी जाना जाता है। त्योहार के एक दिन पहले ही बच्चे फूल एकत्रित करते हैं और आसपास के घरों में जाकर सुंदर फूल चढ़ाते हैं और बड़ों का आशीर्वाद लेते हैं। फूलदेई पर्व पर मैत्री विहार कालोनी में रहने वाली रूवांशिका जोशी, अंकिता तिवारी व अनुष्का तिवारी ने घरों की देहरी में फूल चढ़ाकर बड़ों का आशीर्वाद लिया। ऐसा ही नजारा अन्य पर्वतीय समाज के लोगों के घरों में भी दिखायी दिया।

गुरुवार को शांतिपुरी नंबर चार में देहरी पूजन करते बच्चे। ● अमृत विचार

खटीमा के डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी में फुलदेई पर्व पर बच्चों के साथ प्रबंधन।

मैत्री विहार कालोनी में देहरी में फूल चढ़ाती बालिकाएं। ● अमृत विचार

झूमते-नाचते धूमधाम से मनाया फूलदेई पर्व

शांतिपुरी/खटीमा। फूलदेई का पर्व गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। शांतिपुरी क्षेत्र में बच्चों ने प्रात :काल स्नान आदि कर घर-घर द्वार पूजन किया। लोगों को सुख शांति एवं खुशहाली का आशीर्वाद दिया, तो वहीं परंपरा अनुरूप लोगों ने उन्हें सगुन के तौर पर गुड़, चावल, रुपये आदि देकर प्रसन्न किया। जवाहरनगर में हर गली मोहल्ले में बड़ी मात्रा में बच्चों ने द्वार-द्वार जाकर देहरी (देली) पूजन किया और ढेर सारे इनाम बटोरे।

शांतिपुरी नंबर चार स्थित तारा रौतेला के आवास पर स्थानीय बच्चों ने देहरी (देली) पूजन किया, जिसके बाद तारा रौतेला ने बच्चों को गुड़, चावल, फल और पैसे उपहार में दिए। शांतिपुरी 1, 2, 3, 4, 5 सुर्यनगर व जवाहरनगर, सत्संग आश्रम, गोलगेट, नगला, शान्तिनगर गप्ता, नब्बे फीट, ढांकानी, गांधीनगर, तिकोनिया, हल्दुधार, 17 एकड़, भरतपुर, शिवपुरी नंबर 6, शीशम भुजिया, टूटीपुलिया, जयग्राम, नयाप्लाट, आनन्दपुर सहित अन्य कई जगहों पर बच्चों ने सुबह से ही घर घर जाकर थालों व थैलियों में फूल और अक्षत चावल लेकर देहरी (देली) पूजा अर्चना कर, फूलदेई छम्मा देई, दैणी द्वार भर भकार तुमार देली में बार-बार नमस्कार, द्वार खूब फले फुले गीत की पंक्तियों को गाने लगे। बच्चों व बड़ों सभी ने झूमते नाचते फूलदेई का त्योहार धूमधाम से मनाया।

वहीं खटीमा के डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म में फूलदेई पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड में चैत्र मास की संक्रांति अर्थात पहले दिन से ही बसंत आगमन की खुशी में फूलों का त्योहार फूलदेई मनाया जाता है। चैत्र के महीने में फूलदेई पर्व के अवसर पर छोटे-छोटे बच्चे सूर्योदय के साथ ही घर की देहली पर रंग-बिरंगे फूल को बिखेरते हैं और घर की खुशहाली, सुख-शांति की कामना के गीत गाते हैं। छात्र-छात्राओं की ओर से अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, मनीष चंद, विक्टर आइवन, हेमा भट्ट, ऊषा भट्ट, दीपा भट्ट, दीपा डसीला, देवकी रावत, नीतू चंद, निर्मला जोशी, कमला राय, बबीता खनका, पिंकी कापड़ी, शकुंतला बिष्ट, बीना भट्ट, ऊषा चौसाली, शिल्पा सक्सेना, हेमलता बोरा, मनीष ठाकुर, सुरेंद्र रावत, आदि रहे।

सार-संक्षेप

मुख्यमंत्री आज जसपुर में, अधिकारियों ने लिया जायजा

मुख्यमंत्री की जसपुर में जनसभा के लिए बने मंच व पंडाल का निरीक्षण करते प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

जसपुर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार को जसपुर आ रहे हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी उदय राज सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी, मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार व अन्य अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों के साथ कार्यक्रम स्थल जसपुर मंडी व हेलीपैड का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारीयों का जायजा लिया। निरीक्षण दौरान जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को सौप गए कार्यों का निर्वाहन कर कार्यक्रम स्थल में सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश मौके पर दिए। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री जी के लाभार्थी सम्मान कार्यक्रम में जनकल्याणकारी योजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास के साथ ही लाभार्थियों को चेक, सम्मान पत्र भी वितरित किए जाएंगे। निरीक्षण दौरान उपाध्यक्ष आपदा प्रबंधन विनय कुमार रुहेला, पूर्व विधायक डा .शैलेंद्र मोहन सिंगल, जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा, एससी आयोग अध्यक्ष मुकेश कुमार, डा .सुदेश कुमार, मनोज पाल, सरवन सिद्धू, राजकुमार सहित अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, उप जिलाधिकारी गौरव चटवाल, गौरव पांडे, परियोजना निदेशक अजय सिंह, सहायक परियोजना निदेशक संगीता आर्या, महाप्रबंधक उद्योग विपिन कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी विपिन कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक अभय सिंह, पुलिस उपाधीक्षक अनुषा बडोला, सहित अनेक अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

डेंगू, मलेरिया से बचाव के लिए दवा का छिड़काव शुरू

बाजपुर : नगर पालिका परिषद बाजपुर ने गर्मी को देखते हुए डेंगू, मलेरिया से बचाव हेतु नगर के मुख्य नाला नालियों में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करवाने का काम शुरू कर दिया है। जिसकी शुरुआत गुरुवार को नगरपालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते द्वारा की गई जिसमें वार्ड-एक, तीन व चार में मच्छर नाशक दवाई का छिड़काव का कार्य पालिका कर्मियों की टीम द्वारा किया गया। पालिकाध्यक्ष ने अपने घरों व आसपास के क्षेत्र में गंदगी न फैलाने तथा नगर की साफ-सफाई व्यवस्था को बनाए रखने में पालिका का सहयोग करने एवं अपने घरों का कूड़ा डोर टू डोर पहुंच रहे वाहनों में भी डालने की बात कही है।

काशीपुर में चुनाव की तैयारियों में जुटे कांग्रेसी

काशीपुर : कांग्रेस महानगर जिलाअध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने वार्ड कमेटी को लेकर बैठक का आयोजन किया। गुरुवार वार्ड नंबर एक रामपुरा नीझडा सैनिक कॉलोनी में अर्जुन रावत के घर पर वार्ड कमेटी को लेकर वरिष्ठ कांग्रेसी ललित रावत ने कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया। सर्व समिति से वार्ड कमेटी का वार्ड नंबर एक रामपुर निझड़ा सैनिक कॉलोनी निवासी मान सिंह राणा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। साथ लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि 10 दिन में वार्ड की पूरी कमेटी का गठन किया जाएगा। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष मंसूर अली, पार्षद आरिफ सैफी, देवेंद्र रावत, हनीफ गुड्डू, किशोर सिंह अरोड़ा, सुरेश पाल, शमीम अंसारी, उस्मान, सोई सिंह, काराकोटी, सुरेंद्र सिंह बरेजा, अमित पाल सिंह रावत, शशांक सिंह बिष्ट मौजूद रहे।

12 दिवसीय देवभूमि उद्यमिता योजना शिविर संपन्न

खटीमा : हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित देवभूमि उद्यमिता योजना के 12 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का वृहस्पतिवार को समापन हुआ। शिविर में पांच छात्र-छात्राओं का मेगा स्टार्टअप कैंप देहरादून के लिए चयन किया गया। महाविद्यालय में 12 दिनों तक चले देवभूमि उद्यमिता योजना के प्रशिक्षण शिविर में कुल 45 छात्र छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षक रोहित पंत ने बच्चों को रोजगार से संबंधित जानकारी दी। इसी क्रम में बुधवार को छात्र-छात्राओं को आंचल डेरी का भ्रमण भी कराया गया। जहां उन्होंने आंचल डेरी के प्रोडक्शन, मैन्युफैक्चरिंग आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ रीना सिंह, नोडल अधिकारी डॉ हरेंद्र मोहन सिंह, डॉ केके मिश्रा, डॉ मनीष बेलवाल, डॉ बीएन पांडे, डॉ गुरिंदर सिंह, डॉ केस बिनवाल आदि उपस्थित थे।

एसएसआई को दी विदाई, चंपावत स्थानांतरण

काशीपुर : कोतवाली में तैनात एसएसआई का स्थानांतरण चंपावत होने पर पुलिस कर्मियों ने पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर भावभीनी विदाई दी। बता दें कि एसएसआई प्रदीप मिश्रा काशीपुर कोतवाली में हरिद्वार से ढाई वर्ष पूर्ण स्थानांतरण होकर आये थे। इस दौरान उन्होंने बेहतर पुलिसिंग के साथ शहर में कानून व्यवस्था बनाये रखने का कार्य किया। बुधवार शाम को एसएसआई प्रदीप मिश्रा का चंपावत स्थानांतरण होने बाद कोतवाली में कोतवाल मनोज रतूड़ी ने उनको पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर विदाई दी। इस दौरान एसएसआई मिश्रा ने काशीपुर में अपने अनुभवों को भी साझा किया। साथ ही सहयोग के लिए सभी का आभार जताया। इस दौरान एसआई सुनील सुतेड़ी, मनोज जोशी, संतोष देवरानी, जयप्रकाश, चंद्रगुप्त, प्रकाश बोरा सहित कोतवाली के पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

व्यापारियों ने कराया प्रतिष्ठान के लाइसेंस के लिए रजिस्ट्रेशन

किच्छा : प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के सहयोग से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा खाद्य लाइसेंस रजिस्ट्रेशन कराने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर लोगों ने अपने प्रतिष्ठान के लाइसेंस के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। नगर के मुख्य बाजार स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में व्यापार मंडल के सहयोग से शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला अभिहित अधिकारी डॉ प्रकाश फुलेरा एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशा आर्य के नेतृत्व में व्यापारियों को लाइसेंस जारी करने के लिए रजिस्ट्रेशन किया गया। जिला अभिहित अधिकारी डॉ प्रकाश फुलेरा ने बताया कि कैंप लगाने का उद्देश्य आम जनता को स्वच्छ, स्वस्थ पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने की व्यवस्था करना है। इससे पूर्व प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के महामंत्री विजय अरोड़ा एवं कोषाध्यक्ष नितिन फुटेला ने शिविर का उद्घाटन किया और खाद्य पदार्थ विक्रेताओं को प्रतिष्ठान का लाइसेंस लेने के लिए रजिस्ट्रेशन करने की अपील की। मौके पर यश नारंग, राजकुमार बजाज, राजकुमार कोहली आदि मौजूद रहे।

आप ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया समर्थन

गदरपुर : 24 दिनों से कार्य बहिष्कार पर बैठी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सेविकाओं को आम आदमी पार्टी ने अपना समर्थन दिया। आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना था कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों को पूरा किया जाए। गुरुवार को आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष सुभाष व्यापारी और जिला प्रवक्ता विजय सिंह कार्यकर्ताओं के साथ विकासखंड कार्यालय पहुंचे ।जहां अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों की अनदेखी कर रही प्रदेश सरकार को महिला विरोधी बताया। इस दौरान गदरपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष जयकिशन अरोड़ा ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के धरना प्रदर्शन को समर्थन दिया। इस मौके पर मनप्रीत कौर, शशि विश्वास, शहनाज, गीता सक्सेना, शिखा सिकदार, अंजू, राधा रानी आदि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद थीं।

तमंचे, कारतूस और चाकू के साथ गिरफ्तार

बाजपुर। बाजपुर की अगुवाई में चौकी दोराहा पुलिस द्वारा ग्राम कनौरी निवासी अकील अहमद पुत्र जानी मोहम्मद को 315 बोर के तमंचे व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित के खिलाफ धारा 25(1ख)क आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने के आदेश दे दिए गए हैं। वहीं गुरुवार को सुल्तापु पट्टी चौकी की पुलिस ने वार्ड नंबर-दो मोहल्ला गांधीनगर निवासी रिंकू उर्फ हनुमान पुत्र राजकुमार व मोहल्ला श्याम नगर निवासी इरफान पुत्र एहसान अली को एक-एक नाजायज रामपुरिया चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिए गए हैं।

बीएलओ के कार्य से मिले मुक्ति

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में उपजिलाधिकारी रविंद्र सिंह बिष्ट को ज्ञापन सौंपतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां।

अमृत विचार : आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं का कार्य बहिष्कार और धरना गुरुवार को 25वे दिन भी जारी रहा। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं धरना जारी रहेगा। इधर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने उप जिलाधिकारी/निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंप कर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बीएलओ के कार्य से मुक्त करने की मांग की है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाएं विगत 19 फरवरी से मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार कर धरने पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती उनका आंदोलन जारी रहेगा। गुरुवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने उप जिलाधिकारी रविंद्र सिंह बिष्ट को ज्ञापन सौंपकर कहा कि कार्यकत्रियों के पास अपना विभागीय कार्य अधिक होने के कारण वह बीएलओ का कार्य करने में असमर्थ हैं।

उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बीएलओ के कार्य से मुक्त करने की मांग की।

ज्ञापन देने वालों में ब्लॉक अध्यक्ष अमरजीत कौर, मीरा देवी, कंचन, रेखा, रामेश्वरी देवी, श्यामा गौतम, सरिता देवी, मंजू, शबनम, रामवती, किरण मौर्य, उषा देवी, पुष्पा, दीक्षित, मोनिका देवी, रामेश्वरी देवी, मुनव्वर जहां, सीमा आदि शामिल रही।

नौ पदों के लिए बिके 22 नामांकन पत्र

खटीमा। खटीमा अधिवक्ता एसोसिएशन के वर्ष 2023-24 के चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद वृहस्पतिवार को पहले दिन कुल नौ पदों के लिए 22 नामांकन पत्रों की बिक्री की गई। खटीमा अधिवक्ता एसोसिएशन चुनाव के चुनाव अधिकारी हयात सिंह कुंअर और सहायक चुनाव अधिकारी अवधेश मौर्य ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए तीन, उपाध्यक्ष पद के लिए दो, महिला उपाध्यक्षा के लिए एक, सचिव के लिए दो, उपसचिव के लिए चार, कोषाध्यक्ष के लिए दो, लेखा परीक्षक के लिए एक, पुस्तकालयाध्यक्ष के लिए दो तथा सदस्य के लिए पांच नामांकन पत्र बीके। नामांकन पत्रों की बिक्री 15 और 16 को भी होगी और नामांकन पत्र 18 से 20 मार्च से जमा कराए जा सकेंगे।

छात्रों ने प्रबंधन के गुर सीखे

▸▸ ग्रेटर नोएडा के जीआईपीएस कॉलेज के छात्रों ने आईआईएम काशीपुर कैंपस का दौरा किया

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर आईआईएम में विद्यार्थियों को जानकारी देते प्रशासनिक अधिकारी।

अमृत विचार : छात्र-छात्राओं को प्रबंधन और जीवन से जुड़े गुर सिखाने को लेकर ग्रेटर नोएडा के जीआईपीएस कॉलेज के छात्रों ने आईआईएम काशीपुर कैंपस का दौरा किया। उन्होंने प्रबंधन और करियर से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को समझा किया।

गुरुवार को आईआईएम में छात्र-छात्राओं को आईआईएम काशीपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. एम रामासुब्रमणियन ने मैनेजमेंट और करियर से जुड़े कई टिप्स दिए और उनका उत्साह बढ़ाया। बताया कि उनके पिता तमिलनाडु के एक माइनिंग फैक्ट्री में सरकारी मजदूर थे, जहां पढ़ने लिखने का माहौल नहीं था। अंग्रेजी कोई नहीं जानता था। मेहनत की और सब परेशानियों के बीच घंटों पढ़ाई कर ना सिर्फ इंग्लिश सीखी बल्की देश के बड़े से बड़े संस्थाओं, इंजीनियरों के साथ काम किया और बड़े बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहे। जीआईपीएस कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सविता मोहन ने छात्र-छात्राओं को लक्ष्य को प्राप्त करने के गुर सिखाए। जनसंपर्क अधिकारी काशिफ एच ने बच्चों को कैंपस, कोर्सेज और प्लेसमेंट से जुड़ी जानकारियां दी। इसके अलावा एडमिशन डिपार्टमेंट के विजय पांडेय ने छात्र-छात्राओं को आईआईएम में एडमिशन से जुड़ी बातें बताई और कैसे सीएटी और जीएमएटी एक्जाम की तैयारी करने को लेकर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

छात्राओं को सिखाए आपदा से बचाव के गुर

काशीपुर। चंद्रावती तिवारी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आपदा प्रबन्धन के अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आपदा से बचाव के गुर बताए गए। गुरुवार को हुई कार्यशाला में अग्निशमन अधिकारी गोविन्द राम आर्य ने अपनी टीम के सदस्यों हेड कांस्टेबल दीपक राठौर, कांस्टेबल अर्जुन सिंह, सूरज कुमार, राधिका व सीता के साथ महाविद्यालय की छात्राओं को आपदा से होने वाले खतरों से बचाव के बारे में बताया। टीम ने अग्निशमन यन्त्रों के संचालन व आपदाओं से बचाव की जानकारी दी। इस दौरान प्राचार्या डॉ. कीर्ति पन्त, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.दीपिका गुड़िया आत्रेय, डॉ.मंजू सिंह, डॉ. वन्दना सिंह, डॉ.रमा अरोड़ा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंजलि गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

मुफ्त बिजली व पट्टों के नियमितीकरण की मांग

संवाददाता, काशीपुर

▸▸ मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारीके सहायक को सौंपा

अमृत विचार : किसान विकास क्लब की बैठक में सिंचाई के लिए किसानों को निःशुल्क बिजली देने और वर्ग एक ख के पट्टों का नियमितीकरण करने की मांग जोर शोर से उठी। बैठक के बाद किसानों ने अपनी मांगों को लेकर एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा।

बुधवार को मंडी समिति विश्राम गृह में हुई बैठक में क्लब के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार शर्मा ने कहा कि कई राज्यों में किसानों को ट्यूबवेल के लिए बिजली फ्री दी जा रही है, लेकिन उत्तराखंड में ऊर्जा प्रदेश होने के बावजूद किसानों को यह राहत नहीं मिल पा रही है। टीका सिंह सैनी ने वर्ग एक ख के पट्टों पर मालिकाना हक नहीं मिलने पर रोष जताया। बैठक में बैंक के अधिकारी देवेश सोनी व आमिर विर्क ने किसानों को बैंकिंग योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। बैठक के बाद किसानों ने अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में उनके सहायक अमित वर्मा को सौंपा।

बैठक का संचालन कवि संजय राजपूत ने किया इस मौके पर देवी सिंह यादव, दीपक चौधरी, उपेंद्र शर्मा, डॉ. अशोक अरोड़ा, गुरमेज सिंह, रोहित रावल, प्रमोद चौधरी, प्रशांत शर्मा, चेतन सिरोही, उदयवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

किसान आंदोलन | भूमि बचाओ मुहिम के संयोजक जगतार सिंह बाजवा ने दिल्ली में कहा-

बाजपुर में बड़ी महापंचायत करने पर विचार हो रहा

संवाददाता, बाजपुर

दिल्ली में महापंचायत को संबोधित करते बाजपुर के किसान नेता जगतार सिंह बाजवा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बीस गांव की 5838 एकड़ भूमि के संबंध में उत्तराखंड सरकार से राहत न मिलने से भूमि पीड़ितों में बेचैनी बढ़ गई है।

भूमि बचाओ मुहिम के संयोजक जगतार सिंह बाजवा ने बताया कि गुरुवार को दिल्ली में आयोजित हुई संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय किसान मजदूर महापंचायत के दौरान उत्तराखंड के किसान नेताओं ने राष्ट्रीय किसान नेताओं से बाजपुर भूमि बचाओ सत्याग्रह आंदोलन के संबंध में चर्चा की, जिस पर संयुक्त किसान मोर्चा के नेता राकेश टिकैत, जोगेंद्र सिंह उग्रहा, मेघा पाटेकर, डा.दर्शन पाल, आशीष मित्तल, मनजीत धनेर, रविंद्र सिंह पटियाला सहित सभी नेताओं ने बाजपुर के भूमि बचाओ आंदोलन में शिरकत करने की हामी भरी है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने एक स्वर में आश्वासन दिया है कि संयुक्त किसान मोर्चा बाजपुर के भूमि बचाओ आंदोलन के साथ मिलकर मजबूती से लड़ाई लड़ेगा। राष्ट्रीय नेताओं से मिले मजबूत आश्वासन के बाद भूमि बचाओ आंदोलन से जुड़े किसान नेताओं ने बाजपुर में बड़ी किसान महापंचायत आयोजित करने पर विचार शुरू कर दिया है। दिल्ली में आयोजित किसान मजदूर महापंचायत में भूमि बचाओ मुहिम के संयोजक जगतार सिंह बाजवा, भारतीय किसान यूनियन एकता उग्रह के प्रदेश अध्यक्ष जनकवि बल्ली सिंह चीमा, भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कुमाऊं मंडल अध्यक्ष विक्की रंधावा, महेंद्र सिंह रंधावा, योगेश सैनी, चतरपाल सिंह चीमा आदि किसान भी शामिल रहे।

त्रिलोक अध्यक्ष और आनंद सचिव निर्वाचित हुए

शांतिपुरी। शांतिपुरी नंबर चार में गुरुवार को सुबह प्राप्त ऊधम सिंह नगर आंचल दुग्ध संघ ने नई दुग्ध समिति का शुभारंभ कर समिति की कार्यकारिणी का चुनाव किया। स्थानीय दुग्ध उत्पादकों की आम सहमति से त्रिलोक सिंह बिष्ट को अध्यक्ष व आनंद सिंह कोरंगा को सचिव चुना गया। नई दुग्ध समिति का शुभारंभ कर दुग्ध संघ निदेशक इन्दर मेहता ने नई समिति में पंजीकृत 35 दुग्ध उत्पादकों की सूची एवं समिति कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की सूची दुग्ध संघ को भेजी। समिति में कुंवर राम आर्या, मनोहर सिंह भाकुनी, भावना टाकुली, किरन भट्ट, प्रमोद सिंह कोरंगा समेत कुल आठ समिति सदस्य चुने गये।

बाल शोध मेले में मॉडल पेश

संवाददाता, खटीमा

खटीमा के प्रतापपुर में आयोजित बाल शोध मेले में अपने मॉडल प्रस्तुत करते बच्चे।

अमृत विचार : राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रतापपुर में बाल शोध मेले का आयोजन किया गया, जिसमें जूनियर हाई स्कूल प्रतापपुर और प्रतापपुर और नगला जोगीठेर प्राथमिक स्कूल के बच्चों ने प्रतिभाग कर स्टॉल लगाए और अपने मॉडल प्रदर्शित किए। विद्यालय परिसर में आयोजित शोध मेले का शुभारंभ किसान आयोग के उपाध्यक्ष दर्जा मंत्री राजपाल सिंह और उप शिक्षा अधिकारी भानु प्रताप कुशवाह ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया।

उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री एवं विज्ञान शिक्षक दीपक सिंह फर्त्याल ने बच्चों को बाल शोध मेले का उद्देश्य व बच्चों द्वारा खोजबीन से किये गए कार्यों की जानकारी दी गयी। शिक्षक प्रवीन राना, मदन सिंह अधिकारी, ममता अधिकारी और धन सिंह ने अतिथियों को बच्चों के स्टालों का भ्रमण कराया गया। बाल वैज्ञानिकों द्वारा स्टाल लगाकर बिजली निर्माण की जानकारी, गुरुद्वारे का इतिहास, मेरे गांव के आदर्श व्यक्ति आदि का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर फाउंडेशन के सदस्य आलोक सिंह, दिव्य प्रकाश, सोमू, इफा, मुफीना, बीआरसी समन्वयक करुणेश कुमार, लक्ष्मण सिंह नेगी, प्रकाश पांडेय, प्रदीप शर्मा, देवेंद्र सिंह, बीना पांडेय, कमाल बिष्ट, धर्मपाल गंगवार, रीता दीपक, ममता, पूजा भट्ट, सावित्री बिष्ट, पुष्पांजलि, अरविंद गहलोत आदि शामिल रहे।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

डेस्टिनेशन उत्तराखंड :

"माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हम अपने राज्य के समग्र विकास, यहां की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य की प्रगतिशील नीतियों और रणनीतिक पहल के माध्यम से हम आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे में सुधार करने और नागरिकों के लिए जीवन की गुणवत्ता को बेहतर की दिशा में अग्रसर हैं। हमारा लक्ष्य उत्तराखंड को प्रगति का एक मॉडल बनाना है, जहां परंपरा और नवीनता का संगम होता है और जहां हर व्यक्ति राज्य की समृद्धि और कल्याण के लिए कार्य कर विकास में योगदान देता है।"

-पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

वेडिंग डेस्टिनेश के तौर पर उभर रहा उत्तराखंड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में उत्तराखंड दुनिया के सबसे बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशन में से एक बनकर उभर रहा है

देश के उत्तरी क्षेत्र में हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता के बीच स्थित उत्तराखंड अपने आध्यात्मिक महत्व, सुंदर पहाड़ियों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। इसे देवताओं की भूमि या 'देवभूमि' के रूप में भी जाना जाता है। यही कारण है कि उत्तराखंड श्रद्धालुओं के लिए सबसे प्रतिष्ठित तीर्थ स्थलों में से एक के रूप में जाना जाता है। हालांकि, राज्य ने पिछले कुछ वर्षों में बड़े बदलाव देखे हैं, जो इसे एक आध्यात्मिक गंतव्य के तौर पर विकासित कर रहे हैं। इसके साथ ही हाल के वर्षों में डेस्टिनेशन वेडिंग काफी ट्रेंड में रही है और इस दिशा में भी उत्तराखंड किसी से पीछे नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि उत्तराखंड डेस्टिनेश वेडिंग के लिए सबसे तेजी से उभरते राज्यों में एक बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उत्तराखंड को सर्वश्रेष्ठ विवाह स्थल बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विचार राज्य की असीम संभावनाओं में उनके विश्वास को दर्शाता है। दिसंबर 2023 में देहरादून में उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को 'वेड इन इंडिया' अभियान शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया था। इस दौरान उन्होंने संपन्न परिवारों से अपने विवाह के लिए उत्तराखंड को डेस्टिनेशन के रूप में चुनने का आह्वान किया था।

अपनी प्राकृतिक संद्रता और सांस्कृतिक विरासत के चलते उत्तराखंड एक आदर्श विवाह स्थल के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। नैनीताल की शांत झील से लेकर औली की बर्फ से ढकी पहाड़ियों तक राज्य का हर भूभाग करिश्माई आकर्षण का अनुभव कराता है। जो लोग अपनी विवाह को अवस्मणीय अनुभव देना चाहते हैं, वे अपने वैवाहिक समारोहों की मेजबानी टेहरी की शांत झील, मसूरी की खूबसूरत पहाड़ियों या हरिद्वार के प्रचीन मंदिरों में कर सकते हैं।

जो बातें उत्तराखंड को शादियों के लिए एक अद्वितीय गंतव्य बनाती

PIC: TARESH DUTTA

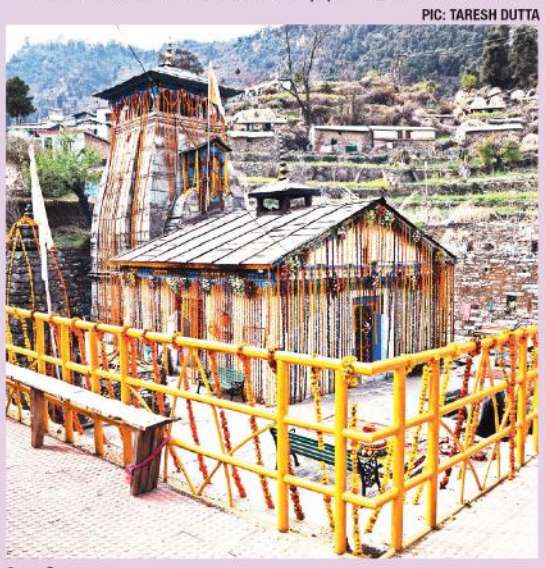

त्रियुगीनारायण

है, वह न केवल इसकी आश्चर्यजनक स्थल हैं, बल्कि इसकी समृद्ध विरासत और जीवंत संस्कृति भी हैं। राज्य में आयोजित होने वाली शादियां केवल एक समारोह से कहीं बढ़कर होते हैं। ऋषिकेश के आध्यात्मिक वातावरण से लेकर त्रियुगीनारायण की पवित्र ज्योति तक हर स्थान राज्य की सांस्कृतिक छवि की एक अनूठी झलक देखने को मिलती है।

साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी की धारणा एकजुटता के उत्सव से कहीं बढ़कर है। वह राज्य में डेस्टिनेशन वेडिंग को प्रोत्साहित करके स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और उत्तराखंड के लोगों के जीवन का स्तर बेहतर बनाने के लिए तत्पर हैं। इससे आगंतुकों की आमद और निवेश की संभावनाओं से रोजगार पैदा करने, बुनियादी ढांचे को समृद्ध बनाने और समग्र विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

डेस्टिनेशन वेडिंग के आयोजन के लिए उत्तराखंड में त्रियुगीनारायण, ऋषिकेश, जोशीमठ, शांतिकुंज हरिद्वार, स्वर्ण मंदिर, चकराता, हर्षिल, देहरादून, कनाताल, मसूरी, औली, तेहरी झील, रामनगर, नरेंद्रनगर, ब्रह्मताल, नैनीताल, अल्मोडा, रानीखेत, भीमताल, रामगढ़, मुक्तेश्वर, रानीगढ़, नौकुचियाताल, और घोड़ाखाल आदि प्रसिद्ध स्थलों में शामिल हैं।

डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखंड को सर्वोच प्राथमिकता देने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण उन सभी चीजों को बढ़ावा देता है, जो इस राज्य को उन्नत बनाती हैं। उत्तराखंड पर्यटन के क्षेत्र में एक वैश्विक राज्य बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। यहां पर्यटक, रोमांच और उद्यम राज्य की ओर आकर्षित हो रहे हैं क्योंकि उत्तराखंड सर्वोत्तम योगाभ्यास, रोमांचक खेल और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड विशेषकर बद्रीनाथ और केदारनाथ के साथ गहरा संबंध है और यह उनकी यात्राओं और इन प्रमुख तीर्थ स्थलों के विकासकार्यों के लिए किए गए दूरदर्शी प्रयासों में साफ देखा जा सकता है

बद्रीनाथ और केदारनाथ से मिल रहा आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा

PICS: DIPR, UTTARAKHAND

बद्रीनाथ धाम में मौजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

सुरम्य उत्तरी राज्य उत्तराखंड अपने आध्यात्मिक महत्व और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहां भक्तों और आगंतुकों को समान रूप से आकर्षित करने वाले विभिन्न स्थलों में से एक बद्रीनाथ और केदारनाथ है। यहां श्रद्धालु व भक्त शांति का अनुभव करने के लिए आते हैं। इन पवित्र स्थानों को पुनर्स्थापित करने और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए यहां की संभावनाओं का सामने लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष रुचि दिखाई हैं। उनके दिशा-निर्देशन व

उत्तराखंड के आध्यात्मिक महत्व को बनाए रखने के साथ केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्यों ने उसके पूर्व गौरव को बढ़ा दिया है, जो दुनिया भर से तीर्थयात्रियों को राज्य की ओर आकर्षित कर रहा है

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पूरी समर्पण और प्रतिबद्धता से उत्तराखंड में परिवर्तनकारी कार्यों पर विशेष बल दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड के बद्रीनाथ और केदारनाथ के साथ गहरा संबंध को हम सबने देखा है। यह बात उनकी यात्राओं और इन प्रतिष्ठित तीर्थ स्थलों के उत्थान के लिए दूरदर्शी प्रयासों से स्पष्ट झलकता है। बाबा केदार के प्रति उनकी श्रद्धा, केदारनाथ धाम की समय-समय पर यात्राओं के माध्यम से प्रदर्शित होती है। यह इस क्षेत्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनके समर्पण को भी उजागर करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महात्वकांक्षा बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देकर उत्तराखंड को विश्व पटल पर लाने की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस दृष्टिकोण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण है, जो प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल की शुरुआत से ही उनके दिल के करीब रहा है। 2013 की विनाशकारी बाढ़ के बाद केदारनाथ के पुनरुद्धार की आवश्यकता पर उन्होंने जोर दिया। ऐसे में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया कि पुनर्निर्माण ऐसा होना चाहिए, जिससे धाम की प्रतिभा और दिव्यता को पूर्ण रूप में प्रदर्शित किया जा सके। इसमें आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा के निर्माण से लेकर प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन करने तक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीति केदारनाथ की पवित्रता बनाए रखने के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती है।

इसके अलावा, उत्तराखंड के आध्यात्मिक बुनियादी ढांचे के समग्र विकास को धरातल पर उतारने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के रणनीतिक प्रयास अब केदारनाथ और उसके आगे के क्षेत्रों तक फैल चुके हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर बद्रीनाथ धाम मास्टर प्लान जैसी परियोजनाएं, बद्रीनाथ को एक स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी शहर में बदलने के प्रयास को दर्शाती हैं। दिल्ली-देहरादून आर्थिक कॉरिडोर और ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना भी इन पवित्र स्थलों तक कनेक्टिविटी और पहुंच में सुधार प्रधानमंत्री के समर्पण को उजागर करती है।

इन प्रयासों के चलते उत्तराखंड में आध्यात्मिक पर्यटन और तीर्थयात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। ऑल वेदर रोड परियोजना, जिसे चारधाम सड़क परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, यह उत्तराखंड के चार धामों को जोड़कर भक्तों और आगंतुकों के लिए निर्बाध यात्रा को संभव बनाने वाली एक महत्वपूर्ण योजना है। इसी तरह से ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, अपनी उद्यमशीलता और सरल तकनीक के साथ केदारनाथ और आस-पास के क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार करने के लिए संकल्पित है।

केदारनाथ और बद्रीनाथ का महत्व जितना आध्यात्मिक है, उतना ही यह अपनी प्राकृतिक सौन्यता के लिए भी विश्व स्तर पर श्रद्धालुओं और प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों के बीच स्थित केदारनाथ 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक के रूप में प्रसिद्ध है। यह प्रतिष्ठित चारधाम यात्रा का अहम पड़ाव भी है। यहां के आध्यात्मिक महत्व को बनाए रखने के साथ जुड़े पुनर्निर्माण उपायों ने केदारनाथ को उसका पुराना गौरव पाने में मदद की है, जिससे दुनिया भर से तीर्थयात्री आकर्षित होकर यहां आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के उद्घाटन से केदारनाथ में नए विकास पर बल दिया जा रहा है। आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा के अनावरण से लेकर सरस्वती रिटेनिंग वॉल और तीर्थ पुरोहित घरों जैसी आवश्यक परियोजनाओं का उद्घाटन करने तक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा उत्तराखंड की आध्यात्मिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए समर्पण का प्रतीक है। केदारनाथ के साथ उनका भावनात्मक जुड़ाव, उनकी सच्ची बातें श्रद्धालुओं बीच गूंजती हैं और इन धार्मिक स्थानों के महत्व को विस्तार देती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऐसे उद्यमों का परिवर्तनकारी प्रभाव बुनियादी ढांचे के विकास से आगे बढ़ता है, जिससे उत्तराखंड में समावेशी विकास और पर्यटन को बल मिलता है। नीतिगत प्रोत्साहन और क्षेत्रीय प्राथमिकता, विशेष रूप से पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा पर उनके फोकस ने उत्तराखंड को निरंतर विकास करने वाले अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया है। बुनियादी ढांचे के विस्तार में राज्य की प्रगति और प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के प्रति उनके समर्पण ने न केवल अर्थव्यवस्था को बल दिया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया है।

बद्रीनाथ और केदारनाथ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अटूट आस्था ने उत्तराखंड में आध्यात्मिक पर्यटन के पुनरुद्धार को प्रेरित किया है। दूरदर्शी प्रयासों और नए विकास कार्यों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन धार्मिक स्थानों को पुनर्स्थापित कर समृद्धि और विस्तार के एक नए युग की शुरुआत भी की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं हाल के वर्षों में हासिल की गई अविश्वसनीय उपलब्धियों के लिए उत्तराखंड सरकार को हार्दिक बधाई देता हूं। यह सराहनीय प्रगति पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उन्नत क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ रणनीतिक दृष्टिकोण का उदाहरण भी प्रस्तुत करती है। बुनियादी ढांचे के विकास में सुधार, सतत विकास के लिए बेहतर मानक स्थापित होते देखकर मुझे खुशी होती है। अपने प्राकृतिक संसाधनों और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तराखंड की रणनीति न केवल इसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करती है, बल्कि वैश्विक स्तर पर क्षमता को भी प्रदर्शित करती है। मैं समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य के समर्पण की प्रशंसा करता हूं और आने वाले वर्षों में लगातार प्रगति की भी आशा करता हूं।

केदारनाथ मंदिर के दर्शन करते जाते श्रद्धालु

PICS: UTDB

रोमांच से भरपूर है उत्तराखंड की भूमि

उत्तराखंड दुनिया भर के रोमांच खेल प्रेमियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है

टिहरी में पैराग्लाइडिंग

देश में जब रोमांच पर्यटन की बात आती है, तो उत्तराखंड अपने विविध परिदृश्यों और रोमांच प्रेमियों का पंदीदा स्थन बन जाता है। यहां रोमांचक गतिविधियों की कोई कमी नहीं है। आपको यहां जोश से भर देने वाले कई खेल खेलने को मिल जाते हैं और यही कारण है कि दुनियाभर के रोमांच प्रेमियों के लिए यह राज्य असाधारण अनुभव प्रदान करता है। कई सैलानी तो केवल इन गतिविधियों में शामिल होने के लिए ही उत्तराखंड आते हैं। एडवेंचर के दीवानों के लिए यहां रिवर राफ्टिंग, ट्रैकिंग, हाइकिंग और बंजी जंपिंग समेत कई तरह के रोमांचक खेल और गतिविधियां मौजूद हैं।

ट्रैकिंग और हाईकिंग

ट्रैकिंग और हाइकिंग के माध्यम से आप उत्तराखंड के सुदूर जगहों की यात्रा कर सकते हैं। यहां पारंपरिक रूपकुंड ट्रैक पर ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है, जहां हरे-भरे जंगल और घास के मैदानों के बीच या फूलों की घाटी के बीच से होकर गुजरना सुखद अहसास दे सकता है। लंबी सैर करने वालों के लिए केदारकांठा और गौमुख-तपोवन ट्रैक जीवन भर के लिए यादगार अनुभव दे जाते हैं।

बंजी जंपिंग

विश्व की योग राजधानी के रूप में भी पहचाना जाने वाला ऋषिकेश अपने जोशीले रोमांच के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां पूरे देश में सबसे ऊंची बंजी जंपिंग में साइट है। गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने की इच्छा रखने वाले रोमांच प्रेमी शानदार हिमालय पहाड़ियों के बीच बंजी जंपिंग में करने के लिए यहां आते हैं।

स्कीइंग

चमोली जिले में स्थित औली को स्कीइंग प्रेमियों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। दूर तक बर्फ से ढकी पहाड़ी ढलानों के साथ रोमांच प्रेमी इसके शीतकालीन वंडरलैंड से रास्ता तय करते हुए औली की यात्रा करते हैं। यह शानदार स्थल राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां एथलीटों को अपनी ताकत दिखाने का पूरा मौका मिलता है।

रिवर राफ्टिंग

उत्तराखंड की नदियां केवल राज्य की सुंदरता को ही नहीं बढ़ाती हैं, बल्कि व्हाइट वॉटर राफ्टिंग के प्रेमियों में जोश भर देती हैं, जो यहां रोमांच के लिए आते हैं। जब पर्यटक सफेद पानी में राफ्टिंग के माध्यम से रैपिड्स पर विजय प्राप्त करते हैं या गंगा, टोंस और अलकनंदा नदियों में एक शांत कैनोइंग या कयाकिंग के दौरान पानी पर नौका चलाते हैं, तो निश्चित रूप से उन्हें अलग रोमांच का अनुभव मिलता है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां आसमान की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नैनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथोरागढ़ के मनोरम स्थानों से वह आसमानी उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र ने स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है और यहां रोजगार की संभावनाएं सृजित की हैं। इससे रोमांच पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास को भी बढ़ावा मिला है।

रिवर राफ्टिंग

ट्रेकिंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा में पार्वती कुंड और आदि कैलाश पर्वत जैसे धार्मिक स्थलों का दौरा शामिल था। यह न सिर्फ प्रदेश की आध्यात्मिक विरासत को दर्शाता है, बल्कि इसके विस्तार और पर्यटन की अपार संभावना पर भी जोर देता है

पीएम मोदी के दौरे से उत्तराखंड में पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक विकास को मिल रही मजबूती

अक्टूबर 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिथोरागढ़ जिले की यात्रा ने राज्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक समृद्धि को उजागर करने के साथ-साथ उत्तराखंड के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया। उनकी यात्रा में पार्वती कुंड और आदि कैलाश पर्वत जैसे धार्मिक स्थलों का दौरा शामिल रहा, जो न सिर्फ प्रदेश की आध्यात्मिक विरासत को दर्शाता है, बल्कि इसके विस्तार और पर्यटन की संभावना पर भी जोर देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत उत्तराखंड के प्राकृतिक दृश्यों के बीच प्रतिष्ठित तीर्थ स्थान पार्वती कुंड से की। पारंपरिक स्थानीय पोशाक पहने हुए प्रधानमंत्री पूर्ण श्रद्धा के साथ भक्ति अर्पित करते हुए आध्यात्मिक आभा में लीन हो गए। ढोल और शंख बजाने की परंपराओं के साथ उनकी उपस्थिति ने स्थानीय मान्यताओं, रीति-रिवाजों और उनके प्रति पीएम के सम्मान को प्रदर्शित किया।

पिथौड़ागढ़ यात्रा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

प्रधानमंत्री की पार्वती कुंड यात्रा न केवल एक प्रतीकात्मक संकेत थी, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने और प्रोत्साहित करने के समर्पण का एक प्रमाण भी थी। शिव-पार्वती मंदिर में 'आरती' करके और आदि कैलाश शिखर के सामने ध्यान करके उन्होंने इस भूमि की पवित्रता का अवलोकन किया और देश की समृद्धि और कल्याण के लिए आशीर्वाद भी मांगा।

इसके अलावा, पार्वती कुंड और सीमावर्ती गांव गुंजी दोनों में निवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बातचीत की और उनकी जरूरतों और कल्याण जैसे विषयों पर विचार आदान-प्रदान किए। स्थानीय लोगों के साथ जुड़कर उन्होंने उनकी शिकायतें सुनीं, उनके साथ खुशियां बाटीं और उनके उत्थान के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस बैठक से जहां वे स्थानीय लोगों की भावनाओं को जान पाए, वहीं उन्होंने उनमें अपनेपन और एकजुटता की भावना भी पैदा की।

उत्तराखंड के पिथौड़ागढ़ जिले में पार्वती कुंड के पास ध्यान लगाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

इसमें कोई दो राय नहीं है कि हर बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड दौरा राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए काफी महत्व रखता है। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने पिथौरागढ़ में 4,200 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास से क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास और रोजगार सृजन को नई मुहीम दी। इन प्रयासों का उद्देश्य उत्तराखंड के नागरिकों के लिए विकास को बढ़ावा देना, कनेक्टिविटी में सुधार और जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आदि कैलाश पर्वत की यात्रा भी उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र के लिए बहुत महत्व रखती है। इस पवित्र स्थल का दौरा करने वाले वे देश के पहले प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने एक पर्यटन स्थल के रूप में इस क्षेत्र की संभावना को निखारने के लिए राज्य का मार्गदर्शन किया है। स्थानीय कला, शिल्प और उत्पादों के प्रति उनकी रुचि का ही परिणाम है कि गुंजी गांव में भारत-तिब्बत व्यापार केंद्र के साथ उत्तराखंड राज्य ने अपनी सांस्कृतिक विविधता और वाणिज्यिक संभावनाओं को नया विस्तार दिया है।

प्रगति की ओर अग्रसर

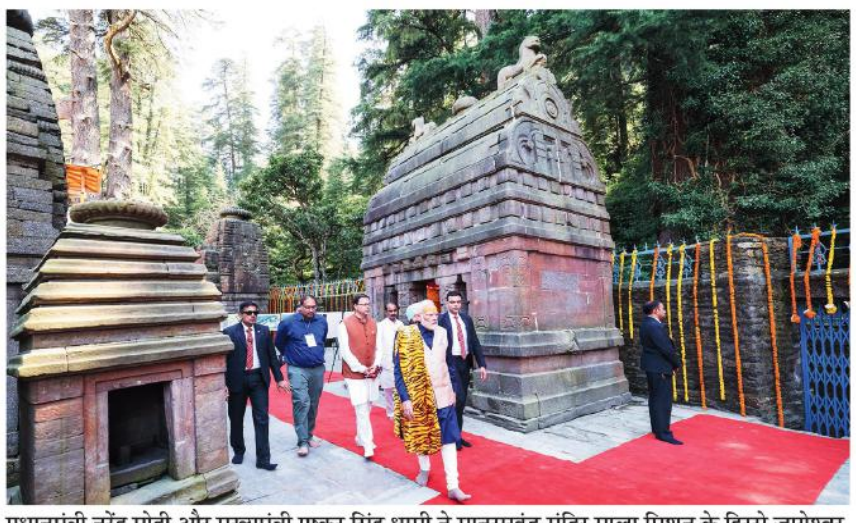

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मानसखंड मंदिर माला मिशन के हिस्से जागेश्वर धाम मंदिर का दौरा किया

धार्मिक वैभव को पुर्नजाग्रित करता मानसखंड मंदिर माला मिशन

'मानसखंड मंदिर माला मिशन' के हृदय स्थल के रूप में यहां के 48 पौराणिक मंदिरों को पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित किया जा रहा है। इसमें कुमाऊं के विभिन्न जिलों में फैले 16 पौराणिक मंदिरों पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

उत्तराखंड कई प्राचीन मंदिरों और पवित्र स्थलों की भूमि है। यही कारण है कि यह देवभूमि के रूप में विश्वविख्यात है। ये मंदिर कुमाऊं क्षेत्र में फैले हुए हैं और लंबे समय से आस्था और भक्ति के प्रतीक के रूप में लोगों के दिलों में बसे हैं। यहां दुनिया के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं का आना लगा रहता है।

उत्तराखंड की वादियों में स्थित ऐसे मंदिरों तक भक्तों और श्रद्धालुओं की पहुंच बनाने को लेकर धामी सरकार विशेष प्रयास कर रही है। प्रदेश के ऐसे कई धार्मिक स्थलों, जिनके बारे में भक्तों को ज्ञात नहीं हैं, उनकी भव्यता से साक्षात्कार कराने के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर करने की दिशा में काम किए जा रहे हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इन मंदिरों के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को समझते हैं और मंदिरों के वास्तुशिल्प चमत्कारों को पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित करने के लिए 'मानसखंड मंदिर माला मिशन' के तहत एक दूरदर्शी पहल शुरू की है।

इस प्रयास का मूल 48 पौराणिक मंदिरों को पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित करना है, जिसमें कुमाऊं क्षेत्र के विभिन्न जिलों में फैले 16 मंदिरों पर विशेष जोर दिया गया है। सैकड़ों वर्षों से आस्था का केंद्र रहे ये मंदिर अब बड़े परिवर्तन का साक्षी बनने को तैयार हैं, उनकी पहुंच और भव्यता में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे में विकास की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का विजन केवल भौतिक नवीनीकरण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक समग्र रणनीति भी शामिल है, जिसमें उन्नत सड़क कनेक्टिविटी, आतिथ्य और आवास सेवाएं और संरक्षण जैसी बातें शामिल हैं।

मानसखंड मंदिर माला मिशन के प्रतिष्ठित स्थलों तक सड़क कनेक्टिविटी में सुधार करने के लिए कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कहते हैं कि मानसखंड की परिकल्पना के तहत आने वाले जितने भी धार्मिक स्थल और पर्यटक स्थल हैं, उन्हें अच्छी कनेक्टिविटी देने पर हमारा ध्यान केंद्रित है। राज्य में तीर्थयात्रा और पर्यटन को बढ़ावा देने में निर्बाध परिवहन नेटवर्क की भूमिका अहम है। इन मंदिरों को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। तीर्थयात्रा के दौरान सुविधा के साथ-साथ बेहतर सड़क व अन्य बुनियादी ढांचा के विकास से इन स्थलों में रहने वाले स्थानीय निवासियों के लिए भी आर्थिक संभावनाएं बनेंगी।

पारंपरिक आध्यात्मिकता के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं का विकास मानसखंड मंदिर माला मिशन के लिए अहम है। मुख्यमंत्री धामी चाहते हैं कि यह कार्य सिर्फ बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं होने चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से भक्तों और आगंतुकों को विशेष सुविधाएं प्रदान करना भी हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए आसपास के स्थानों के विस्तार और आतिथ्य सेवाओं के प्रावधान के लिए बजट का आवंटन किया गया है और यह पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय और समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करने की दिशा में उत्तराखंड सरकार की प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है।

इस कार्य को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री धामी ने जनवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनसे मानसखंड मंदिर माला मिशन के काम पर समर्थन मांगा। बैठक में उन्होंने मानसखंड मंदिर माला मिशन के उद्देश्यों और अनिवार्यताओं पर प्रकाश डाला। इस मिशन की सफलता ने आवश्यक संसाधन जुटाने के उनके संकल्प को दर्शाया है। साथ ही, उत्तराखंड के आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को बढ़ावा देने में भी इस पहल की महत्वता बढ़ने वाली है।

मानसखंड एक्सप्रेस

मानसखंड एक्सप्रेस मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत शुरू की जा रही एक विशेष ट्रेन सेवा है, जो कोलकाता को टनकपुर से जोड़ेगी। लंबी दूरी की इस ट्रेन की सेवा 15 अप्रैल से शुरू होने वाली है और यह कुमाऊं क्षेत्र के मंदिरों और देश भर के भक्तों के बीच एक मजबूत संबंध के रूप में कार्य करेगी। मानसखंड एक्सप्रेस स्थानीय और क्षेत्रीय परिवहन सेवाओं से युक्त होगी और आतिथ्य सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

इसके अलावा, राज्य की विरासत और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए उत्तराखंड सरकार का अपने ऐतिहासिक स्थलों और मंदिरों के संरक्षण और उन्नति के लिए प्रतिद्धता के साथ काम कर रही है। इसके लिए विरासत अधिनियम बनाने के उपाय किए गए हैं। मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत मान्यता प्राप्त 16 मंदिरों में से प्रत्येक के लिए अलग-अलग मास्टर प्लान तैयार किए गए हैं और इनके माध्यम से सरकार उनके संपूर्ण पुनरुद्धार कर रही है। एक सहकारी मिशन के तहत विभिन्न विभागों और प्रभागों का संगम इस प्रयास को आगे बढ़ा रहा है।

जैसे-जैसे मानसखंड मंदिर माला मिशन गति पकड़ रहा है, यह न केवल धार्मिक स्थलों को पुनर्स्थापित करने बल्कि क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी सुनिश्चित कर रहा है। उत्तराखंड की परंपरा और आधुनिकता, आध्यात्मिकता और बुनियादी ढांचे के विस्तार का बेहतर संयोजन निश्चित रूप से उत्तराखंड के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन को दर्शाता है। राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मानसखंड मंदिर माला मिशन, देश के भविष्य को आकार देने के लिए दूरदर्शी नेतृत्व की क्षमता का एक भी अप्रतिम उदाहरण है।

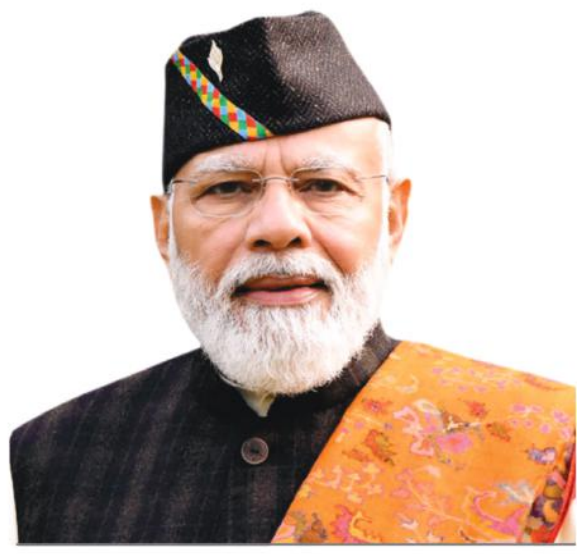

"मैं पिछले कुछ वर्षों में हुई उल्लेखनीय प्रगति के लिए उत्तराखंड सरकार को बधाई देता हूं। ऐसा निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देने के चलते संभव हुआ है। इसके साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है और सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। प्राकृतिक संसाधनों के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने की उत्तराखंड की प्रतिबद्धता ने न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान किया है, बल्कि वैश्विक मंच पर क्षमता को भी प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के प्रति राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में निरंतर सफलता की आशा करता हूं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

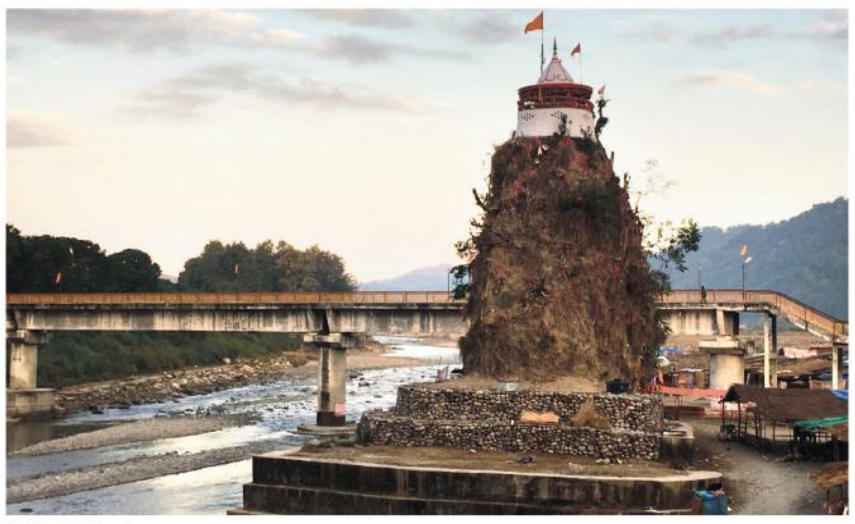

गिरिजा देवी मंदिर

बैजनाथ

बागनाथ मंदिर

गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब

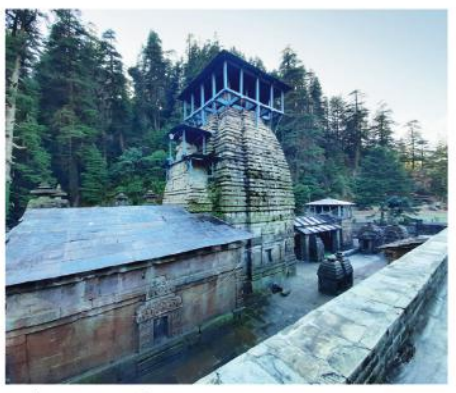

जागेश्वर धाम मंदिर

कसार देवी मंदिर

उत्तराखंड की पर्यटन क्षमता को विस्तार देती उत्तराखंड पर्यटन नीति 2030

उत्तराखंड पर्यटन नीति-2030 के जरिये उत्तराखंड सतत और समावेशी विकास पर जोर दे रहा है। राज्य की प्राथमिकता उत्तराखंड के पर्यटन हॉटस्पॉट को वैश्विक पहचान दिलाने की है और इस दिशा में विभिन्न स्तरों पर सार्थक प्रयास भी किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड अपने प्राकृतिक सुंदरता के लिए पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। आज भी, राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में खुद को निखारने के लिए असीम क्षमता मौजूद है। उत्तराखंड पर्यटन नीति- 2030 की शुरुआत के साथ राज्य सतत और समावेशी विकास को प्राथमिकता दे रहा है। अपने पर्यटन स्थलों के कारण देवभूमिक को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली हुई है। अब उत्तराखंड पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण तैयार किया जा रहा है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति- 2030 का मुख्य सिद्धांत यहां के पर्यटन में निखार लाने वाले सभी हितधारकों को सशक्त बनाना है। इससे यह भी सुनिश्चित हो सकेगा कि प्रत्येक व्यक्ति उत्तराखंड की विकास यात्रा में योगदान दे और इसका लाभ उठाए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह नीति समग्र विस्तार को बढ़ावा देते हुए भविष्य में समग्र हितों को बढ़ावा देते हुए पर्यटन को हर लिहाज से सुविधाजनक बनाएगी।

स्पिरिचुअल और वेलनेस डेस्टिनेशन के अपने पारंपरिक पर्यटन के अलावा उत्तराखंड अपनी बहुमुखी क्षमताओं व आकर्षण को सामने रखता है। विरासत और प्रकृति पर्यटन से लेकर जंगल के रोमांच और वेलनेस रिट्रीट तक, राज्य हर पर्यटक को यादगार अनुभव देने का प्रयास करता है। इसके अलावा सर्दियों सहित हर मौसम में राज्य में पर्यटन पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि निश्चित होकर पूरे साल यहां पर्यटकों को आना जाना लगा रहे।

उत्तराखंड पर्यटन नीति- 2030 में का सबसे महत्वपूर्ण पहलु है उत्तराखंड की सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपदा का लाभ उठाते हुए प्रामाणिक और वास्तविक अनुभव बनाना। पर्यटन समूहों और सर्किटों को विभिन्न रुचियों और पसंद को पूरा करते हुए नए गंतव्य के रूप में स्थलों को प्रस्तुत करने के लिए इन्हें डिजाइन किया जाएगा।

उत्तराखंड पर्यटन नीति- 2030 भी राज्य के पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर देने के साथ स्थिरता को प्राथमिकता देती है। प्राकृतिक संसाधनों, जंगल और सांस्कृतिक संपत्तियों को संरक्षित करने के उपाय अहम हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उत्तराखंड वर्षों तक सुंदर और आकर्षक बना रहेगा।

डिजिटल युग के अनुरूप, उत्तराखंड प्रौद्योगिकी के साथ कदम ताल करते हुए यहां आने वालों को अभूतपूर्व सुविधाएं प्रदान करना चाहता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए विज्ञापन, बुकिंग और डेटा प्रसार के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म संचालित किए जाएंगे, ताकि राज्य में आने वाले आगंतुकों को आराम के साथ उनका दिल भी जीता जा सके।

इस नीति में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दिया गया है। सरकार ने आतिथ्य और पर्यटन उपक्रमों के लिए व्यापार करने में आसानी को प्रोत्साहित किया है। इस संयुक्त रणनीति से नवाचार और विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति-2030 पर्यटन से जुड़े लोगों तक लाभ पहुंचाने के साथ-साथ पर्यावरण और सभ्यता पर प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए उच्च मूल्य वाले पर्यटन पर जोर देती है। हब एंड स्पोक मॉडल सैलानियों के अनुभवों को बढ़ाने के लिए संतुलित क्षेत्रीय विकास, बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में सुधार की बात करता है।

अर्थव्यवस्था में सालाना 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान करने और निजी निवेश को आकर्षित करने के उद्यमशील लक्ष्यों के साथ उत्तराखंड एक स्थायी पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना चाहता है। इससे नौकरी की संभावनाएं और विदेशी यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। पर्यटक-अनुकूल बुनियादी ढांचे को स्थापित करना, नए गंतव्य विकसित करना और विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। नवाचार, स्थिरता और समावेशिता के साथ उत्तराखंड विश्वसनीय पर्यटन की आभा से दुनिया भर के पर्यटकों को लुभा रहा है।

उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक एमओयू कार्यक्रम में अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

कॉर्बेट नेशनल पार्क का जायजा लेते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

पीएम मोदी का 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम'

उत्तराखंड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दे रहा मजबूती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' अलग-थलग पड़ चुके सीमावर्ती गांवों के लिए आशा की किरण है, जिसमें व्यापक विकास और आर्थिक उत्थान की भावना निहित है

उत्तराखंड के 19 सीमावर्ती क्षेत्रों में फैला यह कार्यक्रम आगामी 10 वर्षों की अवधि में 3,000 गांवों को विकसित करने की दिशा में एक अनूठा प्रयास है। यह मूलभूत सुविधाएं प्रदान करके के साथ ही सामाजिक-आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने लक्ष्य को साकार कर रहा है। इसके प्रारंभिक चरण में 1,42,000 की कुल आबादी वाले 662 गांवों में 4,800 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है।

बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम अपने आप में विशेष है। इसके अंतर्गत सड़कों के निर्माण और कनेक्टिविटी में सुधार के लिए 2500 करोड़ रुपये के आवंटन से देश भर के विभिन्न गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जहां के भौगोलिक परिदृश्य लगातार कठिनाइयां पैदा करते हैं। यह बाजारों तक पहुंच को आसान बनाएगा और इससे स्थानीय लोगों के जीवन में गुणवत्ता आएगी।

देश की वित्तीय स्थिरता को मजबूती प्रदान करने में भी यह अहम भूमिका निभाएगा। यह कार्यक्रम सीमावर्ती गांवों के विकास को प्राथमिकता देकर भारत की उन्नति की आधार बनेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पिथौरागढ़ जिले में स्थानीय लोगों के साथ

वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के शुभारंभ से उत्तराखंड और अन्य राज्यों के सीमावर्ती गांवों का जीवन स्तर बेहतर होगा, जिसका प्रत्यक्ष लाभ वहां के लोगों को मिलेगा, जो अंततः सबका साथ, सबका विकास की भावना को दर्शाते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए अनंत संभावनाओं का द्वार भी खोलेगा।

उत्तराखंड होमस्टे योजनाः राज्य की परंपरा को करीब से देखने का मौका

'कहीं से भी काम' करने की संस्कृति ने उत्तराखंड के होमस्टे योजना को नए आयाम दिए हैं। यह एक आदर्श डेस्टिनेशन है। साथ ही, यह यहां आने वाले लोगों के लिए उत्तराखंड को करीब से जानने का भी अवसर प्रदान करता है।

उत्तराखंड सरकार ग्रामीणों को रोजगार के वैकल्पिक स्रोत प्रदान करने और निवास के मूल स्थान से पलायन को रोकने पर ध्यान दे रही है और इसके लिए राज्य के सभी जिलों में होमस्टे को बढ़ाने के लिए सरकार हर संभव सहायता दे रही है। वर्तमान में उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड में 5,000 से अधिक होमस्टे पंजीकृत हैं। विभाग होमस्टे मालिकों को मार्केटिंग और ट्रेनिंग के लिए जरूरी सहायता प्रदान करता है। धामी सरकार दीन दयाल उपाध्याय गृह-आवास (होमस्टे) योजना के माध्यम से होमस्टे मालिकों को वित्तीय सहायता भी प्रदान कर रही है, जिसमें स्थानीय निवासियों को पर्यटकों के लिए कमरों के पुनर्निर्माण/नवीनीकरण में वित्तीय सहायता की सुविधा मिलती है।

उत्तराखंड सरकार की योजना के तहत मसूरी स्थित मीनाक्षी सदन होमस्टे

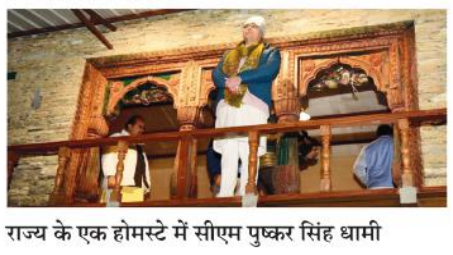

राज्य के एक होमस्टे में सीएम पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड में होमस्टे को केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय से भी मान्यता मिली हुई है। वर्ष 2022 में केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा पिथौरागढ़ जिले के सरमौली गांव को सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे का पुरस्कार दिया गया। बकरी गांव, सेंदुल गांव (टिहरी गढ़वाल) और कुमाऊं क्षेत्र में होमस्टे जैसी कई पहलों ने भी प्रशंसा हासिल की है। सरकार स्वच्छता और यात्रियों की भोजन के पसंद को प्राथमिकता दे रही है। इस विषय में जागरूकता बढ़ाते के साथ सरकार चाहती है कि उत्तराखंड के होमस्टे, पर्यटकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार खुद को उन्नत करें। इसलिए होमस्टे के बुनियादी ढांचे को विकसित के अलावा, सरकार पेशेवर एजेंसियों के माध्यम से होमस्टे के प्रबंधन और रखरखाव में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण भी प्रदान कर रही है।

Text input: Sumit Pant, director, Tourism

उत्तराखंड के कम प्रसिद्ध स्थलों में भी पर्यटन को बढ़ावा देना

यूटीडीबी और आईआरसीटीसी की संयुक्त पहल से उत्तराखंड के कम मशहूर स्थलों को भी पर्यटकों के बीच में नई पहचान मिल सकेगी।

उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड (यूटीडीबी) और भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) मिलकर उत्तराखंड के पर्यटन के विकास को नई गति देने जा रहे हैं। इससे यहां के पर्यटन को और बढ़ाने में मदद मिलेगी, क्योंकि इसके माध्यम से ऐसे स्थलों को निखारने पर जोर दिया जा रहा है, जो उत्तराखंड के लिए प्राइम डेस्टिनेशन नहीं रहे हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों से विशेष पर्यटक रेलगाड़ियां शुरू की जाएंगी, जो राज्य के अनोखे स्थलों तक पर्यटकों को पहुंचाएंगे।

यह विशेष पर्यटक ट्रेन अप्रैल 2024 में अपनी सुविधाएं प्रदान करना शुरू करेगी। यह सेकेंड एसी कोचों में प्रति यात्रा 500 पर्यटकों को सुखद यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। इसके तहत पर्यटकों को कई पैकेजों का लाभ मिल सकेगा, जिसमें जहाज पर सुविधाओं से लेकर आवास, परिवहन और दर्शनीय स्थलों की यात्रा तक सब कुछ समाहित होगा। इसे आईआरसीटीसी द्वारा ही प्रबंधित किया जाएगा। यूटीडीबी और आईआरसीटीसी का प्रयास यात्रा के दौरान राज्य के व्यंजनों से भी यात्रियों का परिचय कराना है। साथ ही, निवासियों को गाइड के रूप में काम करने का अवसर देकर उनके लिए व्यवसाय की असीम संभावनाएं सृजित करना है।

Text: Taresh Dutta

CONSUMER CONNECT INITIATIVE

सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्या योगेन रक्ष्यते।
मृजया रक्ष्यते रुपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते॥

धर्म की रक्षा सत्य से होती है, विद्या की रक्षा अभ्यास से, सौंदर्य की रक्षा स्वच्छता से तथा कुल की रक्षा सदाचार से होती है।

संपादकीय

भारत की स्थिति में सुधार

संयुक्त राष्ट्र ने मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) के ताजा आंकड़े जारी किए। इनमें भारत की स्थिति में लगातार दो वर्ष की गिरावट के बाद बड़ा सुधार देखने को मिला है। गुरुवार को जारी एचडीआई पर भारत की रैंकिंग 2022 में एक स्थान सुधरकर 193 देशों में 134वें स्थान पर पहुंच गई है, जबकि 2021 में 191 देशों में से यह 135वें स्थान पर थी। मानव विकास से जुड़े ताजा आंकड़ों में भारत में जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) में सुधार आया है। लोगों में जीने की चाह और कमाई में बढ़ोतरी हुई है। उल्लेखनीय है कि 1990 के बाद से, जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 9.1 वर्ष बढ़ गई है, स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष में 4.6 वर्ष का और औसत वर्ष में 3.8 वर्ष का इजाफा हुआ है। भारत की प्रति व्यक्ति जीएनआई लगभग 287 प्रतिशत बढ़ी है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने कहा कि लैंगिक असमानता सूचकांक (जीआईआई-2022) में 14 रैंक की छलांग देश के लिए अहम है। पिछले 10 वर्षों में, जीआईआई में भारत की रैंक लगातार बेहतर हुई है, जो देश में स्त्री-पुरुष समानता हासिल करने में प्रगतिशील सुधार का संकेत देती है। 2014 में यह रैंक 127 था, जो अब 108 हो गई है। भारत ने लैंगिक असमानता को कम करने में भी बड़ी सफलता हासिल की है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत का प्रदर्शन इसको वैश्विक और दक्षिण एशियाई औसत से बेहतर रहा है। यह सरकार के दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विकास के उद्देश्य का परिणाम है जिसके तहत नीतिगत पहलों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक एजेंडा निर्धारित किया गया। यूएनडीपी गरीबी उन्मूलन, असमानता को कम करने हेतु लगभग 70 देशों में कार्य करता है। देश के विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतियों, नेतृत्व कौशल, साझेदारी क्षमताओं तथा संस्थागत क्षमताओं को विकसित करने और लचीलापन बनाने में मदद करता है। सूचकांक की गणना तीन प्रमुख संकेतकों-जीवन प्रत्याशा, स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष, शिक्षा के औसत वर्ष और प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के अंतर्गत की जाती है। यानि जीवन में चौतरफा विकास से जुड़े अलग-अलग पहलुओं का अध्ययन करने के बाद यह सूचकांक तैयार किया जाता है। यह रिपोर्ट भारत के लिए इसलिए खास मानी जा रही है क्योंकि रिपोर्ट में मानव जीवन के विकास से जुड़े दूसरे अलग-अलग पहलुओं का भी गहन अध्ययन कर उनको भी इंडेक्स में शामिल कर सिलसिलेवार तरीके से उल्लेख किया गया है।

शोधकार्य में भारतीय दार्शनिक पृष्ठभूमि की जरूरत

रणवीर सिंह फोगाट
सेवानिवृत्त अधिकारी
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
आईसीएमआर

हम मान क्यों नहीं लेते कि कार्ल पॉपर और भारत में प्राचीन और आधुनिक विज्ञान दर्शन में संगम देखने वाले चिंतकों की परंपरा में जाने-माने नाम भी शोध चिंतन को विशुद्ध रखने में सफल नहीं हो सकते थे।

शोध चिंतन नए ज्ञान के सृजन से पहले का एक फलसफा होता है। विषय से संबद्ध टॉपिक के बारे में चिंतन की प्रक्रिया का एक क्रमिक इतिहास भी होता है। भारत में शोध चिंतन और पद्धतियों के बारे में ज्ञान मौजूद रहा, लेकिन 'एक्सपेरिमेंटल फ्लेवर' गायब हो गया जिसके लिए राज्याश्रय और सहयोगियों की जरूरत रहती है।

देश में शोध के लिए क्षेत्रीय चिंतकों का अभाव हुआ तो मौलिक चिंतन की अधिकांश धाराएं सूखती रहीं और ब्रिटिश आधिपत्य का असर सन् 1763 के बाद से हम पर बढ़ने लगा। पीछे लौटने का कोई अवसर नहीं बचा। ब्रिटिश लोगों ने हमारे अधिकांश 'मटेरियल कल्चर' को बदल दिया जिसकी जड़ में थी। हमारी शिक्षा पद्धति और शैक्षिक टूल्स जैसे कि भाषा और व्याकरण, खगोलीय गणनाएं और गणित, केमिस्ट्री और एस्ट्रोनॉमी एवं आयुर्विज्ञान। अपने रंग में क्रमशः रेंज जाने के लिए ब्रिटिश लोगों ने देश में जिस तरह से यूरोपियन पद्धति में गवेषणा और अन्वेषण के लिए अनेक अर्द्ध और पूर्णतः वैज्ञानिक संस्थान स्थापित किए उनके कार्यकलापों के चलते आने वाले समय में परिवेशी भारतीय सांस्कृतिक चिंतन से जुड़ी हुई वैज्ञानिक पद्धति में बदलाव होने लगे। इससे भारतीय शोध चिंतन के दर्शन का भी ब्रिटिश पद्धति से 'इंस्टिट्यूशनलाइजेशन' होने हुआ।

ब्रिटिश लोगों के जाने के बाद भारत में जिन अनेक वैज्ञानिक, तकनीकी, इंजीनियरिंग और उच्चतर शिक्षा संस्थानों की स्थापना की झड़ी लगी तब इन्हें भी मजबूरन उसी लीक पर चलाया गया, ऐसा तो नहीं कहेंगे, परंतु इनका अधिकांश रंग-ढंग आधुनिक और यूरोपियन ही रहा। भारतीय वैज्ञानिक दर्शन से उपजने वाला चिंतन अब सिर्फ पृष्ठभूमि के रूप में एक कुलबुलाते हुए जीवाश्म के रूप में बचा है। पीछे लौट जाना नामुमकिन ही है, क्योंकि रास्ते में ऐसे पावरफुल फिजिकल बैरियर्स उठ खड़े हुए हैं, जिन्हें ध्वस्त करना बस की बात नहीं। शोध चिंतन की मुख्य धारा अब एक प्रकार से 'यूनिवर्सल' हो गई है जिसे न तो आधुनिक आर्थिक साम्राज्यवादी चिंतन से मुकाबला करके हम बदल सकते हैं और न ही प्राचीन सभ्यताओं का शक्तिशाली माना जाने

शोध संचार की भाषा अब अंग्रेजी है और मेथड अत्याधुनिक और मशीन आधारित। हमारे प्राचीन लौह-धातु कर्मियों और रसायनज्ञों के ज्ञान से अब हम अपने स्पेस और एटॉमिक एनर्जी प्रोग्राम को नहीं चला सकते।

वाला वह जैविक सांस्कृतिक परिवेश (कल्चरल इकोलॉजी) जिस पर हरेक मातृदेश खासतौर से भारत नित गर्व करता है, इसके आवेग को रोक सकता है, उलटा प्रतिक्रिया स्वरुप इसे गौरवान्वित करते रहने के लिए नित नए आयोजन करता है।

हम मान क्यों नहीं लेते कि कार्ल पॉपर और भारत में प्राचीन और आधुनिक विज्ञान दर्शन में संगम देखने वाले चिंतकों की परंपरा में जाने-माने नाम भी शोध चिंतन को विशुद्ध रखने में सफल नहीं हो सकते थे। शोध चिंतकों और विज्ञान की अनेक शाखाओं में पश्चिम के फलस्फाकारों की संख्या अत्यधिक है। विज्ञान से संबंधित अभिलेखागारों को देखें तो करोड़ों की संख्या में अपने प्रकाशनों के जरिए से इन्होंने इसे इतना ताकतवर बना दिया है कि अब सभी प्राचीन सभ्यताओं में स्वतंत्र चिंतन की गुंजाईश नहीं बची है। चाहे यह मिस्र देश हो, भारत या चीन हो या मेसोपोटामिया के अवशेषों को छिपाए हुए ईराक और ईरान।

शोध संचार की भाषा अब अंग्रेजी है और मेथड अत्याधुनिक और मशीन आधारित। हमारे प्राचीन लौह-धातु कर्मियों और रसायनज्ञों के ज्ञान से अब हम अपने स्पेस और एटॉमिक एनर्जी प्रोग्राम को नहीं चला सकते। कुछ रोज पहले महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में प्रोफेसर, कृपाशंकर चौबे ने इस बारे में एक समाचार पत्र में प्रकाशित लेख के जरिए से यह मुद्दा उठाया है कि हम विशुद्ध भारतीय दार्शनिक चिंतन से अपने शोधकार्यों की धारा क्यों नहीं मोड़ लेते? उन्होंने इसमें एक स्थान पर शोधकार्य के चिंतन में 'व्यावहारिक पक्ष' शब्दयुग्म का प्रयोग किया है। मेरा मानना है कि खालिस तौर से भारतीय शोध चिंतन की विरासत के बल पर हम दुनिया में कहीं और क्या हो रहा है उसका मुकाबला नहीं कर सकते। दुनिया में शोध चिंतन और इसका व्यवहार अत्यंत कम्पीटीटिव हो चुका है। शोध के नतीजे को साझा करने के लिए इंटरनेट के जरिए तीव्रता से इसके प्रसार, थ्योरेटिकल रूप से इसका उपयोग करने जैसे कि नैदानिकी और उपचार में और टेक्नोलॉजी कंवर्जन के जरिए से गैजेट्स में बदलने के लिए अब दशकों और सदियों का विलंब नहीं होता। कमर्शियल रूप से इसका फायदा ही नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजीकल बढ़त मिलने से राष्ट्र ताकतवर बनते हैं। जैसा कि मिलिट्री हार्डवेयर और विनाशक अस्त्र और संचार के साधनों के विकास और इनका कंट्रोल किस के हाथ में है, इससे प्रतीत होता है।

शोध चिंतन अब यूनिवर्सल कैरेक्टर अख्तियार कर चुका है और आपसी सहयोग या कोलैबोरेशन और कूटनैतिक आश्रय के बिना एक भी देश अकेला पावरफुल नहीं बना रह सकता। व्यक्ति में समाई हुई एकल शोध वृत्ति या एक ही व्यक्ति के चिंतन से चलने वाले शोध चिंतन की पारंपरिक भारतीय पद्धति से हम किस नाते सुपर-पॉवर बनने का स्वप्न देख सकते हैं? इसीलिए शोध चिंतन की अपनी विरासत की सीमा पर एक बार फिर से दृष्टि डालें तो मालूम होता है कि अंग्रेज या अन्य यूरोपियन कॉलोनियल पावर्स ने टेक्नोलॉजी के विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व शोध चिंतन के उदय का पूरा फायदा उठाया और साहसिक कदम उठाए। यह माना जाता है कि चिंतन एक 'एबस्ट्रेक्ट' एंटिटी है और इसकी फॉर्म इनटेंजीबल। आधुनिक यूनिवर्सल पद्धति से शोध चिंतन में भारतीयता का पुट कैसे डाला जा सकता है और इसकी मात्रा कितनी होनी चाहिए यह तो वैज्ञानिक-दर्शन चिंतन से उपजे नतीजे, इसके इस्तेमाल से बनाए जाने वाले उत्पाद और टेक्निक्स और टेक्नोलॉजी के सामाजिक और आर्थिक तजुर्बों को महसूस करने वाले हमारे वरिष्ठ वैज्ञानिक ही बता सकते हैं। आचार्य चंद्रशेखर वेंकट रमण ने भारतीय वाद्ययंत्र वीणा के तारों को एक पद्धति और क्रम से अंगुलियों की ताकत लगाकर हिलाने से पैदा हुई झंकार (फ्रीक्वेंसी एंड रेजोनेंस) पर शोध करके यह बताया कि इसकी ध्वन्यात्मक प्रॉपर्टीज क्या और क्यों हैं? भारतीय तंत्रीवाद्यों में वीणा प्राचीनतम वाद्य यंत्र हैं और इसकी फॉर्म भी अनेक हैं, जैसे कि नारदीय वीणा। दूसरा उदाहरण है आचार्य जगदीश चन्द्र बसु द्वारा यह कहना कि वनस्पति में भी जीवन है, अहसास और भावनाएं होती हैं। यह बात तो हमारे प्राचीन मनीषी एक अरसे से कहते रहे थे, लेकिन इसका फिजिकल प्रूफ उस तरीके से वे प्रोड्यूस न कर पाए जैसा कि आचार्य बसु ने किया।

अब तो हालात ऐसे हैं कि आयुर्वेद के अंतर्गत काया-चिकित्सा, भेषजगुण विज्ञान, रसायन, शल्य और नैदानिकी में भी विशुद्ध तौर से भारतीय शोध-चिंतन आधुनिक पद्धतियों की तरफ झुक गया है, मजबूरी में नहीं, बल्कि जरूरत के लिए। आधुनिक आयुर्वेज्ञानिक चिंतन में 'इंटीग्रेटिव मेडिसिन' नामक एक नई शाखा का उदय हुआ जिसमें मौलिक चिंतन यह है कि शरीर की जिन व्याधियों का उपचार आधुनिक चिकित्सा पद्धति (मॉडर्न सिस्टम ऑफ मेडिसिन) में नहीं है उनके इलाज के लिए वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों (यूनानी एवं तिब्बिया, आयुर्वेद एंड सिद्ध) को अपनाया जाना चाहिए। देश में शोध की एक नहीं अनेक ऐसी परियोजनाएं चालू हैं जिनमें भारतीय चिंतन और आधुनिक शोध एवं कार्यविधियों को आपस में समवेत किया गया है।

मसलन अयोध्या में बनाए गए रामलला मंदिर के निर्माण से पहले और निर्माण कार्य के दौरान मॉडर्न साइंस एंड इंजीनियरिंग की जिन तकनीकों का इस्तेमाल सीएसआईआर की मार्फत किया गया। इनमें हैं इमारत की नींव और सुपर-स्ट्रक्चर की स्थिरता का रिक्टर स्केल पर अधिकतम आठ डिग्री तक की भूकंप सह्यता का मापन और देवमूर्ति को सूर्य तिलक देने के लिए ऑप्टो-मैकेनिकल डिवाइस की स्थापना। गंगा नदी के प्रवाह के मैदानी क्षेत्र लिए कंप्यूटर सिमुलेशन द्वारा अयोध्या क्षेत्र की भू-गर्भीय संरचना की जांच की गई और विश्वासपूर्वक कहा गया कि वर्तमान मंदिर 10000 वर्ष तक स्थिर रहेगा।

प्रसंगवश

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय

राजनीतिक दलों में हाई कमान संस्कृति काफी प्रबल होती दिख रही है जिसकी शुरुआत कांग्रेस में इंदिरा गॉधी के कार्यकाल से हुई। हालांकि अब इसमें भाजपा सबसे आगे है जिसमें केंद्रस्थ मोदी-शाह युग्म ही सभी महत्वपूर्ण निर्णय ले रहा है। आंतरिक लोकतंत्र न के बराबर है। प्रदेशों के चुनाव भी मोदी के नाम पर लड़े जाते हैं, जहां उनके मुख्यमंत्री बनने की कोई संभावना नहीं होती है। राज्यों के मुख्यमंत्री ऊपर से नामांकित होते हैं और निर्वाचित विधायकों को उसी नाम पर मोहर लगानी होती है।

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

विगत कुछ मास पहले हुए मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ के विधानसभाई चुनाव इसके ज्वलंत उदाहरण हैं, जहां जननायक तो क्रमशः शिवराज सिंह, वसुंधरा राजे सिंधिया तथा डा.रमनसिंह थे, किंतु उच्च कमान ने इन सबको किनारे लगाकर अपनी च्वाइस के मुख्यमंत्री बनाए। राजस्थान में वसुंधरा कुछ अड़ रही थीं तो केंद्र ने भारी भरकम नेता राजनाथ सिंह को यह टास्क सौंप दिया। उन्होंने बखूबी राजे को किनारे लगाने का कार्य संपन्न कर दिया, हालांकि चुनावी सभाओं में खुद वसुंधरा के मुख्यमंत्रित्व काल के कार्यों और उपलब्धियों की प्रशंसा करते थे। यही नहीं जो लगभग 20 विधायक वसुंधरा के समर्थक होकर तत्समय उनके पक्ष में मुखर थे, उन्हें अलग कमरे में बैठाकर आदेशित किया कि विधायक दल की नेता चयन बैठक में जो नाम प्रस्तावित किया जाएगा, उस पर 'आप लोग ताली बजाएंगे'। पश्चात् भजनलाल शर्मा का नाम वसुंधरा से ही प्रस्तावित कराया गया, जिस पर निर्धारित स्क्रिप्ट के अनुसार ऊपर संदर्भित समर्थकों ने तालियां बजाईं। अब स्पष्ट है कि जन तंत्र में 'जन' के द्वारा चयनित प्रतिनिधियों का काम ताली बजाना ही रह गया है। इधर हरियाणा में साढ़े नौ साल से मुख्यमंत्री पद पर कार्यरत मनोहरलाल खट्टर को हटाकर हाई कमान ने नायब सैनी को बिठा दिया, जो पीएम मोदी के चहेते भले हों, किंतु शासन का कोई खास अनुभव नहीं रखते हैं। बहरहाल भाजपा आत्मा द्वारा शरीर बदलने की गीता वाली उपमा 'पुराने कपड़े त्यागकर नव परिधान ग्रहण करने को अब बहुशः प्रयुक्त कर रही है। (वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि) अब इससे सफलता कितनी मिलेगी, यह समय बताएगा।

ओपनहाइमर फिल्म से मिला आलोचकों को जवाब

गत सप्ताह परमाणु के जनक महान वैज्ञानिक जूलियस रॉबर्ट ओपनहाइमर पर बनी फिल्म ओपरहाइमर को सात प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार से हॉलीवुड में नवाजा गया। सात दशकों बाद 16 दिसंबर 2022 को सरकारी तौर पर बाइडेन प्रशासन ने महान भौतिक वैज्ञानिक जूलियस रॉबर्ट ओपनहाइमर को गद्दारी के लांछन से मुक्त किया, निर्दोष पाया तथा देशप्रेमी माना। उन्होंने अमेरिका के लिए परमाणु बम बनाया था। इसे हिरोशिमा और नागासाकी पर फोड़ा गया था। बाद में उन्हें सोवियत (कम्युनिस्ट) रूस का गुप्तचर बताकर हर किस्म के अपमान, अवमानना, अनादर करके अवसादग्रस्त बनाया गया, जब तक (1967) वे मरे नहीं।

ओपनहाइमर के सत्कर्मों ने ही उनकी मान मर्यादा लौटाई। वे अब दूसरे लोकवासी हो गए। ओपनहाइमर अपने उन शब्दों को याद कर रहे होंगे, जो उन्होंने जापान पर बम फोड़ने के वक्त पर कहा था। वे पंक्तियां ओपनहाइमर ने अपने प्रिय संस्कृत कवि भर्तृहरि के शतकत्रयम से लिया था : उज्जैन नरेश भर्तृहरि का विचार था कि "उनके हाथों युद्ध में, जंगल में, पहाड़ों की चट्टान पर, गहरे समुद्र में, भाले और बाणों के बीच में, नींद में, भ्रम में, शर्म की गहराई में, मनुष्य ने जो अच्छे कर्म किए हैं, वे उसकी रक्षा करते हैं।" हीरोशिमा और नागासाकी पर बम विस्फोट पर ओपनहाइमर ने याद किए गीता के श्लोक को : "दिवि सूर्यसहस्त्रस्य भवेद्युगपदुत्थिता। यदि भाः सदृशी सा स्याध्दासस्तस्य महात्मन"::।12।। (आकाश में हजार सूर्यों की एक साथ उदय होने से उत्पन्न जो प्रकाश हो, वह भी उस विश्वरूप परमात्मा के प्रकार के सदृश कदाचित ही हो। अर्थात् इस विषादग्रस्त भौतिकशास्त्री को ख्याल हो गया था कि उनके हाथों कितना भयंकर, त्रासदपूर्ण कृत्य हुआ है। प्रारब्ध तो होना ही था। भोगा भी। ओपनहाइमर प्रारंभ से ही ऐसे अपार नरसंहार वाले शस्त्र के निर्माण का विरोध करते रहें। अंततः हिटलर और टोजों (जापानी प्रधानमंत्री) के विश्व साम्राज्य वाले सपने को नष्ट करने हेतु बम बनाने के लिए तैयार हुए। भगवत गीता के निष्णात ओपनहाइमर ने बम बनाने के बाद और जापान पर उसे फोड़ने के वक्त गीता के ग्यारहवें अध्याय के 32 वें श्लोक को सुनाया था कि : "मैं (भगवान कृष्ण) लोकों का नाश करने वाला बढ़ा हुआ काल हूं।" अर्जुन का उनसे प्रश्न था : "आप कौन हैं"?

के. विक्रम राव
वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ

नौ साल बाद राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने उन्हें सम्मानित किया। उपराष्ट्रपति लिंडन बी जॉनसन ने उन्हें राजनीतिक पुनर्वास के संकेत के रूप में एनरिको फर्मी पुरस्कार के साथ नवाजा।

शायद ओपनहाइमर पर श्राप था, दो ध्वस्त जापानी शहरों की जनता का। त्रासदी की अनुभूति स्वयं उन्हें भी हो रही थी। अतः वे प्रारब्ध भुगतने हेतु विवश थे। इसीलिए वे जमकर सक्रिय विरोध करते रहे, जब राष्ट्रपति हैरी ट्रूमन ने परमाणु बम बनाने का आदेश दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति को खौफ था कि विश्वयुद्ध जीतकर सोवियत रूस अधिक विनाशकारी बम बनाएगा। विश्वव्यापी वर्चस्व बना लेगा, मगर विनाश की विभीषिका के आतंक से भयभीत ओपनहाइमर ने सरकार से सहयोग नहीं किया। तभी सिनेटर जोसेफ मैकार्थी का आविर्भाव हुआ। वे इतिहास में कम्युनिस्टों के उग्रतम विरोधी और सोवियत रूस के घोरतम शत्रु के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने ओपनहाइमर को सोवियत कम्युनिस्टों का यार करार दिया। तभी से इस भयातुर वैज्ञानिक की दुखगाथा शुरू हुई।

विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद, ओपेनहाइमर नवनिर्मित संयुक्त राज्य अमेरिका परमाणु ऊर्जा आयोग की प्रभावशाली जनरल एडवाइजरी कमेटी के अध्यक्ष बने। उन्होंने परमाणु प्रसार को बाधित करने और सोवियत संघ के साथ परमाणु हथियारों की दौड़ को रोकने के लिए परमाणु ऊर्जा के अंतर्राष्ट्रीय नियंत्रण के लिए अपने पद का उपयोग किया। उनके स्पष्ट विचारों के लिए कई नेताओं की आलोचना के बाद, ओपनहाइमर की 1954 में एक फरेबी सुनवाई में शासकीय सुरक्षा गारंटी रद्द कर दी गई। आरोपी बनाया। प्रभावी रूप से उनकी प्रत्यक्ष राजनीतिक शक्ति को क्षीण कर दिया गया। तब भी उन्होंने भौतिकी में व्याख्यान, लेखन और काम करना जारी ही रखा।

नौ साल बाद राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने उन्हें सम्मानित किया। उपराष्ट्रपति लिंडन बी जॉनसन ने उन्हें राजनीतिक पुनर्वास के संकेत के रूप में एनरिको फर्मी पुरस्कार के साथ नवाजा। ओपनहाइमर सदैव हाइड्रोजन बम के निर्माण के खिलाफ थे। उन्हें वर्षों तक सरकार द्वारा यातना पहुंचाने के बाद, समूचे अमेरिकी राष्ट्र ने उनके साथ सिनेटर मैकार्थी द्वारा किए अत्याचार का विरोध किया गया। जब उनके रूसी जासूस होने का कोई प्रमाण नहीं मिला, तो उन्हें दोषमुक्त किया गया, मगर तब तक ओपनहाइमर का निधन हो चुका था। ओपनहाइमर का दृष्टांत केरल के अंतरिक्ष वैज्ञानिक नंबी नारायण को पाकिस्तानी जासूस बताकर उत्पीड़ित करने के समान था। उच्चतम न्यायालय ने नारायण को निर्दोष करार दिया, मगर तब तक तीन दशक बीत चुके थे।

सोशल फोरम

रमादान या रमजान

परंपरा से भारतीय रमजान बोलते आये हैं। रमजान हमारे देश में ईरान से आया। मूल अरबी शब्द का उच्चारण "रमादान" से मिलता जुलता है। दोनों के प्रयोग सही हैं।

कुछ वर्ष पहले एक समाचार पत्र में 'सोशियो लिंग्विस्टिक्स' के एक प्राध्यापक रिजवान अहमद साहब का इस पर एक लेख आया था जिसमें उन्होंने कहा कि अपना नाम वे दो तरह से बोलते हैं, अरब देशों में "रिदवान" और भारत में "रिजवान"। उन्होंने यह भी लिखा है कि चाहे लिखने में हम लोग रमादान लिख लें, बोलने में हम रमजान ही बोलते हैं। शायद ही कोई कहते हों कि "अगले रमादान के पहले मैं आपसे मिलूंगा", वे प्रायः हमेशा कहते हैं, "अगले रमजान के पहले मैं आपसे मिलूंगा।"

बढ़ी समृद्धि से सऊदी अरब ने दुनियाभर के मदरसों और भारत के मदरसों को भी आर्थिक मदद दी और उन मदरसों में फारसी रमजान या खुदा की जगह अरबी रमादान और अल्लाह के प्रयोग को सही बताया गया। उन मदरसों से पढ़े विद्वानों ने रमजान की जगह रमादान के प्रयोग को सही बताया और धीरे-धीरे यह प्रचलन में आ रहा है।

सचिदानंद सिंह
मुंबई

क्या रमादान का वहहाबीवाद से कोई संबंध है? बिल्कुल नहीं, सिवा इसके कि मुहम्मद इब्न अब्द अल-वहाब अरब में पैदा हुआ था जहां रमादान बोला जाता है। पिछली सदी के सत्तर के दशक में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया था और अरब देशों की बढ़ी समृद्धि के चलते भारत से लाखों श्रमिक वहां गए और उनके मुंह से रमादान सुनते भारत आए।

बढ़ी समृद्धि से सऊदी अरब ने दुनियाभर के मदरसों और भारत के मदरसों को भी आर्थिक मदद दी और उन मदरसों में फारसी रमजान या खुदा की जगह अरबी रमादान और अल्लाह के प्रयोग को सही बताया गया। उन मदरसों से पढ़े विद्वानों ने रमजान की जगह रमादान के प्रयोग को सही बताया और धीरे-धीरे यह प्रचलन में आ रहा है।

-फेसबुक वॉल से

नई शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा का वर्तमान और भविष्य

नई शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) में एक ऐसी भारतीय शिक्षा प्रणाली की संकल्पना की गई है, जो भारतीय परंपराओं, मूल्यों, लोकाचारों, संस्कारों का संरक्षण, तथा वर्तमान एवं भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण में परिवर्तन लाने के लिए अपना बहुमूल्य योगदान प्रदान करेगी। नई शिक्षा नीति-2020 छात्रों का सर्वांगीण विकास कर उनको वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाने एवं विकसित होने का समान अवसर प्रदान करती है। एनईपी भारत की मिडिल स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक ग्रामीण एवं शहरी दोनों में व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए ऐसी रूपरेखा तैयार की गई है, जो भारत को वैश्विक स्तर पर महाशक्ति बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

एनईपी में व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष महत्व दिया गया है, क्योंकि आज के समय में व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से ही भारत को एक मजबूत राष्ट्र बनाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में छात्रों के लिए प्रारंभ से लेकर शिक्षा के अंतिम छोर तक नवीन प्रणाली का विकास किया गया है। जिसमें फाउंडेशनल एवं प्रीपेटरी स्तर पर बच्चों को इस तरह की शिक्षा और संस्कार देने का प्रावधान किया गया है जिससे उनके बचपन की नींव मजबूत हो सके। मिडिल एवं सेकेंडरी स्तर पर ऐसे विषयों का समावेश तथा चुनाव करने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है जिससे छात्र तनावमुक्त रहें। उच्च शिक्षा स्तर पर छात्रों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुसार विषयों का चुनाव एवं आजीविका हेतु व्यावसायिक विषयों एवं प्रशिक्षण का चुनाव करने की व्यवस्था की गई है, जो छात्रों का सर्वांगीण विकास एवं आजीविका अर्जन हेतु सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण प्रदान करेगी। वर्तमान में नई शिक्षा नीति का मसौदा इस तरह से तैयार किया गया है कि पूर्व शिक्षा नीतियों में जो खामियां रह गई थीं उनमें संशोधन करके वर्तमान और भविष्य को ध्यान में रखते हुए नवीन और आशावादी दृष्टिकोण से संचालित एवं क्रियान्वित किए जाए, जो छात्रों के साथ-साथ अभिभावकों एवं शिक्षकों को भी एक स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में सहायक होगी। एनईपी 21 वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है, जो 34 साल पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 का स्थान ग्रहण करती है। यह नीति सामान्य पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के मूलभूत स्तंभों पर निर्मित है। एनईपी शिक्षा के सतत विकास के 2030 एजेंडा के अनुरूप स्कूल एवं कॉलेज स्तर की शिक्षा को अधिक समृद्ध, लचीला, बहुउद्देशीय तथा आवश्यक बनाती है। शिक्षा को 21 वीं सदी की जरूरत के अनुकूल बनाना और छात्रों की अद्वितीय क्षमता को निखार कर सामने लाना एक जीवंत उदाहरण है।

डॉ. अंजू सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर, एमपी पीजी डिग्री कॉलेज, शाही, बरेली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है, क्योंकि आज के समय में व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से ही भारत को एक मजबूत राष्ट्र बनाया जा सकता है।

भारत में नई शिक्षा नीति 2020 को वैश्विक ज्ञान एवं महाशक्ति में बदलने का लक्ष्य रखा गया है। नई शिक्षा नीति 2020 का समाज पर भी सीधा एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत हुए परिवर्तनों से विद्यार्थियों का पुनः समाजीकरण होगा जो उन्हें समाज में समायोजित करने में सहायक होगा। छात्रों में अपनी संस्कृति, सभ्यता, प्रथाओं परंपराओं एवं रीति-रिवाजों को सहेजने तथा उनके अनुरूप व्यवहार करने का गुण विकसित होगा और वह सामाजिक मूल्यों को ग्रहण करने में सक्षम हो सकेंगे जिससे सांस्कृतिक हस्तांतरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित होगी। एनईपी 2020 विद्यार्थियों का समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करने में सहायक होगी जिससे उनमें सामाजिक गुणों का विकास होगा। इसीलिए कहा जा सकता है कि नई शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एनईपी का प्रमुख उद्देश्य सभी वर्गों के छात्रों में दक्षता, वैज्ञानिक स्वभाव, सौंदर्यबोध, नैतिक तर्क, डिजिटल साक्षरता, भारतबोध और चेतना का विकास करना है। साथ ही राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की प्रमुख भारतीय भाषाओं को महत्व, पाठ्यक्रम को और अधिक गुणवत्ता युक्त, लचीला और मूल्यांकन परक करने की बात कही गई है। नई शिक्षा नीति भारतीय जीवन मूल्य पर आधारित होने के साथ ही भारतीय परंपराओं, संस्कृति एवं भाषाओं को प्रोत्साहन, पुनर्स्थापना एवं प्रचार-प्रसार पर बल देती है और यह आने वाले समय में भारत को समर्थ, गौरवशाली और आत्मनिर्भर बनाने की प्रमुख भूमिका निभाएगी। इसमें शिक्षा व्यवस्था के चार प्रमुख आयाम विद्यार्थी, अध्यापक, पाठ्यक्रम और ढांचागत सुविधाओं को रेखांकित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एनईपी में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी आमूलचूल परिवर्तन की बात पर विशेष बल दिया गया है। इसमें बहु विषयक विश्वविद्यालय की स्थापना तथा अंतर्विषयक शोध प्रमुख रूप से होंगे जिससे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों का भविष्य सुनहरा, सुखमय और आशावादी होने की उम्मीद की जा सकती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है, क्योंकि आज के समय में व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से ही भारत को एक मजबूत राष्ट्र बनाया जा सकता है। जब देश में आर्थिक समृद्धि अधिक होगी तभी हमारी विधि, कृषि, चिकित्सा आदि क्षेत्रों में क्रांति लाई जा सकती है।

बहुजनों के चमत्कारिक नेता कांशीराम

कांशीराम को बहुजन नायक तक के सफर में जो धुरी बनी, वो थी 1964 में तथागत बुद्ध व बाबा साहब अम्बेडकर की छुट्टियों को रद्द किया जाना। वे डी के खापर्डे और दीनाभाना छुट्टियों की बहाली के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे।

इन्होंने बाबा साहब की लिखी पुस्तक 'जातिभेद का उच्छेद' पढ़ने को दी जिसे पढ़कर कांशीराम नाम की चिंगारी सुलगी और बहुजन राजनीति की नींव पड़ी। अगर वो घटना न घटी होती तो कांशीराम डीआरडीएल में अनुसंधान अधिकारी पद पर नियुक्त हुए रहते और पदोन्नति प्राप्त करते हुए सरकारी सेवा से मुक्त होकर, अन्य कर्मचारियों व अधिकारियों की तरह व्यक्तिगत अर्थव्यवस्था को जरूर मजबूत कर लेते, लेकिन भारत में उनके बहुजन राजनीतिक आंदोलन से जो परिवर्तन आया वो नहीं आया होता। वर्तमान में मान्यवर साहब जैसे करिश्माई नेताओं की कमी है। कांशीराम ने फुले, आंबेडकर, छत्रपति साहूजी महराज के विचारों को आगे कर राजनीति की जमीन हरी की और ऐसे लोग, जो हमेशा वोट बने रहे उनमें जनता के नेतृत्व करने की ललक पैदा की। मान्यवर कांशीराम ने सामाजिक स्थिति को राजनीति में उपकरण की तरह उपयोग किया जिनमें कुछ खोज कमाल के हैं। उन्होंने सचल आंबेडकर मेला, पूना समझौते की निंदा, दो पैरों और दो पहियों का कमाल सरीखे कार्यक्रम कर स्लोगन से वंचित तबकों तक अपना संदेश पहुंचाने में कामयाब रहे। आज भी कांशीराम साहब के विचारों पर चलकर राजनीति में बड़ा मुकाम बनाकर सत्ता तक पहुंचा जा सकता है।

सुरेन्द्र सोनकर
सामाजिक चिंतक

चुनाव कमाल का...

- पहली लोकसभा के चुनाव 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 के बीच कराए गए थे। उस समय लोकसभा में कुल 489 सीटें थीं लेकिन संसदीय क्षेत्रों की संख्या 401 थी। लोकसभा की 314 संसदीय सीटें ऐसी थीं जहां से केवल एक-एक प्रतिनिधि चुने जाने थे। 86 संसदीय सीटें ऐसी थी जिनमें दो-दो लोगों को सांसद चुना जाना था, वहीं नॉर्थ बंगाल संसदीय क्षेत्र से तीन सांसद चुने गए थे।
- प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे मात्र नेता हैं जिन्होंने उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश और दिल्ली राज्यों से लोकसभा के चुनाव में कामयाबी हासिल की
- काका जोगेन्दर सिंह जो धरती पकड़ के नाम से भी मशहूर थे 25 बार चुनाव हारे। धरती पकड़ वी.पी. सिंह और राजीव गांधी जैसे बड़े-बड़े नेताओं के खिलाफ भी उम्मीदवार रहे जिनके लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जाते थे ताकि कहीं उनकी मौत की वजह से चुनाव रद्द न कर दिया जाए।

चुनावी तीर

कांग्रेस 70 साल तक राम मंदिर के मुद्दे को अटकाती रही, लटकाती रही, भटकाती रही। लेकिन मंदिर नहीं बनाया और जब इन्हें राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया गया, तो वोट बैंक की लालच में इन्होंने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार किया।

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

नरेंद्र मोदी सरकार ने काफी शोर-शराबे के साथ महिला आरक्षण बिल पास किया, लेकिन उसे लागू करने के लिए सर्वे करने की बात की, इसमें 10 साल लगेंगे, हमारी सरकार आती हैं तो बिना सर्वे के महिलाओं को आरक्षण देंगे

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आंदोलन के बाद मंदिर निर्माण सियासी कसौटी पर

- राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार : मंदिर आंदोलन के बाद अब श्रीराम मंदिर का निर्माण सियासत की कसौटी पर है। चुनाव-दर-चुनाव अयोध्या नए सियासी समीकरण गढ़ती रही है। चुनाव की मुनादी के पहले ही अयोध्या पर फोकस हो गया। एक बार फिर प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष विकास संग अयोध्या चुनावी सियासत के केंद्र में घूम रही है।

यूं तो राम मंदिर आस्था व श्रद्धा का केंद्र है। अयोध्या सदियों से आस्था का केंद्र रही है, लेकिन चार दशक से यह सियासत के भी केंद्र में है। 40 साल बाद भी अयोध्या की सियासी चमक वैसी है। दलों को लुभाती है। बदला है तो केवल परिदृश्य। राजनीतिक दलों ने अयोध्या के मुद्दे को भुनाने की कोशिश की। कांग्रेस रही हो या भाजपा। सपा या बसपा। श्रीराम मंदिर आंदोलन नए सिरे से सन् 1984 में शुरू हुआ। पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या हुई। चुनाव में कांग्रेस ने 404 सीटों से बढ़त पाई। नए दल के रूप में दो सीटों से भाजपा ने खाता खोला। आंदोलन के समर्थन से भाजपा ने जो सियासी पारी शुरू की वह अब तक बरकरार है। जैसे-जैसे आंदोलन चढ़ा, दूसरे मुद्दे भी आए, लेकिन अयोध्या का प्रभाव कायम रहा। इतिहास पर गौर करें तो कई ऐसे अवसर आए जब अयोध्या को पर्दे के पीछे करने की कोशिश हुई लेकिन ऐसा हो नही पाया। 1989 से अब तक का परिदृश्य इसी ओर इशारा करता है। 1989 में मंडल और मंदिर एक साथ नारा बने, 1990 में ढांचा विध्वंस हुआ। धर्म निरपेक्षता पर बहस हुई, लेकिन सियासत की तासीर में अयोध्या बनी रही। हां इतना जरूर है कि चुनाव-दर-चुनाव आंकड़ों की तस्वीर बदलती रही। नब्बे के दशक में अयोध्या और राम मंदिर अवाम के बीच राष्ट्रीय मुद्दा बन गया।

राष्ट्रीय मुद्दों के बीच अयोध्या के साथ भाजपा फर्श से अर्स की ओर बढ़ती रही तो कांग्रेस का पराभव का दौर शुरू हो गया। 13 माह और 13 दिन की सरकार बनाने के बाद 1996 में भाजपा सत्ता की सीढ़ी चढ़ने में कामयाब हो गई। 1999 से 2004 तक सत्ता में रही। इसके पीछे राम मंदिर आंदोलन और अयोध्या ही रही। सन 1984 में 404 सीटों पर रहने वाली कांग्रेस 35 साल बाद 2019 में 52 पर सिमट गई। दो के आंकड़े से बढ़ने वाली भाजपा 2019 में 303 तक पहुंच गई।

नौ नंवबर 2019 को अयोध्या के श्रीराम मंदिर पर फैसला आया। चमक बढ़ गई। कोरोना के दौर में पांच अगस्त 2020 को भूमि पूजन हुआ। मंदिर निर्माण शुरू होने के साथ सियासत गरमाने लगी। निर्माण के श्रेय को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला।

- चुनाव दर चुनाव नए समीकरण गढ़ती रही अयोध्या, मुनादी के पहले ही अयोध्या पर फोकस

13 माह और 13 दिन की सरकार बनाने के बाद 1996 में सत्ता की सीढ़ी चढ़ने में कामयाब हो गई भाजपा

अरसे से सियासत में शामिल अयोध्या

22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा में स्वय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। यह बड़ा संकेत रहा। पर्दे के पीछे की सियसात का खेल शुरू हुआ। राम दर्शन के जरिए प्रदेशों की भाजपा सरकारें राम लला के चरणों में नतमस्तक हुई। पूरे देश के लोगों को यात्रा के जरिए इसे परवान चढ़ा दिया गया। विपक्षी दल के नेताओं को उभारकर घेरने की रणनीति चल रही है। भाजपा और कांग्रेस के बीच अयोध्या और यात्रा के जरिए सियासी युद्ध चरम की ओर है। चुनावी चंदा और छापों की धमक है। चुनाव की घोषणा होने वाली है। आंदोलन से निकलकर धार्मिक पर्यटन की नगरी अयोध्या और राम मंदिर फिर सियासत के बीच कसौटी पर है। इसके सियासी लाभ हानि का आंकलन किया जा रहा है। पक्ष और विपक्ष इसे साधने के साथ मुकाबले की राह पर चल पड़े हैं।

सियासतदानों का एक धड़ा इसे मुद्दा बनने से रोकने में लगा रहा तो दूसरा धड़ा अप्रत्यक्ष सियासत के केंद्र में रखने में लगा रहा। राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के जरिए पूरे देश को आंदोलन की तर्ज पर राम मय बनाने की कोशिश शुरू हुई।

22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा में स्वय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शामिल होना रहा बड़ा संकेत

1984 में श्रीराम मंदिर आंदोलन नए सिरे से आरंभ हुआ और भाजपा ने जो पारी शुरू की वह अब तक है बरकरार

ईवीएम आंदोलनकारियों को निर्वाचन आयोग नहीं दे रहा है समय : दिग्विजय

नई दिल्ली, ब्यूरो

अमृत विचार: कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा है कि चुनावों में ईवीएम मशीनों द्वारा हेरा फेरी का आरोप लगाने वाले आंदोलनकारियों को निर्वाचन आयोग 7 माह से बातचीत का समय नहीं दे रहा है।

ईवीएम मुक्त भारत अभियान की शुरुआत करते हुए करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा है कि अब ईवीएम के खिलाफ देश के कोने कोने में आवाज उठ रही है। इंडिया गठबंधन की ओर से इस मामले में करीब सात महीने से चुनाव आयोग से समय मांगा जा रहा है, लेकिन कोई उत्तर अब तक नहीं मिला। पूरे देश में जन आंदोलन की बाढ़ सी आ गई है। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच का बनाना आवश्यक हो गया है, जिसे 'ईवीएम मुक्त भारत अभियान' के नाम से जाना जाएगा। सिंह ने कहा कि ईवीएम मुक्त भारत अभियान में राजनैतिक, सामाजिक, नागरिक सहित विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व है और यह गैर राजनैतिक होगा। चुनाव आयोग निष्पक्ष रहा नहीं। जब तक पेपर बैलेट से चुनाव होता था, तब काफी हद तक चुनाव आयोग के नियंत्रण में प्रक्रिया हुआ करती थी। ईवीएम के प्रवेश से भारत सरकार की तमाम एजेन्सी जैसे भारत एलेक्ट्रॉनिक्कस लिमिटेड, इलेक्ट्रानिक्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया और निजी क्षेत्र से टेक्निकल लोग शामिल हो गए हैं, ऐसे में तो निष्पक्षता का होना लगभग असंभव है। एक आम दलील यह दी जाती है की बैलेट पेपर से चुनाव कराना खर्चीली प्रक्रिया है, जो एक बहुत बड़ा भ्रम है। बैलेट पेपर से चुनाव कराने में 2 सप्ताह की तैयारी चाहिए। अगर यह नहीं संभव है तो वीवीपैट की पर्ची वोटर के हाथ में दी जाए और वह एक डिब्बे के अंदर स्वयं डाल दे।

सिंह ने बताया कि उक्त आंदोलन के लिए गठित समिति में मेरे अलावा दीपक बाबरिया, उदित राज, एमजे देवाशहायम (सिटीजन इलेक्शन कमीशन), वामन मेश्राम (बामसेफ), कामरेड दीपांकर भट्टाचार्या (सीपीआईएमएल), गुरनाम सिंह चढूनी (किसान नेता), स्मिता कमले (इंडिया अगेन्सट ईवीएम), एडवोकेट महमूद प्राचा, राजेन्द्र पाल गौतम (एमएलए), अशोक शर्मा (पूर्व राजदूत), गौतम लहरी (प्रेसीडेंट, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया) को नामित किया गया है।

अमीरों को कर्ज माफी किसानों को नहीं : राहुल

नासिक। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) सत्ता में आता है तो वह किसानों की आवाज बनेगा। ऐसी नीतियां लाएगा जो उनकी सुरक्षा कर सके। किसानों को जीएसटी से बाहर करने का वादा किया।

गांधी कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के तहत राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के साथ महाराष्ट्र के नासिक जिले के चंदवाड में एक किसान रैली को संबोधित कर रहे थे। गांधी ने कहा, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सरकार किसानों की आवाज बनेगी और उनके हितों की रक्षा के लिए काम करेगी। अगर अमीर लोगों का कर्ज माफ किया जा सकता है तो किसानों को भी लाभ मिलना चाहिए। मेरी और हमारी सरकार के दरवाजे किसानों के लिए हमेशा खुले रहेंगे। राकांपा (एसपी) नेता शरद पवार और कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने किसान और कृषि क्षेत्र की दशा को लेकर केंद्र सरकार पर उदासीन रवैये का आरोप लगाया। किसानों को उनकी फसल की उचित कीमत नहीं मिलती है जिस वजह से वे कर्जे में डूब जाते हैं और आत्महत्या करते हैं।

यूपी में बसपा के बगैर कैसे भाजपा को रोकेगा 'इंडिया'

- धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार: क्या बसपा के बिना 'इंडिया' गठबंधन के अहम घटक सपा और कांग्रेस मिलकर भाजपा को रोक पाएंगे। यह सवाल इनदिनों चट्टी-चौराहों पर आम मतदाओं से लेकर राजनीतिक पंडितों के बीच चर्चा में शामिल है। भाजपा के मिशन-80 को आधे से भी कम पर समेटने का दावा करने वाले विपक्ष के समीकरणों का गणित भी यहीं पर आकर अकट जा रहा है।

नरेंद्र मोदी को नेतृत्व देने से पहले भाजपा की हैसियत डांवाडोल थी। 13 दिन की सरकार समेत तीन बार सत्ता में आने पर भाजपा सरकार एक बार भी पांच साल का कार्यकाल पूरा न कर सकी। प्रदेश में 1984 में दो सीटों से बढ़ते हुए अधिकतम सीटें जीतने का आंकड़ा 2004 में 186 था। फिर भी सरकार कांग्रेस की बनीं और यह सिलसिला 2009 के चुनाव में भी कायम रहा, तब भाजपा गठबंधन ने 116 सीटें जीती थी। उत्तर-प्रदेश में हाल यह था कि कांग्रेस और भाजपा के हाथ से वोटों की गणित तेजी से फिसलती हुई सपा और बसपा जैसे क्षेत्रीय दलों की झोली में आ गई थी। लेकिन 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी मैजिक ने ऐसा कमाल दिखाया कि सपा और बसपा के सामने भी अस्तित्व बचाने का संकट शुरू हो गया, जबकि कांग्रेस हासिये पर चली गई।

गठबंधन में कांग्रेस का फायदा

सपा से गठबंधन में फायदा कांग्रेस को ही ज्यादा होगा। मुसलमान वोट बंटेगा नहीं और यादव वोट कम वोट से हारने वाली सीटों पर बहुतम दे सकता है। ऐसे में आंकड़ों को गौर से देखें तो कांग्रेस के पास रायबरेली, अमेठी, सहारनपुर, कानपुर, अमरोहा जैसी पांच सीटें ऐसी होंगी जहां से उनकी जीत संभव हो सकती है। 2022 के विधानसभा चुनाव में रायबरेली में चार सीटें सपा की हैं। जब एक भाजपा की है। उसी तरह अमेठी में तीन सीट भाजपा की है तो दो सीट सपा ने जीती है। इसी तरह कई सीटों पर सपा के प्रभाव से कांग्रेस को फायदा हो सकता है। वैसे 2014 और 2019 में समाजवादी पार्टी पांच-पांच सीट ही जीत सकी थी। इस बार भी हालात कुछ बेहतर नहीं हैं। उप्र में वैसे ही राम मंदिर की लहर चल रही है। इस आंधी में अगर सपा का सहारा पाकर कांग्रेस पांच सीटें जीतती है तो बड़ी उपलब्धि होगी। कांग्रेस के साथ से सपा को बस एकमात्र यही फायदा हो सकता है कि बसपा को मुसलमान वोटकटवा मान लें और सपा को शतप्रतिशत वोट मिले। तब मुस्लिम बाहुल्य सीटों भाजपा को जीतना चुनौती होगी।

'बुआ-बबुआ' की जोड़ी ऐसी टूटी कि जोड़ना मुश्किल

राज्य की कुर्सी भी 2017 में भाजपा के हाथ चली गई, तो सपा और बसपा ने अपनी कट्टर दुश्मनी को भुलाकर 2019 के लोकसभा चुनाव में हाथ मिलाया। मगर, यह 'बुआ-बबुआ' के नाम पर चर्चित हुई जोड़ी भी चुनाव में मोदी की आंधी को रोकने में बेअसर रही। बाद में ऐसी टूटी कि वह दर्द इस बार बसपा को इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं बनने दे रहा है। भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस नेताओं की कोशिश थी कि बसपा प्राथमिकता देते हुए सपा के साथ ही इंडिया गठबंधन में शामिल किया जाए। अब सपा-कांग्रेस कैसे बसपा के बगैर मोदी को प्रदेश में रोकेंगे, यह सवाल बना हुआ है।

विधानसभा चुनाव में 'दो युवराज' की जोड़ी फेल

ऐसे में राज्य की कुर्सी के लिए 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा ने कांग्रेस से समझौता किया, तो राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी को नाम दिया गया 'दो युवराज' यानि एक सोनिया गांधी की कांग्रेस परिवार से तो दूसरे मुलायम सिंह यादव के सपा परिवार से उत्तराधिकारी। लेकिन समझौते में 105 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को सिर्फ सात सीटों पर जीत मिली। भाजपा ने 312 सीटें और सहयोगी दलों को मिलाकर रिकार्ड 325 सीटें जीती। योगी आदित्यनाथ की तोजपोशी के बाद दिनोंदिन बदलते नए उत्तर-प्रदेश की तस्वीर ने 2022 में ऐसी हालत पतली कर दी कि भाजपा गठबंधन 273 सीटों पर जीत गया, जबकि सपा ने भाजपा से तोड़कर कुछ सहयोगी दलों के सहारे 125 सीटें जीती, लेकिन चार बार सत्ता संभालने वाली बसपा मात्र एक विधायक वाली पार्टी बनकर रह गई है, जबकि कांग्रेस के मात्र दो विधायक जीते।

भाजपा सांसद वरुण और मेनका के कारण हाईप्रोफाइल है पीलीभीत-बहेड़ी लोकसभा सीट

भाजपा के टिकट का इंतजार, विपक्ष को मजबूत दावेदार की तलाश

- वैभव शुक्ला, पीलीभीत

- साढ़े तीन दशक में हुए नौ चुनाव में छह बार मेनका तो दो बार वरुण गांधी बने सांसद
- वरुण के पार्टी विरोधी रवैये के चलते इस बार किसी अन्य को टिकट के लगाये जा रहे कयास

अमृत विचार : मेनका गांधी और वरुण गांधी के कारण पीलीभीत-बहेड़ी संसदीय सीट हाईप्रोफाइल है। पिछले करीब 35 साल से इन्हीं दोनों पर पीलीभीत के लोगों ने भरोसा जताया लेकिन इस बार वरुण गांधी के लगातार पार्टी विरोधी रवैये के चलते टिकट बदलने के कयास लगाये जा रहे हैं। वरुण के विरोध में पार्टी में ही एक धड़ा सक्रिय है। इसी कारण अभी तक भाजपा ने प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। बदलाव की उम्मीद में स्थानीय और दूसरे जनपदों के कई भाजपा नेता पीलीभीत-बहेड़ी सीट के लिए दावेदारी कर चुके हैं। भाजपा से टिकट की घोषणा न होने के चलते सपा भी चुप्पी साधे है। बसपा ने अनीस अहमद फूल बाबू पर ही फिर भरोसा जताया है।

लोकसभा चुनाव 2024 का अधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन पिछले छह माह से सियासी सरगर्मी बढ़ी हुई है। पीलीभीत-बहेड़ी लोकसभा सीट पर पिछले करीब साढ़े तीन दशक से गांधी परिवार (मेनका गांधी/वरुण गांधी) का कब्जा रहा है। 1989 से लेकर 2019 तक इस सीट पर नौ बार चुनाव हुए। इनमें छह बार मेनका गांधी और दो बार वरुण गांधी सांसद रहे। वर्तमान में वरुण गांधी सांसद हैं। पिछले करीब दो साल से वरुण के तेवर अपनी ही सरकार के विरोध में हैं। कई मौकों पर वह सरकार की तीखी आलोचना कर चुके हैं। कुछ महीनों से तो उन्होंने करीब-करीब हर जनसभा में सरकार की योजनाओं के विरोध को लक्ष्य बना लिया।

राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद, उत्तराखंड के पूर्व सांसद बलराज पासी, निकाय चुनाव के दौरान सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष के पति गुरभाग सिंह, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्ता नंद, पीसीयू सभापति सुरेश गंगवार, पूर्व विधायक किशनलाल राजपूत समेत कई लोग दावेदारों की फेहरिस्त में शामिल हो चुके हैं। हर कोई अपने स्तर से खुद को हाईकमान की कसौटी पर खरा उतारने की कोशिश में है। कुछ लोग राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार व कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद की दावेदारी मजबूत मान रहे हैं। इनके अलावा केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा के नाम की चर्चा भी चर्चा हो रही है। कुछ लोग अभी भी वरुण या मेनका को टिकट मिलने की उम्मीद जता रहे हैं।

भाजपा की स्थिति मजबूत

पिछले करीब एक दशक में भाजपा खुद को खासा मजबूत कर चुकी है। कांग्रेस की हालत पहले से ठीक नहीं रही। बसपा के हाथी की चाल भी 2012 के बाद से तराई में सुस्त है। विपक्षी दल के नाम पर समाजवादी पार्टी कुछ मजबूत स्थिति में है। समाजवादी पार्टी में कई दावेदारों के नाम चर्चा में हैं। पिछले कुछ दिनों से सपा से पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार का नाम जोर शोर से चल रहा है। मगर भाजपा के टिकट की घोषणा होने के बाद ही सपा अपने पते खोलने के मूड में है। तभी लोकसभा चुनाव की सियासत तराई में जोर पकड़ेगी। दावेदारों की लंबी फेहरिस्त है, तो टिकट न मिलने से नाराज होकर भितरघात होना भी चुनाव में आम है।

बसपा का भरोसा फिर फूलबाबू पर

10 मार्च को बीसलपुर में हुए कार्यकर्ता सम्मेलन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बसपा प्रभारी राजकुमार गौतम ने पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू के प्रत्याशी होने की घोषणा की थी। हालांकि यह कोई हैरान करने वाली घोषणा नहीं मानी गई। मौजूदा परिस्थिति को देखते हुए बसपा से फूलबाबू का टिकट पक्का माना जा रहा था। वह पहले भी तीन बार (1999, 2004,2014) बसपा से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं। पहली बार के चुनाव में वह दूसरे व अन्य दोनों चुनाव में तीसरे नंबर पर रहे। उनके नाम की घोषणा के साथ बसपा दलित-मुस्लिम वोटरों को साधकर तराई में खो चुकी सियासी जमीं को पाने का प्रयास कर रही है।

2019 का परिणाम			
पार्टी	प्रत्याशी	वोट	प्रतिशत
भाजपा	वरुण गांधी	7,04,549	59.38
सपा	हेमराज वर्मा	4,48,922	37.83
जीत	2,55,627 वोट		
2014 का परिणाम			
भाजपा	मेनका गांधी	5,46,934	52.06
सपा	बुद्धसेन वर्मा	2,39,882	22.83
जीत	3,07,052 वोट		
2009 का परिणाम			
भाजपा	वरुण गांधी	4,19,539	50.09
कांग्रेस	वीएम सिंह	1,38,038	16.48
जीत	2,81,501 वोट		
2004 का परिणाम			
भाजपा	मेनका गांधी	2,55,615	37.75
सपा	सत्यपाल गंगवार	1,52,895	22.58
जीत	1,02,720 वोट		
1999 का परिणाम			
स्वतंत्र	मेनका गांधी	4,33,421	57.94
बसपा	अनीस अहमद खान	1,93,566	
जीत	2,39,855 वोट		

शिवपाल बोले- सपा से रूठे लोगों को घर जाकर मनाएंगे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- भाजपा ने नहीं पूरे किए वादे, सभी 80 सीटों पर मिलेगी हार
- प्रत्याशी बनाए जाने के बाद पहली बार बदायूं पहुंचे शिवपाल यादव

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को लेकर चल रहा संशय गुरुवार को समाप्त हो गया। शिवपाल सिंह यादव की जिले में आमद हुई। कहा कि इंडिया गठबंधन की वजह से भाजपा अभी तक प्रत्याशी नहीं ढूंढ सकी है। उन्होंने कहा, सपा से दूर हुए लोगों का मनमुटाव दूर करने के लिए उनके घर जाएंगे। भाजपा ने अपने वादे पूरे नहीं किए इसलिए सभी 80 सीटों पर हार मिलेगी।

गुरुवार को वह तीन दिवसीय दौरे पर बदायूं आए। उझानी के एक मैरिज लॉन में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन से भाजपा सभी 80 सीटें हारेगी। भाजपा बदायूं से प्रत्याशी तक घोषित नहीं कर सकी है। भाजपा सत्ता के घमंड में है। वह बोले कि बदायूं सपा का गढ़ रहा है। नेता जी मुलायम सिंह यादव, प्रोफेसर रामगोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव यहां से सांसद हुए। अब हम भी बदायूं आए हैं। सलीम इकबाल शेरवानी और आबिद रजा की नाराजगी के बारे में उन्होंने कहा कि जो भी रूठा है उन सभी को मना लेंगे। जरूरत पड़ने पर उनके घर भी जाएंगे। अयोध्या जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अयोध्या में मंदिर बन गया है। भगवान जब बुलाएंगे अयोध्या जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिले का विकास उनकी प्राथमिकता है। भाजपा बताए कि जिले में उन्होंने कितना विकास कराया है। भाजपा के सभी वादे खोखले हैं। प्रेस वार्ता के दौरान बरेली के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरपाल सिंह यादव, आंवला लोकसभा सीट के सपा प्रत्याशी नीरज मौर्य आदि भी मौजूद रहे।

एक नजर

आवारा पशुओं से परेशान लोगों ने किया प्रदर्शन

बागेश्वर : मंडलसेरा के लोग इन दिनों आवारा पशुओं के आतंक से परेशान हैं। गुरुवार को लोगों ने जिला मुख्यालय में प्रदर्शन करते हुए रोष प्रकट किया। साथ ही डीएम को ज्ञापन सौंपकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने कहा कि आवारा पशु आये दिन उनकी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हजारों रुपये खर्च कर उन्होंने रबी की फसल की बुआई की। जिस खेत से वह सालभर का राशन उगाते थे आज उससे एक भी अन्न का दाना नहीं मिल रहा है। खेतों में की गई तारबाड़ को वाहनों ने क्षतिग्रस्त कर दिया है। इससे उनकी परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने डीएम से खेतों का मुआयना कर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि अगर मांग पूरी नहीं हुई तो वह आवारा पशुओं के साथ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इस दौरान हेम चंद्र जोशी, दीप चंद्र जोशी, मनोज लाल साह, गोपाल जोशी, आशा जोशी, पूनम जोशी, पूजा जोशी, बबीता पांडे, आनंद नेगी, राशि साह, पुष्पा देवी आदि मौजूद रहे।

आक्रोश : रोड नहीं तो वोट नहीं

संतपोखरा के ग्रामीणों ने कलक्ट्रेट में प्रदर्शन कर दी चेतावनी, बोले-15 सालों से कर रहे हैं मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : सीमांत जनपद पिथौरागढ़ के संतपोखरा क्षेत्र के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण न होने पर गुरुवार को कलक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि वह क्षेत्र के गांवों को सड़क से जोड़ने की मांग पिछले 15 सालों से करते आ रहे हैं, लेकिन आज तक उनकी मांग पर कोई गौर नहीं किया गया। चेतावनी दी कि अगर लोकसभा चुनाव से पूर्व सड़क का कार्य शुरू नहीं हुआ तो वह मतदान नहीं करेंगे।

गुरुवार को संतपोखरा समेत लोधगाड़, भैंसियाचौबाट व तल्ला ज्ञालपानी समेत आसपास के तोकों के ग्रामीण टकाना स्थित कलक्ट्रेट में एकत्र हुए। जहां उन्होंने सरकार और संबंधित विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क के अभाव में जिले के इन दूरस्थ गांवों का आज तक विकास नहीं हो पाया है। यहां रहने वाले लोगों को बुनियादी सुविधाएं तक मुहैया नहीं हैं। उनकी सालों की मांग के बाद भी सड़क का निर्माण नहीं हो सका है। जिस कारण ग्रामीणों को आये दिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क के अभाव में गांवों में पलायन लगातार बढ़ता जा रहा है। लेकिन सरकार उनकी मांग पर कोई गौर नहीं कर रही है। उन्होंने प्रदर्शन के बाद डीएम को एक ज्ञापन भी भेजा। जिसमें उन्होंने मांग पर कोई कार्रवाई न होने पर आक्रोश जताते हुए लोकसभा चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी दी है। प्रदर्शन के दौरान प्रेम सिंह भाटिया, दीवान खनका, हरीश राम, कुबेर, राम कुमार, कुंडल समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

पिथौरागढ़ कलक्ट्रेट में प्रदर्शन करते संतपोखरा के ग्रामीण। ● अमृत विचार

वापस लिया चुनाव बहिष्कार का निर्णय

बागेश्वर, अमृत विचार : कांडा के छह गांव के लोगों ने मांग पूरी होने के बाद लोकसभा चुनाव बहिष्कार का निर्णय वापस ले लिया है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग से जल्द काम शुरू करने की मांग की है।

पौंसा पोस्ताला नरगोली सड़क के सुधारीकरण, डामरीकरण तथा बांसपटान सड़क से लिंक करने की मांग को बागेश्वर व पिथौरागढ़ जिले की छह ग्राम पंचायतों के लोगों ने लोकसभा चुनाव बहिष्कार का निर्णय लिया था। गुरुवार को पिथौरागढ़ डीएम के निर्देश पर ईई ने ग्रामीणों को लिखित आश्वासन दिया कि पांच किमी सड़क में डामरीकरण कार्य के लिए कार्रवाई चुनाव समाप्त होते ही कर दी जाएगी। जहां-जहां सुधारीकरण की आवश्यकता है उसे भी तुरंत किया जाएगा। इसके बाद ग्रामीणों ने चुनाव बहिष्कार का निर्णय वापस ले लिया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष दरपान राम टम्टा, सतीश उप्रेती, भगवान राम, भाष्कर चंतोला, गोविंद कुमार मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

न्याय न मिलने पर इच्छा मृत्यु की मांग

बनबसा : अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के नगर अध्यक्ष प्रमोद रत्नाकर ने डीएम चंपावत के माध्यम से राज्यपाल व मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर सफाई कर्मियों को न्याय न दिये जाने के विरोध में इच्छा मृत्यु की मांग की है। ज्ञापन में कहा है कि उत्तराखंड शाखा निरंतर सरकार से डॉ. ललित मोहन रयाल की तीनों कमेटियों की सिफारिश कराए जाने के लिए पिछले दो वर्षों से संघर्ष कर रही है। इस संबंध में कर्मचारियों ने कई बार सरकार और शासन को ज्ञापन भेजे, दो बार सामूहिक गिरफ्तारियां दी, मशाल जुलूस, पोस्ट कार्ड कैम्पेन, अनशन और बीती 12 फरवरी को सचिवालय का घेराव कर विरोध जताया था। जिसके बाद इस समस्या के संबंध में वार्ता का आश्वासन दिया गया, लेकिन वर्तमान तक शासन और प्रशासन से उनकी समस्याओं के संबंध में कोई वार्ता नहीं हुई है। जिससे विवश होकर वह राज्यपाल और मुख्यमंत्री से इच्छा मृत्यु की मांग कर रहे हैं।

चेकिंग अभियान तेज

अल्मोड़ा : लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एसएसपी देवेंद्र पींचा के निर्देश पर जिले भर में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। एसएसपी ने जिले के सभी थानाध्यक्षों को प्रवेश मार्गों पर मादक पदार्थों की तस्करी रोकने, संदिग्ध व्यक्ति और वस्तुओं की तलाश व आपराधिक गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। जिस क्रम में सीओ विमल प्रसाद के नेतृत्व में अर्द्धसैनिक बलों के साथ पुलिस टीम जिले के अलग-अलग स्थानों पर इन दिनों सघन चेकिंग अभियान चला रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अगर चेकिंग के दौरान कोई व्यक्ति गैर कानूनी गतिविधियों में लिप्त पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कार के ऊपर पलटा डंपर

अल्मोड़ा : नगर के दुगालखोला मोहल्ले में बुधवार की रात सड़क पर खड़ा एक डंपर अचानक अनियंत्रित होकर पास में खड़ी एक कार के ऊपर पलट गया। रात करीब एक बजे दुगालखोला की सीएमओ बिल्डिंग के पास सड़क किनारे एक डंपर और कई निजी वाहन खड़े थे। ढलान पर खड़ा डंपर अनियंत्रित होकर पास में खड़ी आल्टो कार के ऊपर पलट गया। इससे अन्य वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हादसा कैसे हुआ इसकी जांच की जा रही है। माना जा रहा है कि हैंडब्रेक न लगने के कारण डंपर ढलान पर आकर कार के ऊपर पलट गया होगा।

कृतिका जोशी का इंस्पायर अवार्ड के लिए चयन

टनकपुर : एमडीएम एजुकेशनल एकेडमी की छात्रा कृतिका जोशी का इंस्पायर अवार्ड के लिए चयन हुआ है। पहाड़ी क्षेत्रों में दुर्घटना की रोकथाम पर आधारित मॉडल के आधार पर कृतिका का चयनित हुआ। प्रधानाचार्य सुनीता चन्द, प्रबंधक धर्मेन्द्र चन्द, शिक्षिका रितु देउपा, शिक्षक एससी बिष्ट, तारा पड़ियार, भावना चन्द आदि ने कृतिका को बधाई देकर उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। शिक्षिका देउपा ने बताया कृतिका ने पहाड़ी क्षेत्रों में दुर्घटना की रोकथाम प्रणाली, दुर्घटना की स्थिति और कारकों को नियंत्रित करने पर प्रोजेक्ट तैयार किया था।

नोडल अधिकारी सजग होकर करें चुनाव कार्य

अल्मोड़ा : लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्वक व व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए सीडीओ आकांक्षा कोंडे ने गुरुवार को विकास भवन में निर्वाचन से जुड़े नोडल अधिकारियों की बैठक ली। सीडीओ ने कहा कि निर्वाचन से जुड़े सभी नोडल अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी सजगता के साथ पूरा करें। जिन नोडल अधिकारियों के साथ उनके कार्यालय या अन्य कार्यालय से कर्मचारी संबद्ध किए गए हैं। उन कार्मिकों का विवरण तत्काल उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जो दायित्व सौंपे गए हैं उनका अनुपालन भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार किया जाए। बैठक में जिला वाइस अधिकारी एसके पंत सहित अन्य नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

स्लोगन प्रतियोगिता के तहत मतदाताओं को जागरूक करतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

स्लोगन से किया मतदान के लिए प्रेरित

बनबसा : राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. आभा शर्मा की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव को लेकर स्वीप कार्यक्रम के तहत स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के छात्रों ने बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया। जिसके निर्णायक डॉ. सुधीर मालिक व हेम कुमार गहतोड़ी रहे। प्रतियोगिता में दीपा विश्वास को प्रथम स्थान, स्वाति गंगवार एवं रिमझिम को द्वितीय स्थान मिला। छात्रों ने स्लोगन के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिया प्रेरित किया। इस अवसर पर स्वीप कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. भूपनारायण दीक्षित, अनिल सिंह राणा, त्रिलोक कांडपाल, नर सोनू, अमर सिंह, विनोद कुमार चंद रहे।

बागेश्वर कलक्ट्रेट सभागार में पत्रकार वार्ता करतीं डीएम अनुराधा पाल।

आचार संहिता लगते ही लागू होंगे आयोग के नियम

बागेश्वर : जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराधा पाल ने कहा कि लोकसभा चुनाव आचार संहिता लगने के बाद चुनाव आयोग के नियम लागू होंगे, जिसका कड़ाई से पालन कराया जाएगा। सरकारी माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार नहीं होगा और न ही कोई नई योजना लागू होगी। गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में पत्रकार वार्ता करते हुए दौरान डीएम ने कहा कि आचार संहिता के दौरान जनता की शिकायतें सुनी जाएंगी। धारा 144 के तहत धरना-प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेंगे। खबरों और विज्ञापन की कमेटी समीक्षा करेगी। पेड न्यूज पर भी नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई भी चैनल ऐसे किसी भी विज्ञापन का प्रसारण नहीं करेंगे जो कि कानून के विपरीत हो। साथ ही ऐसे विज्ञापन की अनुमति नहीं दी जाएगी जो कि किसी धर्म, जाति की भावनाओं से जुड़ा हो। इस दौरान एडीएम एनएस नबियाल, एसडीएम मोनिका, सीईओ गजेंद्र सिंह मौजूद रहे।

परीक्षा के दिन विषय विशेषज्ञ शिक्षक की न लगाएं ड्यूटी

अल्मोड़ा : उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा के दौरान जिस विषय की परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। उस दिन उस विषय के शिक्षक की ड्यूटी परीक्षा के दौरान न लगाई जाए। यह निर्देश माध्यमिक शिक्षा कुमाऊं मंडल के अपर निदेशक लीलाधर व्यास ने शिक्षा अधिकारियों को दिए। अपर निदेशक ने बीते दिन जिले में चल रही बोर्ड परीक्षाओं के दौरान राजकीय इंटर कॉलेज लोधिया, अल्मोड़ा एडम्स इंटर कॉलेज, रैमजे इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज समेत जिले के अनेक परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अपर निदेशक ने कहा कि नकल को प्रभावी तरीके से रोका जा सके। इसके लिए जिस दिन जिस विषय की परीक्षा आयोजित कराई जाए उस दिन उस विषय से जुड़े शिक्षकों की ड्यूटी न लगाई जाए। कहा अगर किसी केंद्र में अनियमितता पाई गई तो उस केंद्र व्यवस्थापक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आंगनबाड़ी वर्कर्स का कार्य बहिष्कार जारी

संवाददाता, टनकपुर/बागेश्वर

अमृत विचार : टनकपुर तहसील और बाराकोट ब्लॉक परिसर में गुरुवार को भी आंगनबाड़ी वर्कर्स का धरना-प्रदर्शन जारी रहा। आंदोलन के 25वें दिन उन्होंने मांगों पर कार्रवाई न होने पर कड़ा आक्रोश प्रकट किया।

टनकपुर तहसील में सरोज मोनी, गीता चंद्र, पुष्पा चन्द, नीरू बिष्ट, साधना, दीपा शर्मा ने प्रदर्शन कर धरना दिया। वहीं बाराकोट ब्लाक अध्यक्ष दमयंती वर्मा और उपाध्यक्ष अनीता देवी के नेतृत्व में वर्कर्स ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती तब तक वह आंदोलन पर डटी रहेंगी। इस दौरान ममता वर्मा, शोभा बोहरा, नीला देवी, संगीता गोस्वामी, पुष्पा देवी, दीपा मेहता, विमला देवी, उमा देवी, देवकी देवी, सुमन देवी, कमला पंत, रेनू अधिकारी, हेमा वर्मा आदि मौजूद रहीं।

इधर, बागेश्वर में भी मासिक मानदेय 18 हजार करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी वर्कर्स का कार्य बहिष्कार जारी रहा। उन्होंने मांग पूरी न होने तक आंदोलन को जारी रखने का निर्णय लिया है। गुरुवार को नुमाईशखेत में नारेबाजी कर प्रदर्शन करते हुए वर्कर्स ने कहा कि वह लंबे समय से मांगों को लेकर आंदोलित हैं, लेकिन सरकार उनकी सुध नहीं ले रही है। उन्होंने हर कार्य को जिम्मेदारी से किया, लेकिन जब मानदेय देने की बात आई तो सरकार ने चुप्पी साध ली। प्रदर्शन करने वालों में भगवती जोशी, लीला आर्या, राहिला तबस्सुम, गीता पांडे, देवकी रावल, नेहा मलड़ा, निर्मला चौबे, नीमा गोस्वामी, जया जोशी, किरन साह, बसंती देवी, मंजू वर्मा आदि शामिल रहीं।

मांगों को लेकर धरने पर बैठीं आंगनबाड़ी वर्कर्स। ● अमृत विचार

देयकों का भुगतान न होने से सस्ता गल्ला विक्रेता नाराज

संवाददाता, अल्मोड़ा

बैठक

- पीएम गरीब कल्याण योजना के तहत बांटा था मुफ्त राशन
- 16 मार्च को संगठन की बैठक में बनेगी आगामी रणनीति

अमृत विचार: पर्वतीय सस्ता गल्ला विक्रेता कल्याण समिति ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत बांटे गए मुफ्त राशन के देयकों का अभी तक भुगतान न होने पर नाराजगी व्यक्त की है।

संगठन के पदाधिकारियों ने बैठक कर कहा है कि भुगतान न होने के कारण गल्ला विक्रेता आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। समिति के जिलाध्यक्ष संजय साह रिक्खू ने कहा कि जिले के सस्ता गल्ला विक्रेताओं ने पूर्व में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत करीब 11 माह तक उपभोक्ताओं को मुफ्त राशन वितरण किया था। जिसका भुगतान गल्ला डीलरों को आज तक नहीं किया गया है। साह ने आरोप लगाया कि कुछ दिन पूर्व जिला पूर्ति कार्यालय ने गल्ला डीलरों को जानकारी दी थी कि उनके चार माह की लंबित धनराशि सरकार ने अवमुक्त कर दी गई है। लेकिन दो माह बीत जाने के बाद भी अभी तक किसी भी गल्ला विक्रेता के खाते में एक रुपया तक नहीं आया है। उन्होंने कहा कि एक ओर उनका भुगतान रोककर उन्हें परेशान किया जा रहा है। दूसरी तरफ झूठे आश्वासन देकर अधिकारी उनका मजाक बना रहे हैं। जिसे किसी भी कीमत पद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साह ने बताया कि 16 मार्च को गीता भवन में बैठक कर आगामी रणनीति बनाने पर विचार किया जायेगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं को दिए सफलता के टिप्स

लोहाघाट, अमृत विचार : बाराकोट ब्लॉक के चौमेल में भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक आहूत हुई। जिसमें लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने हर बूथ को मजबूत कर पार्टी प्रत्याशी को भारी बहुमत से जिताने का संकल्प लिया। मंडल अध्यक्ष रिंकू अधिकारी की अध्यक्षता और मंडल महामंत्री अजय बिष्ट के संचालन में हुई बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश विस्तारक प्रमुख कुंदन परिहार, विशिष्ट अतिथि लोकसभा विस्तारक सतीश भट्ट और दिनेश खुल्बे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रदेश विस्तारक परिहार ने लोकसभा चुनाव को देखते हुए संगठन की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने हर पन्ना प्रमुख और बूथ अध्यक्षों से सभी लाभार्थियों से मुलाकात कर उन्हें भाजपा की रीति और नीति बताकर पार्टी से जोड़ने के निर्देश दिए। कहा कि जो लोग किसी कारणवश योजनाओं के लाभ से वंचित रह गए हैं, उनको योजना का लाभ दिलाने का प्रयास करें। इस दौरान भाजपा जिला मंत्री राजू अधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक कुलदीप फत्र्याल, उमेश बिष्ट आदि मौजूद रहे।

पॉक्सो एक्ट के अभियुक्त को किया गिरफ्तार

अल्मोड़ा : कोतवाली पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। कोतवाल जगदीश चंद्र देऊपा ने बताया कि दीपक सिंह बिष्ट पुत्र गोविंद सिंह बिष्ट निवासी स्यालीधार पॉक्सो के एक मामले में अभियुक्त था। जो लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था। न्यायालय ने उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। वारंट की तामील करते हुए पुलिस टीम ने गुरुवार को उसे उसके स्यालीधार स्थित घर से गिरफ्तार कर लिया है।

वर्ग पहेली-10

बाएं से दाएं

3. 1. नापाक, अपवित्र 2. मैला-कुचैला, गंदा 3. काला।
4. 1. जिसने दोष या अपराध किया हो, दोषी, अपराधी 2. जिसमें कोई कमी
5. 1. युद्ध का मज़ा या लड़ाई का उत्साह 2. युद्ध, लड़ाई 3. युद्ध क्षेत्र, लड़ाई का मैदान।
9. 1. कूट भाषा 2. किसी संदेश को गुप्त भाषा में परिवर्तित करना 3. नियमावली, आचार संहिता 4. कंप्यूटर में प्रोग्राम लिखने की पद्धति विशेष।
10. विजय करने वाला, विजयी।

ऊपर से नीचे

1. सूंस नामक एक जलीय जंतु।
2. 1. संतुष्ट करने की क्रिया या भाव, तृप्ति 2. संतोष, तोष 3. किसी को तुष्ट करना।
4. रथ, यान।
6. 1. रंगे जाने योग्य 2. जिसका चित्त प्रसन्न किया जा सकता हो 3. हर्ष या आनंद देने वाला।
7. चोरी करने के उद्देश्य से चोरों द्वारा दीवार में किया गया बड़ा छेद जिसमें से होकर चोर किसी कमरे या कोठरी में घुसता है, नकब।
8. 1. जिसके चारों कोने या पार्श्व बराबर हों, चौखूंटा, चौकोना 2. जो हर तरह से ठीक हो।

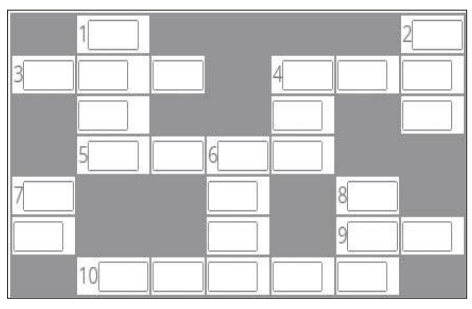

वर्ग पहेली -9 का हल

1 अ	ली	क	■	2 चँ	3 प	ना
■	■	■	4 आ	■	पो	■
■	5 थि	■	6 डं	ठ	ल	■
7 ग	र	का	ब	■	ना	■
■	क	■	री	■	■	8 ध
9 भु	ना	ना	■	■	■	र
■	■	■	10 अ	प	दा	न

सुडोकू -89

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	5				7		8	
		2		9				5
	8			2		4		
4	3							8
							9	
6				3				1
	4	9				3		
5				4		2		
	7		6				5	

सुडोकू -88 का हल

1	7	6	9	8	4	2	5	3
9	8	2	3	6	5	4	1	7
3	4	5	2	1	7	6	8	9
7	5	8	6	3	2	1	9	4
6	2	9	5	4	1	7	3	8
4	3	1	7	9	8	5	2	6
2	1	3	4	7	9	8	6	5
8	9	4	1	5	6	3	7	2
5	6	7	8	2	3	9	4	1

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 15 मार्च, शुक्रवार 2024 संवत-2080, शक संवत 1945 मास-फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-षष्ठी 22.09 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

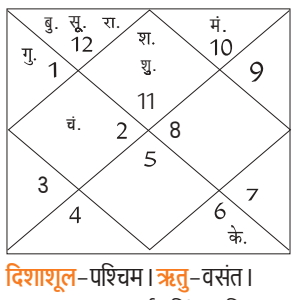

दिशाशूल-पश्चिम। **ऋतु**-वसंत।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृत्तिका 16.08 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज अधिकाधिक समय मनोरंजन और खानपान में व्यतीत करेंगे। शारीरिक कष्ट हो सकता है। छोटे बच्चों की परवरिश को लेकर थोड़े चिंतायुक्त हो सकते हैं। अपने सिद्धांतों और विचारों से समझौता न करें। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

वृष — आज वाहन के रखरखाव में आपको काफी ध्यान देना होगा। रिसर्च से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार को खुश रखने के लिए महंगी वस्तुओं को खरीद सकते हैं। इस समय आपको शांतिपूर्ण तरीके से बिताने की सलाह दी जाती है।

मिथुन — आज किसी महत्वपूर्ण मीटिंग के रद्द होने की संभावना है। अपनी क्षमताओं का तटस्थता से अवलोकन करें और अतिरिक्त बोझ लेने से बचें। लोग आपकी मजबूरी और परेशानियों को दरकिनार कर सकते हैं।

कर्क — आज आर्थिक स्थिति बेहतरीन रहेगी। समाज में आपका व्यवहार सबके प्रति काफी अच्छा रहेगा। नई जॉब ढूंढ रहे हैं तो सफलता मिल सकती है। पहले की गई मेहनत का सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा।

सिंह — आज परामर्श सेवा से जुड़े लोगों के लिए दिन शानदार है। परिवार और समाज के लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। कारोबार में कुछ नवाचार प्रयोग करेंगे। आप लोगों के सामने अपने व्यक्तित्व को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का प्रयास कर सकते हैं।

कन्या — आज अपनी गलतियों से सीखने का प्रयास करें, लेकिन उसे लेकर मन में ग्लानि का भाव भी आपके लिए हितकर नहीं है। आवश्यक कार्यों को दोपहर से पूर्व पूर्ण कर लें। आपके निर्णयों पर नजदीकी लोग ही प्रश्न-चिन्ह लगा सकते हैं।

तुला — आज अधीनस्थ कर्मचारियों की गतिविधियों पर ध्यान दें। अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का पालन करें। अज्ञात भय से ग्रस्त हो सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों के ऊपर न थोपें। किसी मित्र को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे।

वृश्चिक — आज आप नए विचारों के प्रभाव से धनी रहेंगे और इसका लाभ आपको हर जगह प्राप्त होगा। व्यवसाय में आ रहे प्रतिरोधों को चतुराई से दूर कर लेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों की ख्याति बढ़ेगी। ऑफिस के षड्यंत्रों को दूर करने में सफल रहेंगे।

धनु — आज अटके हुए कार्यों को शुरू करने का दबाव रहेगा। जीवनसाथी के साथ कहीं दूर की यात्रा की योजना बना सकते हैं। उधार दिया हुआ धन वापस मिलने के योग बन रहे हैं। बॉस आपको कोई बड़ा काम सौंप सकते हैं।

मकर — आज दिन की शुरुआत बेहतरीन रहेगी। व्यावसायिक साझेदारों के साथ कोई डील करने से पहले उसे अच्छी तरह से समझ लें। जल्दी सफलता प्राप्त करने के लिए शॉर्टकट्स अपनाने से बचें। पैतृक संपत्ति को लेकर कुछ विवाद जन्म ले सकते हैं।

कुंभ — आज ज्यादा भावुक होना भी नकारात्मक हो सकता है। ऑफिस के तनाव का असर घर पर न पड़ने दें। नेटवर्किंग के व्यवसाय से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है। महत्वपूर्ण निर्णयों को लेने से बचें। निराशाजनक विचारों से दूर रहें।

मीन — आज आपका फोकस पूरी तरह से अपने काम पर होगा। आय में वृद्धि होने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपके सामाजिक संबंध विकसित होंगे। अपनी कार्यक्षमता को लोगों के सामने सिद्ध कर पाएंगे।

आज की फिल्में

B4U Movies
साथी — सुबह : 11.00
यह है जलवा — दोपहर : 03.00

Sony Pix
द वॉटर हाउस — सुबह : 10.49
फास्टर — शाम : 05.40

Sony Max
अनाड़ी — सुबह : 10.12
मैं हूं लकी द रेसर — रात : 10.07

Zee Cinema
जान — सुबह : 10.30
हीरोपंती 2 — शाम : 04.30

Colors Cineplex
नजर अंदाज — दोपहर : 01.42
पागलपंती — रात : 07.03

आज की सुपरहिट फिल्म

जी सिनेमा पर शाम 04.30 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पति अपनी पत्नी को इंग्लिश सीखा रहा था।
अगले दिन दोपहर में पत्नी डीनर ले लो जी।
पति- यह डीनर नहीं लंच है जाहिल औरत।
पत्नी- जाहिल तू, तेरा पूरा खानदान यह रात का ही बचा हुआ खाना है। ज्यादा दिमाग मत चला रोटी चर ले।

टीचर- डेट और तारीख में क्या अंतर है?
सारी क्लास चुप
गप्पू- सर, डेट में गर्लफ्रेंड के साथ जाते हैं और तारीख में वकील के साथ
गप्पू की बात सुनकर टीचर दंग रह गई।

इंजीनियर हमारे राज्य की प्रगति का मुख्य स्तंभः धामी

कहा-निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखना तकनीकि संगठनों की जिम्मेदारी

ब्यूरो, देहरादून

समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का स्वागत करते डिप्लोमा इंजीनियर्स। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इंजीनियर हमारे राज्य की प्रगति का मुख्य स्तंभ हैं। राज्य के कुशल और प्रतिभाशाली इंजीनियर, राष्ट्र एवं राज्य के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्य सेवक सदन मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के आयोजित 'आभार एवं अभिनन्दन समारोह' को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथन अनुसार 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड को बनाने पर निरंतर कार्य कर रही है। राज्य के अंतर्गत बनने वाले बुनियादी ढांचे, विभिन्न विकास योजनाओं, सरकारी भवनों आदि से प्रदेश में विकास को सुनिश्चित करता है। ऐसे में इन बुनियादी ढांचों व निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चहिए। इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें कि राज्य में किसी भी विकास योजना व परियोजना बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। धामी ने कहा कि इन्वेस्टर ग्लोबल समिट में 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू साइन हुए। अब तक 71,000 करोड़ रुपए एमओयू की ग्राउंडिंग हो चुकी है।

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार ने यूआईडीबी का गठन किया है। कालसी में हरीपुर धाम विकसित किया जा रहा है। कैंची धाम, मां पूर्णागिरि मंदिर का विकास कार्य जारी है। 30 नई नीतियों को लाया गया है। विकास के चौमुखी कार्य प्रगति पर हैं। राज्य सरकार प्रदेश की जनता के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता, सबसे कड़ा नकल विरोधी कानून लागू, धर्मांतरण कानून, दंगारोधी कानून जैसे बड़े एवं कड़े फैसले लिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की वर्षों से लम्बित समस्याओं का समाधान किया है। विभिन्न अभियन्त्रण विभागों में काम कर रहे कनिष्ठ अभियन्ता और अपर सहायक अभियन्ताओं के लिए वाहन भत्ते में वृद्धि करने के निर्णय के साथ, प्रथम बार सहायक अभियन्ताओं को भी वाहन भत्ते के रूप में 4000 रुपये अनुमन्य किए गए हैं। साथ ही 1000 कनिष्ठ अभियन्ताओं को 10 वर्ष की निरन्तर सेवा पर उच्च वेतन का लाभ प्रदान किया गया है। कनिष्ठ अभियन्ताओं को अपर सहायक अभियन्ता के पदों में वेतन विसंगति को दूर करने का निर्णय भी लिया गया है। इससे निश्चित ही सरकार के प्रयासों के माध्यम से कनिष्ठ अभियन्ताओं और सहायक अभियन्ताओं के मनोबल में वृद्धि होगी। इस अवसर पर प्रान्तीय अध्यक्ष, एसएस चौहान, महासचिव मुकेश रतूड़ी, संरक्षक डीसी नौटियाल, हरीश नौटियाल, यूएस महर आदि लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आवास में धूमधाम से मनाई फूलदेई

देहरादून : उत्तराखंड का लोकपर्व फूलदेई मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सपरिवार धूमधाम से मनाया। रंग बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने देहरी में फूल व चावल बिखेरकर पारंपरिक गीत 'फूल देई छमा देई, जतुक देला, उतुक सई, फूल देई छमा देई, देड़ी द्वार भरी भकार' गाते हुए त्योहार की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को फूल देई के त्योहार की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए देश व प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। कहा कि लोकपर्वों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है।

फूलदेई छम्मा देई, दैणी द्वार भर भकार...

संवाददाता, अल्मोड़ा/रानीखेत

अमृत विचार : फूलदेई पर्व गुरुवार को हर्षोल्लास से मनाया गया। बच्चों ने घर-घर जाकर फूलों से देहरी (देली) पूजन किया। साथ ही फूलदेई छम्मा देई, दैणी द्वार भर भकार तुमार देली में बार-बार नमस्कार... गीत गाकर लोगों की सुख-समृद्धि की कामना की।

अल्मोड़ा जिला मुख्यालय में फूलदेई को लेकर बच्चों में खासा उत्साह दिखाई दिया। बुधवार की शाम को ही बच्चों ने पर्व के लिए अपनी-अपनी टोकरियां रंग बिरंगे फूल चुनकर तैयार रखी थी। सुबह घरों में पूजा-अर्चना के बाद बच्चे फूलदेई का पर्व खेलने निकल गए। बच्चों ने घर-घर जाकर पारंपरिक तरीके से लोगों की देहरी का पूजन किया और उनकी सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर लोगों ने बच्चों को उनकी टोकरियों में गुड़, चावल, फल और पैसे उपहार में दिए। इसके अलावा तहसील सोमेश्वर, चौखुटिया, सल्ट, स्याल्दे, द्वाराहाट, भिकियासैंण, धौलादेवी, भैंसियाछाना में भी फूलदेई पर्व मनाया गया।

इधर, रानीखेत नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में भी फूलदेई को लेकर बच्चों में खासा उत्साह दिखा। प्रातःकाल से ही बच्चे हाथों में बुरास फ्योली और अन्य फूलों से सजी थाली लेकर लोगों के घर पहुंचे। जहां उन्होंने देहरी में फूल डालकर पूजन किया।

अल्मोड़ा और रानीखेत में फूलदेई पर्व मनाते बच्चे। ● अमृत विचार

शिक्षकों ने किया सीधी भर्ती का विरोध

संवाददाता, अल्मोड़ा

भिकियासैंण ब्लॉक में विज्ञप्ति की प्रतियां जलाते शिक्षक। ● अमृत विचार

अमृत विचार : प्रदेश के बालक और बालिका इंटर कॉलेजों में प्रधानाचार्य के पदों के लिए होने वाली सीधी भर्ती का शिक्षकों ने विरोध किया है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से पदोन्नत होने वाले शिक्षकों के साथ अन्याय करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसे किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिले भर में शिक्षकों ने निकाली गई विज्ञप्ति की प्रतियां जलाई।

शासन ने प्रधानाचार्यों के 692 पदों पर सीधी भर्ती निकाली है, जिससे शिक्षकों और शिक्षक संगठनों में आक्रोश व्याप्त है। संगठन के पदाधिकारियों ने अलग-अलग स्थानों पर बैठक कर कहा कि प्रधानाचार्य का पद पदोन्नति का है। जिस पर सीधी भर्ती किया जाना उन शिक्षकों के साथ अन्याय है जो पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं। आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग में नित नए प्रयोग किए जा रहे हैं। जिससे विद्यार्थियों को नुकसान हो रहा है और शिक्षकों का मनोबल गिर रहा है। उन्होंने विभागीय सीधी भर्ती को निरस्त करने की मांग की। इधर, प्रधानाचार्यों की सीधी भर्ती की विज्ञप्ति जारी होने के बाद जिला मुख्यालय समेत भिकियासैंण, धौलादेवी, चौखुटिया, सल्ट, लमगड़ा व अन्य विकास खंडों में कार्यरत शिक्षकों ने भी इस संबंध में प्रदर्शन कर विरोध व्यक्त किया और विज्ञप्ति की प्रतियां भी जलाई। शिक्षक संगठन के भूपाल सिंह चिलवाल, हीरा सिंह बोरा, किशन बिष्ट, राजू महरा, नितेश कांडपाल, हिमांशु बिष्ट, बीडी पांडे, हेमा जोशी, ममता मेहरा, दीपिका रानी, प्रीति जोशी ने सरकार से निर्णय को तत्काल वापस लेने की मांग की है।

मसूरी को 5.20 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

ब्यूरो, देहरादून

अमृत विचार : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को देहरादून विजय कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन में मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विजय कॉलोनी, किशन नगर, धोरण खास, सरोगांव व धनोला में एमडीडीए से स्वीकृत 5.20 करोड़ की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने संबंधित कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को विकास कार्यों की गुणवत्ता तथा तय समय सीमा पर निर्माण पूरा करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा भाजपा की सरकार जनता की सरकार जनता के द्वार के नारे के साथ काम कर रही है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर समाज के अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की कमान संभाली है, देश में अनेकों अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के पद चिन्हों पर चलकर मुख्यमंत्री धामी लगातार राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए नित नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

मंत्री ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के माध्यम से 46 लाख के कार्य भी स्वीकृत करा दिये गए हैं। जिससे सड़कों का सुधारीकरण होगा। इस अवसर पर दर्जाधारी कैलाश पंत, मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, सुरेंद्र राणा, सतेंद्र नाथ, भूपेंद्र कठैत, निरंजन डोभाल, एसएस बिष्ट, बबीता सहोत्रा मौजूद रहे।

धामी कैबिनेट ने नई परिवहन नीति समेत कई अहम मुद्दों पर लगाई मुहर

ब्यूरो, देहरादून

अमृत विचार : कभी भी लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व का बिगुल फुंक सकता है। बिगुल फुंकने से पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार लगातार कैबिनेट बैठक कर महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगा रही है। चार दिन पूर्व 11 मार्च को हुई कैबिनेट बैठक के बाद, मुख्यमंत्री धामी की अध्यक्षता में गुरुवार को फिर से कैबिनेट बैठक हुई इसमें कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

सबसे महत्वपूर्ण फैसला परिवहन विभाग में ग्रीन ट्रांसपोर्ट मोबिलिटी पॉलिसी के तहत प्रोत्साहन के लिए सार्वजनिक परिवहन को बदल कर सीएनजी वाहन लेने पर 50 प्रतिशत सब्सिडी देने और स्क्रैप कराने पर 40 प्रतिशत सब्सिडी देने का प्रस्ताव पारित किया गया । इसकी शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर राजधानी देहरादून से की जाएगी।

इसके अलावा कैबिनेट में उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा नियमावली, कार्मिक विभाग के अंतर्गत ज्येष्ठता नियमावली में संशोधन को मंजूरी देते हुए एक चयन के स्थान पर एक चयन वर्ष को मंजूरी दी है। इको टूरिज्म को बढ़ाने व वन पंचायत संशोधन नियमावली, शहरी विकास विभाग के अंतर्गत हरिद्वार में यूनिटी मॉल के निर्माण को 0.9 हेक्टेयर भूमि हरिद्वार विकास प्राधिकरण को हस्तांतरित करने, न्याय विभाग के अंतर्गत बागेश्वर, चंपावत, चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी में कुटुंब न्यायालयों में 18 पदों और देहरादून, हरिद्वार व रुड़की में पारिवारिक न्यायालयों की स्थापना समेत 9 पदों के लिए मंजूरी दी गई है। आदि कैलाश पैदल यात्रा क्षेत्र में होम स्टे को बढ़ावा देने का निर्णय लिया गया है।

वन पंचायतों के ब्रिटिश कालीन नियमों में किया संशोधन

देहरादून : वन पंचायत नौ सदस्यीय होगी। पहली बार निकायों को भी वन पंचायत के वन प्रबंधन से जोड़ने का फैसला लिया गया है। वन विभाग का सीधा दखल खत्म होगा और पंचायत को वित्तीय प्रबंधन के अधिकार मिलेंगे। इससे पदाधिकारियों के कर्तव्य, अधिकारी व जवाबदेही तय होगी। मौजूदा समय में प्रदेश में कुल 11,217 वन पंचायतें हैं जिनके पास 4 .52 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र है।

गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण पर स्थिति स्पष्ट करे सरकार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हरिद्वार में हरकी पैड़ी के समीप स्थित ज्ञान गोदड़ी में गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार व नगर निगम हरिद्वार से स्थिति स्पष्ट कराने को कहा है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायधीश व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खण्डपीठ में हुई।

मामले के अनुसार शिरोमणि प्रबंधक कमेटी अमृतसर ने उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर कहा है कि हरिद्वार हरकी पौड़ी के समीप ज्ञान गोदड़ी में गुरुद्वारे का पुनर्निर्माण किया जाए। याचिका में कहा गया है कि सिखों के प्रथम गुरु गुरुनानक देव के हरिद्वार में प्रथम आगमन पर तत्कालीन लंढौरा नरेश ने अपनी हवेली में ज्ञान गोदड़ी का आयोजन किया था। गुरु नानक के आगमन पर हरकी पैड़ी में गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी के लिए जगह आवंटित की थी, जो 1976 तक इस स्थान पर थी लेकिन 1976 में हरकी पैडी के सौंदर्यीकरण के नाम पर गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी को वहां से इस आश्वासन पर हटाया गया कि उसे पुनः इसी स्थान पर स्थापित किया जाएगा। लेकिन इस ऐतिहासिक धरोहर व सिखों के पवित्र चिह्न को अभी तक वहां स्थापित भी नहीं किया गया।

कांग्रेस प्रत्याशी टम्टा का हुआ जोरदार स्वागत

कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप टम्टा का स्वागत करते कार्यकर्ता।

अल्मोड़ा, अमृत विचार : लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप टम्टा टिकट मिलने के बाद पहली बार अल्मोड़ा पहुंचे। जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया। एक निजी सभागार में कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने टम्टा को जिताने के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगाने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष भूपेंद्र भोज ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने अनुभवी नेता पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा पर विश्वास करते हुए उन्हें प्रत्याशी बनाया है। इसलिए सभी कार्यकर्ता उन्हें जिताने के लिए कमर कस लें। स्वागत करने वालों में नगर अध्यक्ष ताराचंद जोशी, निवर्तमान पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, महेश चंद्र आर्य, नारायण दत्त पांडे, आनंद सिंह बिष्ट, किशन लाल, निर्मल रावत, पीतांबर पांडे, दानिश खान, सुनील कठायत, दीप सिंह डांगी, आनंद सिंह बगड़वाल, एडवोकेट कुंदन भंडारी, विपुल शामिल रहे।

लोकसभा प्रत्याशी अजय टम्टा का किया स्वागत

सांसद अजय टम्टा का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

बनबसा, अमृत विचार : भाजपा कार्यकर्ताओं ने बनबसा पहुंचने पर सांसद व लोकसभा प्रत्याशी अजय टम्टा का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने टम्टा को देने पर केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए उन्हें भारी मतों से जिताने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री हेमा जोशी, जिलाध्यक्ष निर्मल मेहरा, मंडल अध्यक्ष कमलेश भट्ट, संजय जोशी, मोनू ठाकुर, प्रेम रावत, संजय ठाकुर, बलबीर प्रजापति, सुनीता मुरारी, हेमेन्द्र रावत, दीपक रजवार, सावन चन्द आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश

आत्महत्या के लिए उकसाने में पति को सात साल की सजा

रामपुर, अमृत विचार : महिला को आत्महत्या करने के लिए उकसाने के मामले में एडीजे द्वितीय की कोर्ट ने दोषी पाए गए पति को सात साल की सजा सुनाई है। साथ ही 15 हजार का जुर्माना भी लगाया है। जबकि एक महिला को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया है।

उत्तराखंड के रुद्रपुर क्षेत्र निवासी हबीब शाह के अनुसार, उसने कुछ साल पहले अपनी बेटी शबाना की शादी केमरी थाना क्षेत्र केगांव खानपुर जदीद के रहने वाले मोहम्मद जाहिद के साथ की थी। ससुराल वाले उसे दहेज के लिए परेशान करने लगे थे। महिला ने 26 जून 2021 को आत्महत्या कर ली थी। इस बात की जानकारी मिलने के बाद मृतका के पिता वहां पहुंच गए थे।

दिल्ली की एक दरगाह में छिपे हैं मौलाना तौकीर रजा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : ज्ञानवापी मामले को लेकर 9 फरवरी को अपने समर्थकों के साथ गिरफ्तारी देने को बेताब रहे आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां को पुलिस अब तक तलाश नहीं पाई है। मोबाइल लोकेशन के आधार पर तौकीर रजा के दिल्ली की एक दरगाह में शरण लेने की बात कही जा रही है। कोर्ट ने तौकीर की गिरफ्तारी के आदेश एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान को दिया है।

बता दें कि इससे पहले कोर्ट ने तौकीर रजा की गिरफ्तारी का आदेश प्रेमनगर इंस्पेक्टर आशुतोष रघुवंशी के बाद सीओ प्रथम संदीप कुमार सिंह को दिया था। सीओ पुलिस की स्पेशल टीम के साथ दिल्ली रवाना हुए थे। पुलिस टीम ने सर्विलांस के जरिए मौलाना के मोबाइल फोन का लोकेशन ली लेकिन लोकेशन श्रेणी सी और डी की ही मिली, जिससे तौकीर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। तौकीर की आखिरी लोकेशन निजामुद्दीन औलिया दरगाह के पास मिली। जहां पर उनका मोबाइल फोन बंद हो गया। ऐसे में पुलिस को आशंका है कि वह दिल्ली में किसी दरगाह में शरण लिए हुए हैं। सीओ अपनी टीम के साथ वापस बरेली लौट आए हैं। ऐसे में अब एसएसपी तौकीर की गिरफ्तारी के लिए किस टीम को लगाते हैं।

वहीं पुलिस सूत्रों की मानें तो पुलिस के आला अफसरों में तौकीर को गिरफ्तार करने की सहमति नहीं बन पाई है, जिस कारण पुलिस यहां से लेकर दिल्ली तक सिर्फ खानापूरी ही कर रही है। यही वजह है कि कोर्ट ने भी टिप्पणी करते हुए गिरफ्तारी का आदेश एसएसपी को दिया है।

ज्ञानवापी मामला

- पहले गिरफ्तारी देने को बेताब रहे तौकीर अब खोजने पर भी नहीं मिल रहे
- कोर्ट ने एसएसपी को दिए हैं गिरफ्तारी के आदेश

फंदे पर लटक कर युवक ने की आत्महत्या

गजरौला, अमृत विचार : आम के बाग में युवक का शव फंदे पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों के मुताबिक युवक का अपनी पत्नी पांच दिन पहले विवाद हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है।

क्षेत्र के गांव सलेमपुर गोंसाई निवासी 28 वर्षीय सुमित पुत्र चंद्रपाल क्षेत्र में ही संचालित एक कालेज की कैंटीन में खाना बनाने का काम करता था। परिजनों के मुताबिक पांच दिन पहले उसका अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद पत्नी मायके चली गई। सुमित जब अपनी ससुराल पहुंचा तो वहां भी दोनों के बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद सुमित अकेला घर लौट आया।

सिलईबड़ा मामले को लेकर भड़के दलित संगठन के लोग

कार्यालय संवाददाता,रामपुर/मिलक

अमृत विचार : गांव सिलईबड़ा प्रकरण में एसडीएम की गिरफ्तारी न होने पर दलित संगठन के लोग भड़क गए। उन्होंने हाईवे पर जाम लगाकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। इससे पहले जाम लगने पर मार्ग परिवर्तित किया गया।

सिलईबड़ा में फायरिंग के दौरान मृतक सुमेश को न्याय दिलाने के लिए एक सप्ताह से दलित संगठन के लोग आंबेडकर पार्क में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। गुरुवार दोपहर भी विभिन्न दलित संगठन के लोग पार्क में एकत्रित हुए। उन्होंने सुमेश को न्याय दिलाने की शपथ ली। कहा कि जब तक हत्यारोपी जेल की सलाखों के पीछे नहीं पहुंच जाते, उन्हें फांसी नहीं हो जाती, तब तक दलित समाज के लोग शांत नहीं होंने। उन्होंने मिलक के तत्कालीन एसडीएम अमन देओल को मुख्य आरोपी बताया। कहा कि प्रशासन मुख्य आरोपी को बचाने में लगा है। इस कारण तहसीलदार के हमराह होमगार्ड को जेल भेजा गया है। प्रशासन जांच के नाम पर मामले को रफा-दफा करना चाहता है। दलित संगठनों के पदाधिकारियों ने घटना की सीबीआई जांच की मांग की। इसके बाद बहुजन मुक्ति मोर्चा द्वारा पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश बंद करो के आंदोलन के लिए हाईवे पर आ गए और प्रदर्शन किया।

दिल्ली-कानपुर के लिए शुरू होगी हवाई सेवा

मुरादाबाद, अमृत विचार: हवाई अड्डा शुरू होने के बाद जल्द ही महानगर वासियों को लखनऊ के लिए उड़ान मिलने वाली है। माना जा रहा है कि अगले 10 दिन बाद मुरादाबाद से लखनऊ के लिए उड़ान शुरू हो जाएगी। एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना है कि लखनऊ के बाद जल्द ही दिल्ली और कानपुर के लिए हवाई यात्रा शुरू कराई जाएगी। जिसके लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा सर्वे कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मार्च को मुरादाबाद को हवाई अड्डे की सौगात दी थी। हवाई अड्डे की शुरुआत के बाद अब यहां से पहली उड़ान कब होगी, इसका इंतजार किया जा रहा है। लेकिन महानगर वासियों का यह इंतजार 10 दिनों में पूरा हो जाएगा।

सार-संक्षेप

मुख्यमंत्री देंगे एक हजार करोड़ की सौगात : विधायक

रामपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को रामपुर आ सकते हैं और वह एक हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इनमें सड़कें व पुल शामिल हैं। ज्वालानगर में बने पीएम स्वनिधि गलियारे का भी उद्घाटन कर सकते हैं। शहर विधायक आकाश सक्सेना ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पहले शहर में चल रहीं विकास परियोजनाओं का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश दिए। गुरुवार को शहर विधायक ज्वालानगर में बने पीएम स्वनिधि गलियारे का निरीक्षण करने पहुंचे। उनके साथ अधिशासी अधिकारी दुर्गेश्वर त्रिपाठी व विद्युत निगम के अधिशासी अभियंता इमरान खां भी मौजूद थे। विधायक ने बताया कि शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आ सकते हैं। वह रामपुर में पूर्ण हो चुकी विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। नई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। ऐसे में उनके आगमन से पूर्व सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद होनी चाहिएं।

नाला खोदाई के दौरान गिरा रिटायर्ड दरोगा का मकान

मुरादाबाद : महानगर के लाइनपार क्षेत्र की रामेश्वरम कालोनी में नाला खोदाई के दौरान रिटायर्ड दरोगा का मकान गिर गया। इस हादसे में मकान में मौजूद बच्ची बाल-बाल बची। मकान गिरने के बाद गुस्साए मोहल्ले के लोगों ने ठेकेदार के खिलाफ हंगामा किया और लापरवाही का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पर पहुंचे क्षेत्रीय पार्षद ने लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। लाइनपार के वार्ड 37 की रामेश्वरम कालोनी में नगर निगम द्वारा नाले का निर्माण कराया जा रहा है। कई दिन पहले यहां नाले के लिए खोदाई की गई थी, और इसे ऐसे ही छोड़ दिया गया। पानी की निकासी न होने के कारण पानी लोगों के मकान की नींव में जाने लगा। जिससे गुरुवार सुबह रिटायर्ड दरोगा भगत सिंह चौहान का मकान अचानक गिर गया। मकान गिरने से कालोनी में हड़कंप मच गया। इस दौरान मकान में मौजूद बच्ची बाल-बाल बच गई।

फाइल ट्रांसफर कराने को शाहरूख की दूसरी अर्जी

बरेली : वर्ष 2010 दंगे की फाइल दूसरी कोर्ट में ट्रांसफर कराने के लिए जिला जज विनोद कुमार की अदालत में गुरुवार को थाना प्रेमनगर के कोहाड़ापीर निवासी आरोपी शाहरूख खान ने दूसरी अर्जी दी। वहीं बुधवार को कोहाड़ापीर फैयाज बिल्डिंग निवासी इजहार की ओर से दी गई अर्जी तकनीकी कमी की वजह से वापस ले ली गई। आरोपी के अधिवक्ता काशिफ रजा ने अर्जी देकर कहा कि इस मामले में अभियोजन की ओर से अब तक 13 गवाह पेश किये जा चुके हैं। स्पेशल जज फॉस्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम रवि कुमार दिवाकर की ओर से समुदाय विशेष पर अभद्र टिप्पणी की जाती है जिससे प्रतीत होता है कि उनकी सोच समुदाय विशेष के लिए ठीक नहीं है। प्रार्थी भी उसी समुदाय से है, जिससे उसे लगता है कि इस न्यायालय से इंसाफ नहीं मिल पाएगा। आरोप लगाया कि न्यायालय समुदाय विशेष के खिलाफ अनुचित टीका टिप्पणी करता है।

दो एमबीबीएस छात्रों की सड़क हादसे में मौत

बरेली/फतेहगंज पश्चिमी : फतेहगंज पश्चिमी में दिल्ली हाइवे पर उनासी चौराहा के पास बुधवार देर रात तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराने के बाद दूसरी दिशा में जाकर पोल से टकरा गई। हादसे में कार सवार एमबीबीएस के दो छात्रों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। एक छात्र को कार काटकर बाहर निकाला गया। सभी छात्र अंतिम वर्ष की परीक्षा खत्म होने की खुशी में बरेली शहर से पार्टी कर वापस लौट रहे थे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। राजश्री मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर रहे चारों छात्रों की अंतिम वर्ष की परीक्षा खत्म हुई थी। इसकी खुशी में बुधवार देर रात फरीदाबाद निवासी दीपक भाटी (23), सिवान बिहार निवासी राहुल श्रीवास्तव (23), आयुष पोरवाल (23) और इटावा निवासी कृष्ण यादव (24) बरेली शहर से पार्टी कर एक कार से वापस मेडिकल कॉलेज लौट रहे थे। दिल्ली हाईवे पर फतेहगंज पश्चिमी में उनासी चौराहे के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 1010 फ्लैग 1115 डीएमओ 890 बोल्ड 1180, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 1010 फ्लैग 1130 बोल्ड 1180 डीएमओ 890।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन-तुलसी 1910, राज श्री 1420, फॉर्चून कि. 1860, रविन्द्रा 1875, फॉर्चुन ली0 1710, जय जवान 1495, सचिन 1630, सूरज 1520, अवसर 1680, राग गोल्ड 1730, गृहणी 1605, क्लासिक (किलो) 1790, मोर 1640, चक्र टिन 1725, ब्लू 1725, आशीर्वाद मस्टर्ड 1750, स्वास्तिक 1880, **किराना (प्रतिकु.)**-हल्दी निजामाबाद 17500, जीरा 40000, लाल मिर्च 20000-24000, धनिया 9000-11000, अजवायान 16000-24000, मेथी 8600, सौंफ 12000-18000, सोंठ 45000, (प्रति कि.) लौंग 920-1000, बादाम 580-680, काजू 2 पीस 600, किसमिस पीली 140-180, मखाना 650-950, **चावल (प्रति कु.)**-डबल चाबी सेला 10200, स्पाइस 7700, शरबती कच्ची 5200, शर्बती स्टीम 5600, डायमंड मंसूरी 4300, महबूब सेला 4550, गौरी रॉयल 9500, राजभोग 7350, हरी पत्ती (1 किलो, 5 किलो) 10600, हरी पत्ति नेचुरल नया 10500, जेनिथ 10700, गलैक्सी 7400, सूमो 3900, पतंजलि गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4250, खजाना 4250, **दाल दलहन**-मूंग दाल इंदौर 10800, मूंग धोवा काला क्राउन 11100, राजमा चित्रा 13200-14100, राजमा भूटान नया 11500, मलका काली 6750-7100 मलका दाल 7150-7700, मलका छाँटी 7300, दाल उड़द बिलासपुर 9800-10500, मसूर दाल छोटी 9000-9600, दाल उड़द दिल्ली 12000, उड़द साबुत दिल्ली 11800, उड़द धोवा इंदौर 13500, उड़द धोवा 11500-12100, दाल चना 7250, लाल हिंदुस्तान 7350, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8100, चना अकोला 8200, डबरा 9700-11500, सच्चा हीरा 11700, मोटा हीरा 12700, अरहर गोला मोटा 12600, अरहर पटका मोटा 13000, अरहर कोरा मोटा 13300, अरहर पटका छोटा 14200-14600, अरहर कोरी छोटी 15200, **चीनी** - डालमियां 3980, पीलीभीत 3960, नवाबगंज (नई) 3950, बहेड़ी (नई) 3960 रुपये।

सार्वजनिक क्षेत्र के पांच बैंकों की सरकार की हिस्सेदार को 75% से कम करने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार के वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने दी जानकारी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) मानदंडों का अनुपालन करने के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र, इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) और यूको बैंक सहित पांच सरकारी बैंक सरकार की हिस्सेदारी को घटाकर 75 प्रतिशत से नीचे लाने की योजना बना रहे हैं। वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सार्वजनिक क्षेत्र के कुल 12 बैंकों (पीएसबी) में से चार 31 मार्च, 2023 तक सार्वजनिक शेयरधारिता नियमों का अनुपालन कर चुके हैं। जोशी ने बातचीत में कहा, ''चालू वित्त वर्ष में तीन और पीएसबी ने न्यूनतम 25 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता का अनुपालन पूरा कर लिया है। शेष पांच सरकारी बैंकों ने एमपीएस मानदंडों को पूरा करने के लिए कार्ययोजना बनाई हैं।'' फिलहाल दिल्ली स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 98.25 प्रतिशत है। चेन्नई के इंडियन ओवरसीज बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 96.38 प्रतिशत, यूको बैंक में 95.39 प्रतिशत, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में 93.08 प्रतिशत, बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 86.46 प्रतिशत है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अनुसार, सभी सूचीबद्ध कंपनियों के लिए सार्वजनिक शेयरधारिता नियमों का अनुपालन जरूरी है। हालांकि, नियामक ने सरकारी बैंकों को विशेष छूट दी है। उनके पास 25 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता के नियम को पूरा करने के लिए अगस्त, 2024 तक का समय है।

सरकार के समक्ष नियामकीय मानदंडों का अनुपालन न करने के मामले सामने आए हैं : विवेक जोशी

वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशीने कहा कि बाजार की स्थिति के आधार पर इनमें से प्रत्येक बैंक शेयरधारकों के सर्वोत्तम हित में निर्णय लेगा। बिना कोई समयसीमा बताए उन्होंने कहा कि इस अनिवार्यता को पूरा करने के प्रयास जारी हैं। जोशी ने कहा कि वित्त मंत्रालय ने सभी पीएसबी को अपने स्वर्ण ऋण पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का निर्देश दिया है क्योंकि सरकार के समक्ष नियामकीय मानदंडों का अनुपालन न करने के मामले आए हैं। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों को पत्र लिखकर उनसे स्वर्ण ऋण से संबंधित अपनी प्रणाली और प्रक्रियाओं पर गौर करने को कहा है।

पेटीएम को यूपीआई प्रणाली में शामिल होने की मंजूरी

मुंबई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने भुगतान मंच पेटीएम का स्वामित्व रखने वाली वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड को बहु-बैंक मॉडल के तहत यूपीआई प्रणाली में तृतीय पक्ष एप्लिकेशन प्रदाता (टीपीएपी) के रूप में भाग लेने की बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी।

एनपीसीआई ने बयान में कहा कि एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और यस बैंक पेटीएम के लिए भुगतान प्रणाली प्रदाता (पीएसपी) बैंकों के रूप में काम करेंगे। यस बैंक वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) से जुड़े मौजूदा एवं नए यूपीआई कारोबारियों के लिए व्यापारी अधिग्रहण बैंक के रूप में भी काम करेगा। एनपीसीआई ने कहा कि '@पेटीएम' हैंडल को यस बैंक पर दोबारा प्रेषित किया जाएगा।

भारत की शासन प्रणाली को बदनाम करने के लिए लाई गई हिंडनबर्ग रिसर्च

मुंबई, एजेंसी

- गौतम अडाणी बोले-इसके बावजूद हम मजबूती से खड़े रहे

अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल जनवरी में आई अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट न केवल विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार वाले समूह को अस्थिर करने बल्कि भारत की शासन (गवर्नेंस) प्रणाली को राजनीतिक रूप से बदनाम करने के लिए भी लाई गई थी।

शॉर्ट-सेलर एवं निवेश शोध फर्म हिंडनबर्ग ने अडाणी समूह पर शेयरों के भाव में हेराफेरी और वित्तीय गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। उस समय समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया था। इस साल उसे उच्चतम न्यायालय से भी राहत मिली जब न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया कि उसे अतिरिक्त जांच का सामना करने की जरूरत नहीं है। हालांकि, यह रिपोर्ट आने के बाद अडाणी समूह के शेयरों में 150 अरब डॉलर से अधिक की बिकवाली हुई थी। उन्होंने कहा-हमारी नींव हिलाने की कोशिशों के बावजूद हम मजबूती से खड़े रहे और हमने न केवल अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा की बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि हम अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित रखें।

सर्राफा

कानपुर	
चाँदी 999 (प्रति किलो)	74,500
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	82,500
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	87,500
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	67,050
गिन्नी (प्रति नग)	49,950-50,150
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	65,550
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	65,400
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	74,000
चांदी तैयार	74,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	65,400
सोना जेवरात गिन्नी	64,400
चांदी पक्की	733 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	65,500
चांदी आभूषण	74,500।

हल्द्वानी मंडी

चावल-शरबती 110 मसूरी 98 बासमती 150, **दाल दलहन**-काला चना 104-120 साबुत चना दाल 105-112 मूंग साबुत 94-120 राजमा 154 दाल उड़द 120 साबुत मसूर दाल 71 मसूर दाल 70-109 उड़द साबुत 118 काबुली चना 70-144 अरहर दाल 157-165 लोबिया/करमानी 81 सोयाबीन 42-60 मूंगफली 74-77 मटर 49-61 मक्का 17 रुपये।

मुरादाबाद मंडी

दालों का भाव-दाल चना: 75 से 76 रुपये मसूर: 88 से 90 रुपये मलका: 82 से 85 रुपये अरहर: 118 से 125 रुपये उड़द: 95 से 101 रुपये धोआ उड़द: 110 से 120 मूंग धोआ: 104-106 रुपये मूंग छिलका: 102 रुपये मूंग साबुत: 100 चना देसी: 80 चना कावली: 145 से 160 राजमा लाल: 155 राजमा चित्ता: 145 लोबिया लाल: 94 लोबिया सफेद: 98 रुपये।

सोने के दाम में 250 रुपये और चांदी में 1,700 रुपये का आया उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने का भाव 250 रुपये की तेजी के साथ 66,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने बताया पिछले कारोबारी सत्र में सोना 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,700 रुपये के उछाल के साथ 77,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

पिछले कारोबारी सत्र में यह 75,300 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमत (24 कैरेट) 66,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही, जो पिछले बंद भाव से 250 रुपये की बढ़त है। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स (जिंस बाजार) में हाजिर सोना 2,169 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

भारत में कंपनियों के लिए साइबर हमला प्रमुख जोखिम

नई दिल्ली, एजेंसी

- सर्वे के मुताबिक डिजिटलीकरण बढ़ने से साइबर अपराध भी बढ़े

साइबर हमले और डेटा में सेंध भारत में कंपनियों के लिए सबसे प्रमुख व्यावसायिक जोखिम हैं। वैश्विक जोखिम प्रबंधन सर्वेक्षण-2023 के अनुसार, 2021 के व्यावसायिक जोखिम सर्वेक्षण में साइबर हमलों और डेटा सेंध को सातवें स्थान पर रखा गया था।

वैश्विक पेशेवर सेवा कंपनी एऑन ने सबसे अधिक दबाव वाली व्यावसायिक चुनौतियों की पहचान करने के लिए 61 देशों और क्षेत्रों के लगभग 3,000 जोखिम प्रबंधकों, सी-सूट अगुवाओं, वित्तीय अधिकारियों, प्रतिभा पेशेवरों और अन्य अधिकारियों से आंकड़े एकत्र किए। द्विवार्षिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), आधार और डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे को व्यापक रूप से अपनाने से प्रौद्योगिकी पर भारत की निर्भरता बढ़ने की संभावना है।

सर्वेक्षण कहता है, डिजिटलीकरण बढ़ने के साथ साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। ऐसे उल्लंघनों से जुड़ी लागत और जटिलताएं, संगठनों को साइबर जोखिमों के बेहतर प्रबंधन के लिए मजबूर कर रही हैं। एऑन के भारत में प्रतिभा समाधान खंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी नितिन सेठी ने कहा, "एकीकृत जोखिमों को समझने और प्रबंधित करने के लिए भारतीय व्यवसायों को उन्नत डेटा एनालिटिक्स और विशेषज्ञों का लाभ उठाने की अनिवार्य आवश्यकता है।

राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में विपक्ष पर किया हमला

राष्ट्र विरोधी एजेंडे पर काम कर रहा है 'इंडिया'

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली में पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को संबोधित करने के लिए पहुंचने पर उपस्थित लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर भ्रष्टाचार, कुशासन और राष्ट्र विरोधी एजेंडे को हवा देने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन इस विचारधारा पर काम कर रहा है, जबकि हमारी सरकार भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण को जड़ से उखाड़ फेंकने के पक्ष में हैं। 'पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना' के लाभार्थियों की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि उनकी विचारधारा लोगों के कल्याण के जरिए देश का कल्याण सुनिश्चित करना है। इस योजना के तहत ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रावधान है।

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबले के लिए राष्ट्रीय राजधानी में एकजुट हुए विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे दिन-रात उन्हें 'गाली' देने के एजेंडे पर साथ आए हैं। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन हुआ है। उन्होंने कहा कि 'मोदी की गारंटी' से यह सुनिश्चित हुआ कि उन्हें बैंकों से सरल दरों पर कर्ज मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि 62 लाख से अधिक लोगों को लगभग 11,000 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया है।

भारत को वैज्ञानिक शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाना लक्ष्य: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनका लक्ष्य भारत को बेहतरीन वैश्विक पद्धतियों से जोड़कर और इसके अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करके वैज्ञानिक शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाना है। प्रधानमंत्री ने पिछले दशक की वैज्ञानिक उपलब्धियों का विवरण देने वाली एक रिपोर्ट के लिए दिए गए अपने संदेश में कहा02047 तक आने वाला समय एक ऐसा काल है जो एक मजबूत, आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण के हमारे सपने को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण है।

दिल्ली में आग लगने से दो बच्चियों समेत चार लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा के शास्त्री नगर इलाके में स्थित एक रिहायशी इमारत में बृहस्पतिवार तड़के भीषण आग लगने के बाद दो बच्चियों और एक दंपति की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान मनोज (30), उसकी पत्नी सुमन (28), पांच और तीन साल की दो बच्चियों के तौर पर हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया-हमें अस्पताल से सूचना मिली कि चार लोगों- दो बच्चियों और एक दंपति की दम घुटने से मौत हो गई है। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि सुबह पांच बजकर करीब 20 मिनट पर गीता कॉलोनी के पास शास्त्री नगर में भीषण आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद तुरंत दिल्ली अग्निशमन सेवा को सूचित किया गया था।

मथुरा में चढ़ने लगा होली का रंग...

मथुरा के निकट रमणरेती आश्रम में शुरू हुई लट्ठमार होली के दौरान महिला भक्तों ने जमकर खेला रंग-गुलाल। ● एजेंसी

एक नजर

टीएमसी नेता अर्जुन सिंह ने भाजपा में लौटने की जताई मंशा

कोलकाता। टीएमसी के असंतुष्ट नेता अर्जुन सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह बैरकपुर लोकसभा सीट से पार्टी का टिकट नहीं मिलने के बाद भाजपा में लौट जाएंगे। वह बैरकपुर लोकसभा सीट का प्रतिनिधत्व करते हैं। सिंह ने यह भी दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के एक शीर्ष नेता भी उनके साथ भाजपा में शामिल होंगे। दो दिन पहले, सिंह ने टीएमसी उम्मीदवार पार्थ भौमिक के खिलाफ चुनाव लड़ने का संकेत देते हुए कहा था कि वह बैरकपुर के मतदाताओं की सामूहिक इच्छाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते, जिन्होंने उन्हें 2019 में भाजपा उम्मीदवार के रूप में लोकसभा भेजा था।

ठाणे में किशोर की पीट पीटकर हत्या

ठाणे। नवी मुंबई के तुर्भे में 17 वर्षीय एक छात्र को उसके कॉलेज के छह साथियों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला, जिसके बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह घटना बुधवार दोपहर एक बजे कॉलेज के बाहर हुई जिसमें जान गंवाने वाले छात्र का एक दोस्त भी घायल हो गया है।

ईडी ने शाहजहां शेख के करीबी व्यापारियों के घरों पर की छापेमारी

कोलकाता में व्यापारियों के आवासों पर छापेमारी के दौरान तैनात सुरक्षाकर्मी। ● एजेंसी

कोलकाता, एजेंसी

संदेशखाली का मामला

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख के साथ "करीबी संबंध" रखने वाले दो व्यापारियों के आवासों पर छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी के अधिकारियों ने एक व्यवसायी के स्वामित्व वाले बाजार पर भी छापा मारा। सीबीआई ने पांच जनवरी की घटनाओं से संबंधित तीन मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली है, जब घोटाले के सिलसिले में उत्तरी 24 परगना जिले के संदेशखालि में शेख के परिसर की तलाशी लेने गए ईडी अधिकारियों पर 1,000 लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया था। शेख फिलहाल केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की हिरासत में हैं। ईडी अधिकारी ने कहा-इन दोनों व्यापारियों ने शेख को राशन वितरण के लिए आए पैसे की हेरफेर करने में मदद की थी और उस पैसे का इस्तेमाल मछली व्यापार में किया था। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय भी अपने अधिकारियों पर हमले में उनकी भूमिका की जांच कर रहा है। तृणमूल कांग्रेस द्वारा पार्टी से निलंबित किए गए शेख को राज्य पुलिस ने 29 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

उच्चतम न्यायालय ने अजित पवार गुट से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

- तस्वीरों के इस्तेमाल को लेकर शरद पवार ने दायर की थी याचिका

उच्चतम न्यायालय ने शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के गुट की ओर से दाखिल याचिका पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाले धड़े से बृहस्पतिवार को जवाब दाखिल करने को कहा।

वयोवृद्ध मराठा नेता ने अपनी याचिका में आरोप लगाए थे कि अजित पवार गुट राजनीतिक लाभ के लिए उनके नाम और तस्वीरों का इस्तेमाल कर रहा है। शीर्ष अदालत ने शरद पवार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी की दलीलों पर ध्यान दिया कि उनके भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाला गुट "उनकी सद्भावना का लाभ उठा रहा है" और मराठा दिग्गज को प्रतिद्वंद्वियों से "झूठी प्रशंसा" की आवश्यकता नहीं है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने अजित पवार गुट की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह से कहा-एक बार जब आपने (अजित पवार गुट ने) अलग रास्ता चुन लिया, तो आप केवल अपनी पहचान का उपयोग करते हैं। पीठ ने कहा-हमें स्पष्ट, बिना शर्त आश्वासन चाहिए कि शरद पवार के नाम, तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल ने निचली अदालत के समन को सत्र अदालत में दी चुनौती

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कथित आबकारी घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज कराई गई दो शिकायतों पर निचली अदालत द्वारा उन्हें जारी किए गए समन को यहां एक सत्र अदालत में चुनौती दी है। ईडी ने उसके समन को नज़रअंदाज़ करने पर निचली अदालत का रुख किया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राकेश सयाल आज केजरीवाल के आवेदनों पर सुनवाई कर सकते हैं। केजरीवाल ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) दिव्या मल्होत्रा के आदेशों के खिलाफ सत्र अदालत का रुख किया, जिन्होंने केजरीवाल को 16 मार्च को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था।

लोकसभा के साथ जम्मू कश्मीर विधानसभा के भी चुनाव की संभावना

ज्ञानेंद्र सिंह, नई दिल्ली

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने 2 दिन पूर्व जम्मू कश्मीर का किया था दौरा
- 17 मार्च तक चुनाव कार्यक्रम के घोषणा की उम्मीद

अमृत विचार: निर्वाचन आयोग में दो आयुक्तों के नाम की सिफारिश और एक देश एक चुनाव के लिए गठित समिति की रिपोर्ट आने के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त 17 मार्च तक कभी भी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर सकते हैं। खास बात यह कि लोक सभा के साथ ही जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव कराने की तैयारी है। इसी बाबत 2 दिन पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने जम्मू कश्मीर का दौरा किया था।

सूत्रों के मुताबिक लोकसभा चुनाव का कार्यक्रम 17 मार्च तक कभी भी घोषित हो सकता है। सुरक्षा की दृष्टि से मई के प्रथम सप्ताह तक विभिन्न चरणों में मतदान होंगे और दूसरे सप्ताह तक चुनाव परिणाम आने की संभावना है। पूर्व राष्ट्रपति डा. रामनाथ कोविंद द्वारा बुधवार को "एक देश-एक चुनाव" पर अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपने के बाद यह संभावना भी तेज हो गई है कि लोकसभा के साथ ही जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव भी करवाए जाएंगे। इसी के तहत 13 मार्च को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने जम्मू कश्मीर का दौरा किया था और सरकारी मशीनरी से चुनाव पूर्व समीक्षा की थी। जिसमें पाक अधिकृत जम्मू कश्मीर की 24 विधानसभा सीटों को छोड़कर शेष 90 सीटों पर चुनाव कराने की बात चल रही है। राज्य के नए परिसीमन के बाद जम्मू कश्मीर विधानसभा में 114 सीटें हैं। जिसमें 43 सीटें जम्मू एवं 47 सीटें कश्मीर क्षेत्र में आते हैं। 90 सीटों के लिए 9 सीटें अनुसूचित जाति एवं 7 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित की गई हैं। हालांकि इस परिसीमन को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने चुनौती आज का को खारिज करते हुए परिसीमन को जायज बताया था। 11 दिसंबर के फैसले में इस माह सितंबर से पहले जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव करने के लिए कहा था।

जम्मू कश्मीर विधानसभा को 21 नवंबर 2018 में बंद किया गया था और 5 अगस्त 2019 में पुनर्गठन अधिनियम पारित होने के बाद धारा 370 समाप्त कर दी गई थी 31 अक्टूबर 2019 को जम्मू कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य घोषित किया गया था। विधानसभा बंद होने के बाद 6 माह के भीतर चुनाव कराने थे लेकिन परिसीमन आयोग का गठन होने के बाद विधानसभा चुनाव करते गए मगर अब परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आ चुकी है और पाक अधिकृत कश्मीर की 24 सीटों को छोड़कर 90 सीटों पर चुनाव करने के लिए निर्वाचन आयोग पूरी तैयारी कर रहा है। जम्मू कश्मीर में इस समय कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी के अलावा क्षेत्रीय दल के रूप में नेशनल कांफ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी एवं गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी सक्रिय है।

2019 के लोस चुनाव में बीजेपी को 46.24, कांग्रेस को 28.39, नेशनल कांफ्रेंस को 7.87 एवं पीडीपी को 3.38 प्रतिशत मत मिले थे। इस बार कांग्रेस से पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद के अलग होने से इसका लाभ भाजपा को मिलेगा।

खेल डायरी

नवारो ने सबालेंका को हराया, कोको गॉ पहुंची क्वार्टर फाइनल में

इंडियन वेल्स, एजेंसी। एम्मा नवारो ने बीएनपी परीबस ओपन के चौथे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन एरिना सबालेंका को 6-3, 3-6, 6-2 से हराकर सबसे बड़ी जीत दर्ज की। वह अपने करियर में चौथी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची है और 1000 श्रेणी के टूर्नामेंट में पहली बार वह अंतिम आठ में खेलेगी। वहीं कोको गॉ ने अपने 20वें जन्मदिन पर एलिसे मर्टेंस को 6-0, 6-2 से हराकर दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। तीसरे दौर में मर्टेंस ने नाओमी ओसाका को हराया था। पुरुष वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने 13वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव को हराया। वहीं नौवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने गाएल मोंफिल्स को शिकस्त दी। वहीं नोवाक जोकोविच को हराने वाले इटली के लुका नारडी को 17वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने हराया।

शरत सिंगापुर स्मैश के क्वार्टर फाइनल में

सिंगापुर,एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने सिंगापुर स्मैश में मिस्र के दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी उमर अस्सर को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। शरत ने स्लोवेनिया के विश्व में 13वें नंबर के खिलाड़ी दार्को जोगिक को हराने के एक दिन बाद इस 15 लाख अमेरिकी डॉलर की इनामी प्रतियोगिता में अस्सर पर 11-4, 11-8, 12-10 से जीत दर्ज की। क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले शरत क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के 10 बार के राष्ट्रीय चैंपियन फेलिक्स लेब्रन से भिड़ेंगे। इस टूर्नामेंट में पिछले दो अवसरों पर पहले दौर में बाहर होने वाले शरत ने पिछले मैच में जोगिक को 8-11, 11-6, 11-8, 11-9 से पराजित किया था।

ऑरलियन्स मास्टर्स से किरण, मालविका बाहर

पेरिस, एजेंसी। भारत के किरण जॉर्ज और मालविका बंसोड़ अपने-अपने मुकाबलों में हारने के बाद ऑरलियन्स मास्टर्स 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए है। फ्रांस के पैलेस डेस स्पोर्ट्स में खेले गये पुरुष एकल वर्ग में किरण जॉर्ज को हमवतन सतीश कुमार करुणाकरण से हार का सामना करना पड़ा। वहीं मालविका बनसोड़ भी महिला वर्ग के मुकाबले में हंगरी की शटलर विवियन सैंडोरहाजी से हार गई। सामिया इमाद फारूकी और तान्या हेमंत भी अंतिम 16 में पहुंचने में असफल रहीं। फारूकी को बेल्जियम की लियान टैन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हेमंत को चीनी ताइपे के लियांग टिंग-यू ने हराया। अनुपमा उपाध्याय बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा को हराकर अगले दौर में पहुंच गई है।

मलेशिया दौरे से पहले एआईएफएफ ने अंडर 23 शिविर के संभावित खिलाड़ियों का किया चयन

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मलेशिया के खिलाफ 22 और 25 मार्च को कुआलालम्पुर में होने वाले दो मैत्री मैचों से पहले अंडर 23 शिविर के लिए 26 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की है। शिविर दिल्ली में शुक्रवार से शुरू होगा और 20 मार्च को मलेशिया जाने वाली 23 सदस्यीय टीम इसी में से चुनी जाएगी। भारत के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी और नॉर्थ ईस्ट युनाइटेड एफसी के सहायक कोच नौशाद मूसा को मुख्य कोच बनाया गया है। नोएल विल्सन सहायक कोच और दीपांकर चौधरी गोलकीपिंग कोच होंगे। भारत के अंडर 23 संभावित खिलाड़ी : गोलकीपर : अर्श अनवर शेख, प्रभसुखन सिंह गिल, विशाल यादव, डिफेंडर : बिकाश युंगम, सी शिवाल्डो सिंह, होर्मिपाम रूइवा, नरेंदर, रोबिन यादव, संदीप मंडी, मिडफील्डर : अभिषेक सूर्यवंशी, ब्रिसन फर्नांडिस, मार्क जोथांपुइया, मोहम्मद ऐमन, पी सनाथोइ मीताइ, थोइबा सिंह मोइरांगथम, बिपिन मोहनन, फॉरवर्ड : अब्दुल रबीह, गुरकीरत सिंह, इरफान, इसाक वी, के निंथोइंगबांबा मीताइ, मोहम्मद सनन, पार्थिब सुंदर गोगोइ, समीर मुर्मू, शिवशक्ति नारायणन, विष्णु पी वालाप्पिल। मुख्य कोच : नौशाद मूसा।

मुंबई ने विदर्भ को हराकर 42वीं बार जीती रणजी ट्राफी

169 रन से मैच जीतकर घरेलू क्रिकेट में आठ साल का इंतजार मुंबई ने किया खत्म, 90 में से 48वीं बार पहुंची थी फाइनल में

मुंबई, एजेंसी

घरेलू क्रिकेट की दिग्गज मुंबई ने आठ साल का इंतजार खत्म करते हुए अपना ही रिकॉर्ड बेहतर करके 42वीं बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीता। फाइनल के पांचवें और आखिरी दिन मेजबान ने विदर्भ को 169 रन से हराया। टूर्नामेंट के इतिहास में 90 में से 48वीं बार मुंबई फाइनल में पहुंची थी।

वानखेड़े स्टेडियम पर खेले गए फाइनल का नतीजा लगभग उसी समय तय हो गया था जब विदर्भ को 538 रन का लगभग नामुमकिन सा लक्ष्य मिला था। विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर (102) और हर्ष दुबे (65) ने हालांकि पूरे पहले सत्र में मुंबई के गेंदबाजों को परेशान किया। विदर्भ ने पांच विकेट पर 248 रन से आगे खेलना शुरू किया था और उसे लक्ष्य तक पहुंचने के लिए 290 रन और चाहिए थे, लेकिन विदर्भ की टीम 368 रन पर ही आउट हो गई। वाडकर ने इस साल पहला शतक जड़ने के साथ ही सत्र में 600 रन का आंकड़ा भी पार किया। वहीं दुबे ने प्रथम श्रेणी करियर में दूसरा अर्धशतक जमाया। दोनों ने 194 मिनट और 255 गेंद तक चली साझेदारी निभाई।

दूसरे सत्र का खेल शुरू होने के कुछ देर बाद ही वाडकर को तनुष कोटियान ने आउट किया। कोटियान ने 95 रन देकर चार विकेट लिए। यह साझेदारी टूटने के बाद विदर्भ की हार पर लगभग मुहर लग गई। विदर्भ दो बार खिताब जीतने के बाद तीन बार फाइनल में हार गया है। हवीं तुषार देशपांडे ने शॉर्ट गेंद पर दुबे को आउट किया। दुबे ने 128 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 65 रन बनाए। देशपांडे ने ही आदित्य सरवटे को भी पवेलियन के लिए चलाता किया।

कोटियान ने यश ठाकुर (6) के रूप में चौथा विकट लिया। वहीं अपने करियर का आखिरी मैच खेल रहे धवल कुलकर्णी ने उमेश यादव का विकेट लेकर विदर्भ की पारी का पटाक्षेप किया। मैन ऑफ द मैच मुशीर खान और मैन ऑफ द टूर्नामेंट तनुश कोटियान को चुना गया। मुशीर ने कहा कि मुझे कप्तान रहाणे के साथ बल्लेबाजी करने में मजा आया। हमारी साझेदारी के दौरान, वह बहुत अच्छी तरह से समझते थे कि मुझ से क्या उम्मीद है। कोटियान ने रहाणे को उनकी वास्तविक बल्लेबाजी क्षमता को उजागर करने में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया, जिससे उन्होंने सत्र में 500 से अधिक रन बनाए। उन्होंने कहा कि पिछले साल मुझे अपनी बल्लेबाजी पर थोड़ा भरोसा हुआ और मैंने अपने पिता के साथ कड़ी मेहनत की। रहाणे ने भी मेरी मदद की।

एमसीए ने दोगुना की पुरस्कार राशि, मुंबई को मिलेंगे अतिरिक्त पांच करोड़

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने 42वीं बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली टीम की पुरस्कार राशि दोगुनी कर दी है, जिसका मतलब है की टीम को पांच करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि मिलेगी। मुंबई ने गुरुवार को यहां फाइनल के पांचवें और अंतिम दिन विदर्भ को 169 रन से हराकर 42वीं बार रणजी चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। एमसीए के सचिव अजिंक्य नाइक ने कहा कि एमसीए के अध्यक्ष अमोल काले और शीर्ष परिषद ने रणजी ट्रॉफी की पुरस्कार राशि दोगुनी करने का फैसला किया है। एमसीए रणजी ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई की टीम को पांच करोड रुपए की अतिरिक्त धनराशि देगी। उन्होंने कहा कि एमसीए के लिए यह साल शानदार रहा है और उसने सात खिताब जीते। इसके अलावा हमारी टीम बीसीसीआई के आयु वर्ग की सभी प्रतियोगिताओं के नॉकआउट चरण में पहुंची।

सबसे कम रन बनाने वाला बल्लेबाज होने के बावजूद आज मैं सबसे ज्यादा खुश: रहाणे

अजिंक्य रहाणे के लिए रणजी का यह सत्र बेहद खराब रहा लेकिन वह गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में सबसे ज्यादा खुश खिलाड़ी थे, जिनकी कप्तानी में टीम 42वीं बार घरेलू टूर्नामेंट की चैम्पियन बनीं। रहाणे ने इस सत्र में महज 214 रन बनाए। वह मुंबई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की तालिका में नौवें स्थान पर रहे। उन्होंने फाइनल की दूसरी पारी में 73 रन बनाने के साथ 130 रन की साझेदारी कर मैच को विदर्भ की पहुंच से दूर कर दिया। रहाणे ने मैच के बाद कहा कि मैं अपनी टीम के लिए सबसे कम रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक हूं, लेकिन आज मैं सबसे ज्यादा खुश हूं। खिलाड़ी के तौर पर आपको अच्छे और बुरे समय का सामना करना पड़ता है।

मुंबई के खिलाफ हार मानने का कोई विकल्प ही टीम के पास नहीं था: वाडकर

विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर ने कहा कि 538 रन का लक्ष्य होने के बाद भी उनकी टीम ने मैच गंवाने के बारे में नहीं सोचा था। विदर्भ के बल्लेबाजों ने धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की जीत के इंतजार को कम किया। वाडकर ने 102 रन की पारी खेली। उन्होंने हर्ष दुबे के साथ छठे विकेट के लिए 130 रन की साझेदारी कर मुंबई के गेंदबाजों को परेशान किया। साझेदारी टूटने के बाद टीम की बल्लेबाजी बिखर गई और मुंबई रणजी चैंपियन बना। वाडकर ने कहा कि जब हमने टीम में और साझेदारियों के बारे में बात की, तो ऐसी बात नहीं निकली की हम मैच से बाहर हो गए। हम केवल बल्लेबाजी से आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे थे। यह फाइनल था, आखिरी पारी थी, इसलिए हार मानने और नकारात्मक सोच की गुंजाइश ही नहीं थी।

सीके नायडू ट्रॉफी में गलती के बाद अंपायरिंग के मानकों पर उठे सवाल

बेंगलुरु, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के खिलाफ कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी अंडर 23 टूर्नामेंट के फाइनल में कर्नाटक के बल्लेबाज प्रखर चतुर्वेदी के गलत तरीके से आउट होने पर घरेलू मैचों में अंपायरिंग के मानकों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। यह घटना कर्नाटक के पहली पारी में घटी जब तेज गेंदबाज कुणाल त्यागी की गेंद चतुर्वेदी के बल्ले का किनारा लेते हुए विकेटकीपर आराध्य यादव के दस्तानों में पहुंची। गेंद आराध्य हाथों में जाने से पहले जमीन पर गिर गई थी। अंपायर ने इसे आउट दिया। प्रथम श्रेणी के पूर्व अंपायर ने कहा कि हां, वह आउट नहीं था। मैंने बाद में उसके आउट होने का वीडियो देखा था। गेंद विकेटकीपर के हाथों में जाने से पहले जमीन पर गिर गई थी। अंपायर को आउट नहीं देना चाहिए था।

आरसीबी का शिविर शुरू, कुछ दिन में जुड़ेंगे कोहली

इंडियन प्रीमियर लीग: गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स से 22 मार्च को पहला मैच

बेंगलुरू, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने इंडियन प्रीमियर लीग से पहले अपने शिविर की शुरूआत की लेकिन उसके स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अगले कुछ दिन में टीम से जुड़ेंगे। आरसीबी को आईपीएल में गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 22 मार्च को पहला मैच खेलना है।

अधिकांश घरेलू खिलाड़ी नए मुख्य कोच एंडी फ्लावर और क्रिकेट निदेशक मो बबाट के मार्गदर्शन में शिविर में पहुंच गए हैं। कप्तान फाफ डु प्लेसी और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अलजारी जोसेफ भी शिविर में पहुंच गए हैं। कोहली पितृत्व अवकाश से इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला भी नहीं खेले थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि कोहली अगले कुछ दिन में पहुंचेंगे। कोहली टीम के सालाना कार्यक्रम 'आरसीबी अनबॉक्स' में भी पहुंच सकते हैं, जिसमें प्रशंसकों को अपने पसंदीदा सितारों की झलक देखने का मौका मिलता है। डु प्लेसी ने आरसीबी 'बोल्ड डायरीज' में कहा कि फ्लावर शानदार कोच है और टीम खुशकिस्मत है कि वे हमारे साथ है। वहीं फ्लावर ने कहा कि हम आरसीबी की कहानी का नया अध्याय लिखेंगे और यह हमारी खुशकिस्मती है। हम इसे लेकर काफी रोमांचित हैं।

सीएसके में कोई बाहरी दखल या मालिकों का दबाव नहीं : ब्रावो

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की अप्रतिम सफलता के पीछे सिर्फ महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी या खिलाड़ियों में झलकता इत्मीनान ही नहीं है बल्कि गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो का कहना है कि टीम में बाहरी दखल नहीं होना भी कामयाबी का राज है। लीग के इतिहास में चेन्नई सुपर किंग्स सबसे कामयाब टीम है और इसने पांच बार खिताब जीतने के अलावा सबसे ज्यादा बार प्लेआफ में जगह बनाई है। ब्रावो ने कहा कि वे खिलाड़ियों को खुलकर खेलने देते हैं। यही इस टीम की खूबसूरती है। टीम संयोजन के बारे में उन्होंने कहा कि हमारे पास अच्छी टीम है। हम वहीं से शुरूआत करेंगे जहां पिछले सत्र में छोड़ा था। हमने युवा गेंदबाजी आक्रमण के साथ पिछली बार बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इस बार हमारे पास शार्दुल ठाकुर है जो बोनस होगा। मुस्ताफिजूर रहमान भी काफी अनुभवी है जबकि मथीषा मथिराना भी उपयोगी गेंदबाज है।

23 मार्च को मैदान पर उतरेंगे पंत, उनकी इच्छाशक्ति जबर्दस्त

बेंगलुरु, एजेंसी। ऋषभ पंत को 2022 में हुई भयावह कार दुर्घटना के बाद फिट होने में मदद करने वाले मेडिकल स्टाफ ने उनकी इच्छाशक्ति और मानसिक दृढता की तारीफ करते हुए कहा है कि थकाऊ रिकवरी प्रक्रिया के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। पंत 23 मार्च को आईपीएल के जरिए क्रिकेट के मैदान पर वापसी करेंगे, जिसमें वह मोहाली में पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे। पंत ने कहा कि मैं सामान्य होने के करीब महसूस कर रहा हूं। कार दुर्घटना को देखकर यह असंभव लग रहा था कि वह वापसी कर सकेंगे। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के खेल मेडिसिन सेंटर के निदेशक डॉक्टर दिनशॉ पर्दीवाला और बेंगलुरु के राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के स्टाफ ने उनकी मदद की।

ऐसा लगा नहीं कि पंत बल्लेबाजी कर रहे हैं: आमरे

विशाखापत्तनम। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे ने कहा कि ऋषभ पंत की बल्ले की स्विंग 'पहले की तरह' बनी हुई है और शिविर में उनकी बल्लेबाजी देख कर ऐसा नहीं लगा कि वह 14 महीने के बाद वापसी कर रहे हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में बीसीसीआई ने पंत को आईपीएल के लिए फिट करार दिया था। आमरे ने कहा कि कोचिंग इकाई और व्यक्तिगत रूप से, उन्हें बल्लेबाजी करते देखना सुखद था। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वह लंबे समय बाद बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनका बल्ला पहले की तरह ही चल रहा था।

सात्विक-चिराग ने तीन बार के विश्व चैंपियन को हराया

ऑल इंग्लैंड ओपन

बर्मिंघम, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने ऑल इंग्लैंड ओपन में तीन बार के विश्व चैंपियन इंडोनेशिया के मोहम्मद अहसान और हेंड्रा सेतियावान की जोड़ी को युगल मुकाबले में हराकर अपने अभियान शुरुआत की।

फ्रेंच ओपन 2024 के विजेता सात्विक और चिराग की जोड़ी ने तीन बार के विश्व चैंपियन इंडोनेशिया की जोड़ी को 21-18, 21-14 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी दूसरे दौर में इंडोनेशिया के मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और बगास मौलाना की जोड़ी से मुकाबला करेगी। पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन ने डेनमार्क के मैग्नस जोनासेन को हराकर स्पर्धा के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने 40 मिनट तक चले मुकाबले में मैग्नस जोनासेन को हराया। राउंड ऑफ 16 में 22 वर्षीय खिलाड़ी का सामना प्रतियोगिता में चौथी वरीयता प्राप्त डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से होगा। तनीषा क्रास्टो और अश्वनी पोनप्पा की भारतीय महिला युगल जोड़ी हांगकांग की येगुंग टिंग और येयुंग लैम की जोड़ी को हराकर अगले दौर में पहुंच गई है। अब प्री-क्वार्टरफाइनल में भारतीय महिला जोड़ी का मुकाबला चीन की झांग शुक्सियान और झेंग यू से होगा। एक अन्य पुरुष एकल स्पर्धा में भारत के प्रियांशु राजावत को इंडोनेशिया के चिको औरा से हार गई।

कोरिया की एन से यंग से पीवी सिंधू हरीं

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को ऑल इंग्लैंड ओपन में महिला एकल के दूसरे दौर में कोरिया की एन से यंग से सीधे गेम में हार गई। सिंधू मैच के दौरान अच्छी लय में दिख रही थीं और उन्होंने शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया, लेकिन वह अपनी गलतियों पर अंकुश लगाने में असफल रहीं और 42 मिनट तक चले मुकाबले को 19-21, 11-21 से हार गईं। पिछले साल महिला एकल विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली कोरिया की पहली खिलाड़ी बनी यंग के खिलाफ सिंधू की यह सातवीं हार है। कोरियाई खिलाड़ी ने सत्र में मलेशिया और फ्रांस ओपन के खिताब अपने नाम किए हैं। सिंधू ने खेल के दौरान आक्रामक रूख अपनाने की कोशिश की, लेकिन यंग ने रैलियों की गति और स्मैश का इस्तेमाल कर मैच अपने नाम किया। सिंधू ने पहले गेम में प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को टक्कर दी, लेकिन दूसरे गेम में वह गलती करती रही। सिंधू शुरुआती गेम में 4-1 से आगे थी। यंग ने इस समय ज्यादा प्रयास किये बिना सिंधू के गलती करने का इंतजार किया और 9-6 की बढ़त बनाई।

बॉलीवुड हलचल

छोटा भीम और द कर्स ऑफ दमयान का टीजर जारी

मुंबई, एजेंसी। फिल्म छोटा भीम और द कर्स ऑफ दमयान का टीजर रिलीज कर दिया गया है। बच्चों का चहेता सुपरहीरो छोटा भीम टीवी के बाद अब बड़े परदे पर नजर आएगा। फिल्म का नाम छोटा भीम और द कर्स ऑफ दमयान है। अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का टीजर शेयर करते हुये लिखा, ढ़ोलकपुर को बचाने में दमयान के खिलाफ लड़ाई में भीम की गैंग को जॉइन करें। टीजर की शुरुआत वॉइस ओवर से होती है। ढ़ोलकपुर को दिखाते हुए आवाज आती है कि इस शांति और प्यार भरे ढ़ोलकरपुर राज्य पर कुछ बुरे लोगों की नजर पड़ गई है। इसके बाद ढोलकपुर की शांति तबाही में बदल जाती है। सभी का मानना है कि अब केवल एक ही जाबाज है, जो ढोलकपुर को बचा सकता है। टीजर में सभी किरदारों की एंट्री होती है। फिल्म में अनुपम खेर गुरु शंभु का किरदार निभाते नजर आएंगे। भीम गुरु शंभू और उनकी टीम की मदद से बुराई से लड़ता है। इस फिल्म में यज्ञ भसीन, अनुपम खेर, मकरंद देशपांडे, आश्रय मिश्रा और सुरभि तिवारी जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। राजीव चिलका द्वारा निर्देशित और मेघा चिलका द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म छोटा भीम और द कर्स ऑफ दमयान को नीरज विक्रम ने लिखा है। वहीं भरत लक्ष्मीपति के साथ श्रीनिवास चिलकलापुडी द्वारा को-प्रोड्यूस किया गया है। यह फिल्म 24 मई 2024 को रिलीज होगी।

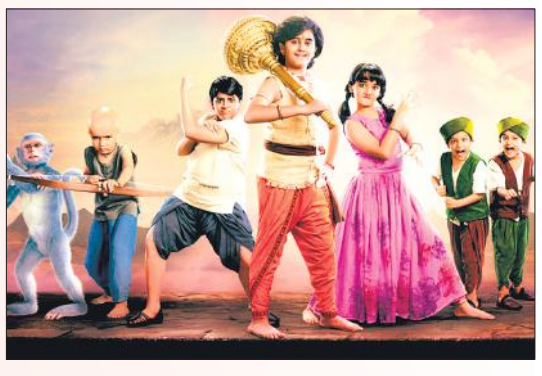

धूम मचा रहा है हिप-हॉप आइकन डिवाइन और करण औजला का गाना नथिंग लास्ट्स

मुंबई, एजेंसी। हिप-हॉप आइकन डिवाइन और करण औजला का गाना 'नथिंग लास्ट्स' धूम मचा रहा है। हिप-हॉप आइकन डिवाइन और करण औजला का एल्बम स्ट्रीट ड्रीम्स अपने सभी सात ट्रैकों के साथ धूम मचा रहा है, खासकर नथिंग लास्ट्स, जो ट्रेंडिंग कर रहा है। करण औजला और डिवाइन द्वारा लिखित और प्रस्तुत और यस प्रूफ और जे ट्रैक द्वारा निर्मित, नथिंग लास्ट्स जोएल डिसूजा (जेडी) द्वारा निर्देशित किया गया है। नथिंग लास्ट की शूटिंग धारावी के आफ्टर स्कूल ऑफ हिप-हॉप में धारावी ड्रीम प्रोजेक्ट के सहयोग से की गई है। नथिंग लास्ट्स का आधिकारिक वीडियो करण औजला के यूट्यूब चैनल पर देखने के लिए उपलब्ध है और सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर सुनने के लिए भी उपलब्ध है। करण औजला ने कहा कि नथिंग लास्ट्स एक बहुत ही खास गाना है और मेरे निजी पसंदीदा में से एक है। धारावी में बच्चों के साथ समय बिताना एक प्यारा अनुभव था, जिसमें जीवन की साधारण खुशियां भी शामिल थीं। इस गीत के माध्यम से हमने अपने जीवन की सीख को साझा किया है कि कुछ भी वास्तव में हमेशा के लिए नहीं रहता है और हमें उन क्षणों को संजोना चाहिए जो हमारे पास हैं और हम जो जीवन जीते हैं उसके लिए आभारी होना चाहिए। हमें उम्मीद है कि गाना सभी को पसंद आएगा और हमारी भावनाओं को व्यक्त करेगा। डिवाइन ने कहा कि कुछ भी नहीं टिकता अपने सार में जीवन में नश्वरता को उजागर करता है, हम इस दुनिया में कुछ भी नहीं लेकर आते हैं और कुछ भी नहीं लेकर जाते हैं। हम गाने को अब तक मिली प्रतिक्रिया देखकर बहुत खुश हैं और प्यारे बच्चों के साथ वीडियो पर हर किसी की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं। हमने उनके साथ सबसे अच्छा समय बिताया। डिवाइन और करण औजला की ओर से रचित स्ट्रीट ड्रीम्स एल्बम में नथिंग लास्ट, टॉप क्लास, स्ट्रेट बैलिन, याद, तारीफां, हिसाब और 100 मिलियन शामिल है।

अक्षरा का गाना फलनवा के बेटा की धूम

मुंबई, एजेंसी। भोजपुरी अभिनेत्री-गायिका अक्षरा सिंह का होली स्पेशल गाना फलनवा के बेटा रिलीज हो गया है। अक्षरा सिंह का होली गीत फलनवा के बेटा, उनके ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। इस गाने को लेकर अक्षरा सिंह ने कहा कि होली रंगों का त्योहार है और अपनों के साथ होली खेलने का मजा ही कुछ और होता है। ऐसे में जब अपने ही होली में ना आए तो एक शिकायत सी होती है जो इस गाने की थीम है। मैंने उसे अपने गाने में पिरोया है और आपके समक्ष प्रस्तुत किया है। उम्मीद करती हूं कि आप इस गाने को सुपर डुपर हिट बनाएंगे।

खुशी और माही का होली गीत उजर ओढ़निया रंगनी

मुंबई, एजेंसी। गायिका खुशी कक्कर और अभिनेत्री माही श्रीवास्तव का होली गीत 'उजर ओढ़निया रंगनी' रिलीज हो गया है। होली गीत 'उजर ओढ़निया रंगनी' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस होली गीत को खुशी कक्कर ने गाया है और माही श्रीवास्तव ने इस गाने में अभिनय किया है। माही श्रीवास्तव ने कहा कि होली आने बस अब कुछ भी समय बाकी रह गया है और होली की धूम अभी से दिखने लगी है। मैं अपने होली गीतों में होली से पहले ही होली का पूरा मजा उठा रही हूँ। मेरे गाने दर्शकों को पसंद आए इसलिए मैं जी तोड़ मेहनत कर रही हूं। मेरे सभी गानों की तरह इस गाने को भी अपना आशीर्वाद दे। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत भोजपुरी होली गीत 'उजर ओढ़निया रंगनी' के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। इस गाने को शुभदयाल सोहरा ने लिखा है, जबकि विकाश यादव ने संगीत दिया है। वीडियो डायरेक्टर सुनील बाबा, कोरियोग्राफर गोल्डी जायसवाल, सनी, डीओपी गौरव राय, राजन, एडिटर आलोक गुप्ता हैं। मिक्स एवं मास्टर विकाश बेदर्दी, डीआई रोहित सिंह ने किया है। प्रोडक्शन पंकज सोनी का है। इस गाने का ऑल राइट वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अजय कुमार सक्सेना द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharhld@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698 **(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।**

गुलामी में धकेल कर स्वच्छता नहीं ला सकते

मुंबई, एजेंसी

● बंबई हाईकोर्ट ने नगर निकाय से जुड़े मामले में राहत देते हुए टिप्पणी की

बंबई हाईकोर्ट ने नगर निकाय से जुड़े 580 कर्मचारियों को लेकर एक बड़ी राहत दी है। न्यायालय ने कहा है कि किसी कल्याणकारी राज्य में नागरिकों के एक वर्ग के लिए स्वच्छता दूसरों को गुलामी में धकेल कर हासिल नहीं की जा सकती। कोर्ट ने शहर के नगर निकाय विभाग को आदेश दिया है कि वह अपने 580 कर्मचारियों को स्थायी तौर पर रखे और उन्हें सभी लाभ मुहैया कराए।

न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने पिछले साल नवंबर में एक आदेश दिया था, जो गुरुवार को उपलब्ध कराया गया। इस फैसले में कहा गया है कि पर्यावरण को स्वच्छ करने के नागरिकों के मौलिक अधिकार को कर्मचारियों के मौलिक अधिकारों को हल्के में लेकर हासिल नहीं कर सकते हैं। बंबई हाईकोर्ट ग्रेटर मुंबई नगर निगम (एमसीजीएम) द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें औद्योगिक न्यायाधिकरण द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें 580 अस्थायी कर्मचारियों के लिए पदों के सृजन का निर्देश दिया गया था।

अधिकरण ने निगम को 580 कर्मचारियों को स्थायी घोषित करने और उन्हें सभी लाभ देने का निर्देश दिया था। कर्मचारी संगठन 'कचर वाहतुक कर्मचारी संघ' ने नगर निगम से अपने 580 सदस्यों को स्थायी कर्मचारी बनाने की मांग की थी। वे सार्वजनिक सड़कों की सफाई और कचरे के संग्रह और परिवहन का काम करते हैं। हाईकोर्ट ने एमसीजीएम की याचिका रद्द कर दी। साथ ही कहा कि अगर न्यायाधिकरण का आदेश रद्द किया जाता है तो यह 'न्याय का उपहास' करना होगा। पीठ ने कहा कि मुंबई को स्वच्छ रखने के लिए नगर निकाय के पास अधिकार है और शहर में 'कर' देने वाले लोगों को स्वच्छ वातावरण का मौलिक अधिकार है।

अदालत ने कहा कि यह मौलिक अधिकार और अनिवार्य कर्तव्य कर्मचारियों के मौलिक अधिकारों को बुनियादी मानव गरिमा के अधीन करके प्राप्त नहीं किया जा सकता है। कल्याणकारी राज्य में एक वर्ग के नागरिकों के लिए सफाई का काम बाकियों को गुलामी में फंसाकर नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने कहा कि 580 कर्मचारी, जो शहर में काम करते हैं उन्हें स्थायी करने की बजाय, नागरिक निकाय ने अपनी प्रमुख स्थिति का लाभ उठाया है।

भारत-अमेरिका के बीच मजबूत हुए रक्षा संबंध : पेंटागन

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के रक्षा संबंधों में अविश्वसनीय रूप से सुधार देखने को मिल रहा है। पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा कही गई ये बात दर्शाती है कि अमेरिका और भारत के बीच रक्षा संबंध बेहद मजबूत हो रहे हैं।

पेंटागन के एक अधिकारी का कहना है कि अब भारत और अमेरिका के बीच प्रमुख मुद्दों पर मतभेदों के बजाय सुधार देखने को मिल रहे हैं। हाल ही में सीयूटीएस इंटरनेशनल द्वारा एक गोलमेज सम्मेलन कराया गया था। इस सम्मेलन में रक्षा विभाग के सचिव (नीति) के कार्यालय, दक्षिण एशिया के निदेशक सिद्धार्थ अय्यर ने कहा कि 'पिछले 12 महीनों में भारत अमेरिका के रक्षा संबंधों में बेहद तेजी से प्रगति हुई है। अय्यर ने कहा रक्षा संबंधों में अविश्वसनीय गति देखने को मिली।

सरकार ने ब्लॉक किए 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अश्लील और असभ्य कंटेंट पब्लिश करने वाले 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि इन प्लेटफॉर्मस को पहले कई बार चेतावनी दी गई थी। इसके साथ ही सरकार ने 19 वेबसाइट, 10 एप और 57 सोशल मीडिया हैंडल भी ब्लॉक किए हैं।

क्यों किया गया बैन

मंत्रालय की ओर से से जारी किए बयान के मुताबिक, ब्लॉक किए गए ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर बताया गया है कि ये अश्लील, अभद्र और महिलाओं को लेकर अपमानजक कंटेंट प्रसारित करते थे। इन प्लेटफॉर्म पर आईटी एक्ट की धारा 67 और 67ए, आईपीसी की धारा 292 और महिलाओं के अश्लील प्रतिनिधित्व (निषेध) अधिनियम, 1986 की धारा 4 के तहत कार्रवाई करते हुए बैन लगाया गया है।

1 करोड़ से ज्यादा डाउनलोड, 32 लाख से ज्यादा फालोअर्स

सरकार ने बताया कि 18 ओटीटी एप में से एक एप को 1 करोड़ से ज्यादा डाउनलोड मिल चुके हैं। हालांकि इसका नाम नहीं बताया गया। दो अन्य एप को गूगल प्ले स्टोर पर 50 लाख से ज्यादा डाउनलोड मिले हैं। इसके अलावा इन ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने दर्शकों को अपनी वेबसाइट्स और ऐप्स की तरफ अट्रैक्ट करने के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का भी यूज किया। इन सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कुल मिलाकर 32 लाख से अधिक यूजर्स हैं।

सरकार ने किस पर लगाया बैन

सरकार ने 12 फेसबुक अकाउंट, 17 इंस्टाग्राम अकाउंट, 16एक्स अकाउंट और 12 यूट्यूब अकाउंट को भी बैन किया है, जो नियमों का उल्लंघन कर रहे थे।

कई शिकायतें मिलने के बाद कार्रवाई

इससे पहले मंत्रालय ने कहा था कि उन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखाए जा रहे कंटेंट को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। इनकी शिकायत करने वालों में कई सांसद/विधायक, इंटेलेक्चुअल्स और समाज सेवी शामिल हैं।

क्या हैं निगरानी के नियम

सरकार ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के कंटेंट की निगरानी मीडिया एथिक्स कोड रूल्स, 2021 के जरिए करती है। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को अपने कंटेंट का क्लासिफिकेशन, ऐज रेटिंग और सेल्फ रेगुलेशन का खुद पालन करना होता है।

एक नजर

भारत-ब्राजील ने मंत्रिस्तरीय पहली 'टू प्लस टू' वार्ता की

नई दिल्ली। भारत और ब्राजील ने गुरुवार को रक्षा और विदेश मंत्रिस्तरीय पहली 'टू प्लस टू' वार्ता की। बैठक में ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों, प्रौद्योगिकी और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि बातचीत में सहयोग के विभिन्न अहम क्षेत्रों पर बातचीत हुई है। उन्होंने कहा-अंतरिक्ष, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, तकनीक, आतंकवाद से मुकाबला और क्षेत्रीय, बहुपक्षीय एवं परस्पर हित से जुड़े अन्य मुद्दों पर सहयोग बढ़ेगा। बता दें, बैठक दिल्ली में हुई है। इसकी सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव जी वी श्रीनिवास और रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव विश्वेश नेगी ने की।

देश के आखिरी गांव के लोग वांगचुक के समर्थन में उतरे

फोब्रांग (लद्दाख)। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ रही है। उनकी मांगों के समर्थन में भारत-चीन सीमा पर बसे देश के आखिरी गांव फोब्रांग के लोग भी उतर आए हैं। इन लोगों ने बॉर्डर से 16 किमी पहले मार्टसे टॉप के पास माइनस 20 डिग्री तापमान में प्रदर्शन किया।

रमजान में ड्यूटी के दौरान पायलट नहीं रखेंगे रोजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रीय विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन (पीआईए) ने रमजान माह के मद्देनजर नया आदेश जारी किया है। पीआईए ने ड्यूटी के दौरान चालकों के रोजा रखने पर रोक लगा दी है। आदेश में चिकित्सा परामर्श का हवाला देते हुए कहा गया कि रोजा रखने से डिहाइड्रेशन हो सकता है। इसके साथ ही व्यक्ति को आलस्य और नींद आ सकती है। पीआईए के अधिकारी ने बताया कि कॉर्पोरेट सेफ्टी मैनेजमेंट और एयर क्रू मेडिकल सेंटर दोनों ने सिफारिश की है कि विमान चालकों और चालक दल के सदस्यों को रोजा नहीं रखना चाहिए।

अमेरिका में अवैध प्रवेश पर तीन भारतीय समेत चार गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश कर रहे तीन भारतीयों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने एक महिला सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। बता दें, बफेलो शहर में अंतर्राष्ट्रीय रेलमार्ग द्वारा अवैध प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने बातया है कि, महिला समेत चारों को अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा अधिकारियों (सीबीपी) की हिरासत में हैं। चारों निर्वासन की सुनवाई होने तक बंद रहेंगे।

भारत और एशिया तक पहुंच बढ़ाने को रूस बना रहा 'मॉस्को कॉरिडोर'

युद्ध के चलते यूरोपीय देशों के प्रतिबंधों के बाद लिया फैसला, 2028 तक होगा पूरा

मॉस्को, एजेंसी

यूक्रेन युद्ध के पहले रूस व्यापार के लिए यूरोप पर ही निर्भर था लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अमेरिका और यूरोपीय देशों के प्रतिबंधों को मात देने के लिए रूस नए तरीके खोज रहा है। इसी क्रम में रूस ने भारत, चीन और मिडल ईस्ट के देशों के साथ संबंध मजबूत कर दिए हैं। रूस अपनी पहुंच भारत और एशिया तक बढ़ाने के लिए मॉस्को से मुंबई तक मल्टी मोड ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर बना रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक प्रतिबंधों के बीच में रूस ने अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) प्रोजेक्ट में तेजी दिखाई है। रूस ने अब 160 किमी लंबे रेल मार्ग के लिए ईरान को 12 हजार करोड़ रुपये का फंड जारी किया है। ईरान के रास्त शहर को अस्तारा से जोड़ने वाले इस रेल मार्ग का काम शुरू हो गया है। अजरबैजान में रेलवे ट्रैक और यार्ड काम इस साल पूरा हो जाएगा। पूरे कॉरिडोर का काम 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

समुद्र, रेल और सड़क मार्ग के जरिए जुड़ेंगे भारत, ईरान और रूस

आईएनएसटीसी की कुल लंबाई 7,200 किमी है। इस कॉरिडोर में भारत और रूस के अलावा ईरान, अजरबैजान भी सदस्य हैं। समुद्र, रेल और हाइवे के इस मल्टी मोड कॉरिडोर का मुख्य उद्देश्य लागत कम करना और समय बचाना है। नए रूट से माल भेजने का समय पारंपरिक स्वेज रूट के 45 दिनों से घटकर सिर्फ 10 दिन रह जाएगा, जो कि स्वेज नहर से मुकाबला करेगा। स्वेज मार्ग से मुंबई से मॉस्को की दूरी 14 हजार किमी थी, इसे तय करने में 45 दिन से ज्यादा का समय लगता था। जहां अभी हूती विद्रोहियों का खतरा है।

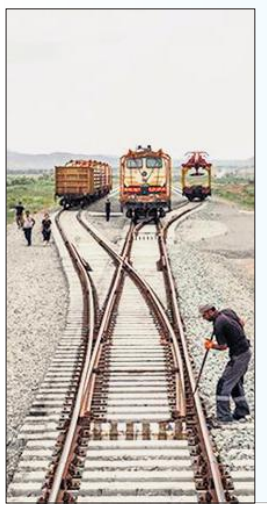

रूस- भारत का व्यापार चार गुना बढ़ा

भारत के साथ 2023 में रूस का व्यापार 5 .37 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 2021 की तुलना में 4 गुना है। वहीं, 2023 में रूस-चीन का व्यापार भी 61 फीसदी बढ़कर 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। इस कॉरिडोर के बनने से रूस को तुर्किये से भी व्यापार संबंध बढ़ने की उम्मीद है।

रूस को भारत-ईरान से मदद मिल रही

इस प्रोजेक्ट को लेकर अजरबैजान का कहना है कि रूस ने यूरोप की जगह नए विकल्प खोज लिए हैं। रूस भारत से मशीनरी मिल रही है। ईरान से हथियार, तुर्की और मिडल ईस्ट से रूस को आवश्यक चीजें आसानी से मिल रही है, जो लड़ाई के समय जरूरी हैं। आपको बताते कि पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए भारत ने ईरान में एक बंदरगाह का निर्माण कराया है। भारत, तेहरान के कई प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रहा है। इसी तरह रूस भी ईरान को हर तरह से सहयोग कर रहा है।

पाकिस्तानः नवाज के बेटों को राहत, स्थायी गिरफ्तारी वारंट रद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के परिवार को बड़ी राहत देते हुए एक भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने गुरुवार को पनामा पेपर्स घोटाले से जुड़े मामलों में नवाज शरीफ के बेटों की गिरफ्तारी वारंट को रद्द कर दिया है। गौरतलब है कि 2016 के पनामा पेपर्स घोटाले में नाम आने के बाद हसन नवाज और हुसैन नवाज ने 2018 में पाकिस्तान छोड़ दिया था।

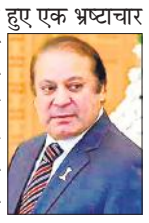

बता दें कि पनामा पेपर्स से जुड़े भ्रष्टाचार के तीन मामलों में आरोप लगाए गए थे लेकिन वे कभी भी अदालत के सामने पेश नहीं हुए, जिसने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया। इस्लामाबाद की भ्रष्टाचार निरोधक अदालत द्वारा सात मार्च को दोनों के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट को गुरुवार तक निलंबित करने के बाद दोनों भाई पाकिस्तान लौट आए। हसन और हुसैन इस्लामाबाद स्थित अदालत में पेश हुए, जिसने दलीलें सुनने के बाद भ्रष्टाचार मामलों में जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंट को रद्द कर दिया। अदालत ने 50 हजार के मुचलके पर उनकी जमानत भी मंजूरी दी।

चुनाव धांधली के आरोपों पर सुनवाई करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी

● इमरान की पार्टी ने लगाए हैं आरोप 20 मार्च को सुनवाई करेगी अमेरिकी कांग्रेस की एक समिति

अमेरिकी कांग्रेस की एक समिति पाकिस्तान में हुए आम चुनाव के मुद्दे पर सुनवाई करेगी। पाकिस्तान चुनाव में धांधली होने के आरोप लगे हैं और पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी ने ये गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोपों पर अमेरिकी कांग्रेस की समिति 20 मार्च को सुनवाई करेगी। इस सुनवाई का शीर्षक 'चुनाव के बाद का पाकिस्तानः पाकिस्तान में लोकतंत्र के भविष्य की चर्चा होगा।

अमेरिका के विदेश विभाग की मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और मध्य एशिया मामलों की उप-समिति पाकिस्तान चुनाव के मसले पर बैठक करेगी। समिति के सामने दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के सचिव डोनाल्ड की गवाही भी होगी। गौरतलब है कि पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार के दौरान गुप्त जानकारी सार्वजनिक करने के मामले में डोनाल्ड लू की संलिप्तता की बात सामने आई थी। ऐसे में अब अमेरिकी कांग्रेस की समिति के सामने डोनाल्ड लू की गवाही बेहद अहम मानी जा रही है।

आरक्षित सीटों पर एसआईसी की याचिका खारिज

जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी को बड़ा झटका देते हुए पाकिस्तान की शीर्ष अदालत ने गुरुवार को सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल(एसआईसी) द्वारा दायर एक याचिका को खारिज कर दिया। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने चार मार्च को सीट कोटा के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, साथ ही इसे नियमों का उल्लंघन बताया। बुधवार को पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल मंसूर उस्मान अवान और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी और ईसीपी के वकीलों ने अपनी दलीलें पूरी कर ली थीं। एजीपी अवान ने कहा था कि एक राजनीतिक दल को आरक्षित सीटें तभी मिल सकती हैं।

बर्फ से ढकी ऊंची चोटियां...

शिमला : हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते गुरुवार को पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में बारिश और मध्यम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ओलावृष्टि हुई। इससे 280 सड़कें ठप हो गई। चंबा, लाहौल स्पीति और किन्नौर, कल्लू की भी ऊंची चोटियां पर ढाई फीट तक बर्फबारी हुई। शिमला और आसपास के क्षेत्रों में बादल छाए रहे और शीतलहर चलती रही। ● एजेंसी

संघ की सभा आज से, शीर्ष पदाधिकारी होंगे शामिल

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रतिनिधि सभा 15 मार्च से 17 मार्च तक नागपुर में होने जा रही है। यह सभी ऐसे वक्त हो रही है, जब संघ अगले साल विजयादशमी को स्थापना के 100 साल पूरे करेगा।

बैठक में राम मंदिर पर भी प्रस्ताव पारित होने की उम्मीद है। अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में 1529 शीर्ष पदाधिकारी शामिल होंगे। साथ ही संघ से जुड़े 36 संगठनों के अध्यक्ष, महासचिव समेत प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे। सभा में कई अहम मुद्दो पर चर्चा होगी।

सीएए कानून देशहित में नहीं: केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

● बोले- घुसपैठियों को भारत में वैध बना रही केंद्र, आम लोगों का पैसा दूसरे देशों के अल्पसंख्यकों पर खर्च करना मंजूर नहीं

आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार के देश में सीएए लागू करने के निर्णय का विरोध किया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सीएए देशहित में नहीं है। केंद्र सरकार देश के करोड़ों लोगों को रोजगार व मकान नहीं दे पाई है, वहीं वह पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान से आने वाले करोड़ों लोगों को नौकरी व मकान देगी। उन्होंने कहा-जो अवैध घुसपैठिए देश में आने से डरते थे लेकिन केंद्र ने सीएए कानून बनाकर उनको भारत में आने को वैध बना रही है।

केजरीवाल बोले- भाजपा सीएए लाकर देश के साथ ऐसा खिलवाड़ वोट बैंक के लिए कर रही है। जहां भाजपा का वोट कम है, वहां दूसरे देशों के गरीब लोगों को झुग्गियां बनाकर बसाया जाएगा। उन्होंने चुनाव से पहले सीएए लाने पर भी सवाल उठाया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में सीएए का विरोध करते हुए कहा कि देश पर 10 साल राज करने के बाद लोकसभा चुनाव से ठीक

पहले भाजपाइयों को सीएए की बात करनी पड़ रही है। अगर वह 10 साल में कुछ अच्छा काम कर लेते तो आज सीएए की जगह अपने काम पर जनता से वोट मांग रहे होते। आज देश में सबसे बड़ी समस्या महंगाई और बेरोजगारी है। ऐसे में केंद्र सरकार इनका समाधान ढूंढने के बजाय सीएए की बात कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के अनुसार पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक अगर भारत की नागरिकता लेना चाहें तो उनको भारत की नागरिकता दे दी जाएगी। इसका मतलब है कि इन तीनों देशों से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यकों को भारत में लाया जाएगा। उनको भारत में बसाया जाएगा, उनको रोजगार और घर दिया जाएगा।

महाराष्ट्र : अहमदनगर का नाम अहिल्या नगर और नाम भी बदलेंगे

मुंबई। लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले महाराष्ट्र सरकार की आखिरी कैबिनेट बैठक में अहमदनगर शहर का नाम बदलकर अहिल्यानगर करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। अहमदनगर ननि ने 15 दिन पहले यह प्रस्ताव सरकार को भेजा था।

दरअसल, अहमदनगर जिले के चौंडी गांव में ही देवी अहिल्या बाई का जन्म हुआ था। इसके साथ ही मुंबई के 8 रेलवे स्टेशनों के ब्रिटिश नाम भी बदले जाएंगे। करी रोड स्टेशन का नाम लालबाग, सैंडहर्स्ट रोड का नाम डोंगरी, मरीन लाइन्स का नाम मुंबादेवी, चर्नी रोड का नाम गिरगांव, कॉटन ग्रीन का नाम कालाचौकी स्टेशन, डॉकयार्ड का नाम मझगांव, किंग्स सर्कल का नाम तीर्थंकर पार्श्वनाथ करने को मंजूरी दी गई।

चरमपंथी गतिविधियों से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध ब्रिटेनः सुनक

लंदन, एजेंसी

● नए उपायों से असहिष्णुता, घृणा या हिंसा पर आधारित विचारधारा वाले लोगों पर लगेगी लगाम

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर कब्जा करने की कोशिश करने वाली चरमपंथी गतिविधियों से निपटने के हमारे पास उपाय होने के लिए प्रतिबद्ध है।

हाउस आफ कामंस में 'प्रधानमंत्री के सवालों' के जवाब में सुनक ने गुरुवार को संसद में पेश की जाने वाली चरमपंथ की एक नई परिभाषा की रिपोर्टों का हवाला दिया और जोर दिया कि नई रणनीति स्वतंत्र अभिव्यक्ति को प्रभावित नहीं करेगी। नए उपायों से उन समूहों या लोगों पर प्रतिबंध लगाने की उम्मीद है जो असहिष्णुता, घृणा या हिंसा पर आधारित विचारधारा को बढ़ावा देते हैं और स्पष्ट रूप से निर्धारित करते हैं कि ब्रिटिश

सरकार किन समूहों और व्यक्तियों को समर्थन या फंड दे सकती है। सुनक ने कहा कि वास्तव में चरमपंथी गतिविधियों में वृद्धि हुई है जो हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं पर काबू करने की कोशिश कर रही है। यह महत्वपूर्ण है कि हमारे पास इस खतरे से निपटने के लिए उपकरण हों। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल निजी और शांतिपूर्ण मत रखने वालों को चुप कराने के बारे में नहीं है।

विज्ञान वैज्ञानिकों ने कहा- दुर्लभ खगोलीय घटना के बाद एक नए तारे का जन्म होगा

नग्न आंखों से दिखेगी नोवा विस्फोट की घटना

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार : यह वर्ष एक खगोलीय घटना को लेकर बेहद खास रहने वाला है। इस घटना में एक दुर्लभ नोवा विस्फोट होने जा रहा है। इस घटना के साथ ही एक नवजात तारा जन्म लेगा। इस घटना को नग्न आंखों से देखा जा सकता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इस वर्ष नग्न आंखों से दिखाई देने वाला एक नोवा विस्फोट रात के आकाश को जगमगाने लगेगा। तारे के जन्म को लेकर यह दुर्लभ खगोलीय घटना है। जिसके हम सब गवाह बनेंगे। यह घटना टी कोरोनाए बोरेलिस (टी सीआरबी) नामक तारा मंडल में घटने वाली है। यह घटना दूर आसमान में पृथ्वी से लगभग 3000 प्रकाश वर्ष दूर है। यह घटना एक लाल विशाल तारा और एक सफेद बौना तारे में हो रही है।

लाल तारे की परिक्रमा करते बौना तारे की तस्वीर।

दोनों एक दूसरे की परिक्रमा करते हैं। वैज्ञानिक इसे नोवा विस्फोट कहते हैं। जिसमें सफ़ेद बौना अपने लाल विशाल साथी से पर्याप्त मात्रा में तारकीय सामग्री चुराता है और अपनी सतह पर परमाणु संलयन की एक संक्षिप्त चमक को प्रज्वलित करता है। जिससे यह समझा जा सकता है कि एक नया तारा जन्म लेने जा रहा है। नासा के अधिकारियों का इस घटना को लेकर कहना है कि इस घटना में एक बड़ा विस्फोट सितंबर के बीच होने की उम्मीद है, जो आकाश में उत्तरी तारे (नार्थ स्टार) के समान चमकीला दिखाई देगा और लुप्त होने से एक सप्ताह तक इसकी चमक दिखाई देगी। इस तरह की घटना जीवन में एक बार देखने को मिलती है, क्योंकि नोवा विस्फोट लगभग 80 साल में होता है।

1946 में देखा गया था नोवा विस्फोट

नासा के अनुसार आखिरी बार 1946 में नोवा विस्फोट हुआ था। जिसे आवर्ती नोवा विस्फोट के नाम से जाना जाता है। हमारी मिल्की के भीतर ज्ञात पांचवा विस्फोट था। इस वर्ष होने जा रहे विस्फोट का आनंद दूरबीन से भी लिया जा सकता है, जो बूट्स और हरक्यूलिस नक्षत्रों के बीच देखी जा सकेगी।

भारत के विरुद्ध आतंकी तत्वों के लिए इस्तेमाल हो रही अमेरिकी धरती

वाशिंगटन, एजेंसी

● भारतीय मूल के लोगों ने लगाया आरोप, जांच एजेंसी एफबीआई से मिले भारतवंशी

अमेरिका में सिलिकॉन वैली के प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकियों के समूह ने न्याय विभाग, संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विशेष बैठक की। इस मुलाकात में भारतीय मूल के लोगों ने आरोप लगाया कि भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों के लिए अमेरिका की धरती इस्तेमाल हो रही है।

कानून प्रवर्तन एजेंसियों से सिलिकॉन वैली में मुलाकात करने वाले भारतीयों के समूह में समुदाय के कई प्रमुख लोग शामिल रहे। इन लोगों ने अमेरिका में हिंदू समुदाय के लोगों के खिलाफ बढ़ रहे घृणा अपराध के मामलों पर चिंता जाहिर की और कार्रवाई की मांग की।

हिंदू और जैन समुदाय के मंदिरों पर हुए हमले भारतीय दल का नेतृत्व समुदाय के नेता अजय जैन भुतोरिया ने किया। बैठक में अमेरिका में हिंदू और जैन मंदिरों पर हुए हमलों का मुद्दा उठाया गया, साथ ही इस बात से नाराजगी जाहिर की गई कि कानूनी एजेंसियां आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही हैं।

भारतीय मूल के लोगों ने आरोप लगाया कि कानूनी एजेंसियां अमेरिका में बैठकर भारत में आतंकवाद फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही हैं। इस बैठक में न्याय विभाग के कई अधिकारियों के साथ ही एफबीआई के अधिकारी और सैन फ्रांसिस्को, मिलपितास, फ्रेमॉन्ट और नेवार्क पुलिस के अधिकारी भी शामिल हुए।